जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 144 प्रभात बीकानेर, बुधवार 17 दिसम्बर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

'मनरेगा के नाम परिवर्तन का विरोध, राम का विरोध है'

भाजपा ने स्कीम का नाम जी राम जी करके एक नई दुविधा खड़ी की, कांग्रेस के सामने

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर। कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाया है कि क्या नरेन्द्र मोदी सरकार अब महात्मा गांधी को लोगों की यादों से मिटाने की कोशिश में, महात्मा गांधी बनाम भगवान राम का एक नया कथानक गढ़ने की कोशिश कर रही है?

मनरेगा का नाम बदलकर अब जी राम जी किया जा रहा है और इससे संबंधित विधेयक लोकसभा में पेश कर किया गया है और इस पर चर्चा होगी और यह पास हो जाएगा, क्योंकि लोकसभा में भाजपा और एनडीए के पास बहुमत है।

- यह विवाद कितना जीवंत होगा, यह तो समय ही बताएगा, पर, कांग्रेस इसे महात्मा गांधी का नाम मिटाने का प्रयास बताकर, भारी आंदोलन खड़ा करने का गंभीर प्रयास कर रही है।
- बुधवार को कांग्रेस ने देश भर में हर जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है तथा घोषणा के अनुसार, प्रियंका गांधी इस विरोध के कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगी। कांग्रेस का तर्क है कि विवाद खोखला है, क्योंकि महात्मा गांधी के मन में कभी भी राम के प्रति कोई अनादर की भावना नहीं थी, बल्कि, गोली लगने के बाद मरने से पहले, उनके अंतिम शब्द थे, ''हे राम''।

दिलचस्प बात यह है कि एनडीए का एक सहयोगी दल तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) भी इस विधेयक का विरोध कर रहा है। यह विधेयक उस मनरेगा योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने का प्रयास करता है, जिसे कांग्रेस ने ग्रामीण बेरोजगारों को काम देकर उनकी आजीविका चलाने में मदद के लिए शुरू किया था। आज पूरे विपक्ष ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया और कल पार्टी देश भर के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करेगी। यह विरोध प्रदर्शन 28 दिसंबर को भी होगा, जो कांग्रेस का स्थापना दिवस भी है।

यदि विपक्ष नाम बदलने का विरोध कर रहा है, तो क्या इसका मतलब यह है कि वह भगवान राम का विरोध कर रहा है? यही वह कथानक है, जिसे भाजपा गढ़ना चाहती है।

जब आर.एस.एस. के आदमी ने महात्मा गांधी की हत्या की थी तो उनके आखिरी शब्द थे, ''हे राम''। विरोधाभास महात्मा गांधी के मन में नहीं था, बल्कि भाजपा और उसके नेताओं के मन में है।

विधेयक के प्रावधानों को बदल दिया गया है, ताकि यह योजना केन्द्र की फंडिंग पर निर्भर रहे और यदि फंड खत्म हो जाएं तो योजना निलंबित हो जाए।

कांग्रेस का आरोप है कि इसका मकसद धीरे-धीरे महात्मा गांधी की विरासत को मिटाना है। जिन्हें राष्ट्र राष्ट्रपिता के रूप में पूजता है, स्वतंत्रता संग्राम के प्रतीक के रूप में सम्मान देता है, और जिन्होंने एक कट्टर हिंदू राष्ट्रवादी के हाथों अपनी जान गंवाई थी और यही कथानक नरेन्द्र मोदी सरकार फिर से बना रही है।

डमी अभ्यर्थी बैठाकर चयनित तृतीय श्रेणी अध्यापक गिरफ्तार

जयपुर, 16 दिसम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा 2023 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर चयनित अध्यापक को गिरफ्तार किया गया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि प्री रीट परीक्षा 25 फरवरी 2023 को आयोजित की गई थी। एसओजी को गोपनीय सूचना प्राप्त हुई कि देवीलाल निवासी सिणधरी जिला बालोतरा हाल पदस्थापन राजकीय प्राथमिक विद्यालय काली राणों की ढाणी बोडवा ब्लॉक बायतू जिला बालोतरा में पदस्थापित है, वह तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा में नहीं बैठा था। पड़ताल करने पर पता चला कि देवीलाल के स्थान पर देवा राम ने परीक्षा दी थी। जिसके बदले में देवीलाल ने देवा राम से पांच लाख रुपये में सौदा तय किया था। परीक्षा देने के बाद 3 लाख रुपये दिये थे। देवाराम को गिरफ्तार कर गहन पूछताछ की गई। उसने माना कि वह देवीलाल का डमी प्रत्याशी था। इसके बाद एसओजी की टीम ने देवीलाल की तलाश की तो देवीलाल अपने आपको पूर्णत: आईसोलेट किया हुआ था एवं अपने विद्यालय से भी अनुपस्थित था। पर अतंत: एसओजी ने देवीलाल जाट को गिरफ्तार कर लिया।

- चयनित देवीलाल ने 5 लाख रूपए में देवाराम से परीक्षा दिलवाई थी।

नीतीश कुमार का ग्यारह मिनिट का एक नया वीडियो वायरल हुआ

वीडियो में नीतीश कुमार एक मुस्लिम महिला से हिजाब उतारने के लिए कुछ कहते दिख रहे हैं, पर, महिला इस दिशा में कुछ करती इसके पहले मु.मंत्री ने आगे बढ़कर स्वयं खींच कर उसका हिजाब उतार दिया

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। पटना में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान एक महिला के चेहरे से ''हिजाब'' खींचने के हैरान कर देने वाले कृत्य के बाद, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर उठ रहे विवाद और उनसे इस्तीफा देने की मांगें एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं।

नये भर्ती हुए आयुष (आयुर्वेद, योग और नैचुरोपैथी, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) डॉक्टरों के प्रमाण पत्र वितरण समारोह में, 74 वर्षीय मुख्यमंत्री बुर्का वाली एक महिला से ''हिजाब'' हटाने के लिए कहते हुए दिखाई दे रहे हैं। इससे पहले कि वह कोई प्रतिक्रिया देती, मुख्यमंत्री ने खुद ही हिजाब खींच दिया। समारोह के 11 मिनट क वीडियो में मुख्यमंत्री की यह हरकत बखूबी नज़र आ रही है।

विपक्षी नेताओं, विशेष रूप से कश्मीर के नेताओं ने इस निर्लज्ज और घटिया कृत्य पर आपत्ति जताई है और मांग की है कि कुमार को इस्तीफा देने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने एक्स पर कहा, ''बिहार में सर्वोच्च पद पर आसीन एक व्यक्ति इस घटिया कृत्य में खुलकर शामिल हो रहा है। जरा सोचिए, राज्य की महिलाएं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जद (यू) नेतागण, इस कृत्य को पिता तुल्य स्नेह का प्रतीक बताकर समझा रहे हैं।
- पर, मुस्लिम नेताओं ने, विशेषकर कश्मीर के नेताओं, जैसे महबूबा मुफ्ती ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि इस घटना से जाहिर होता है कि नीतीश के राज्य में महिलाएं कितनी सुरक्षित हैं और मु.मंत्री को इस शर्मनाक कृत्य के कारण तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।
- भाजपा के लोग, ढूंढ-ढांढ कर गहलोत के राज की घटना की याद ताज़ा कराने में जुटे, जब, मु.मंत्री ने एक महिला का घूंघट उतार दिया था।
- इस संदर्भ में नीतीश कुमार की ऐसी पुरानी बेढब सी घटनाओं की पुनः चर्चा हो रही है और यह भी कहा जा रहा कि गत वर्ष नीतीश कुमार की इंगलैण्ड की यात्रा भी नीतीश के इलाज के लिए ही थी।

प.बंगाल की वोटर लिस्ट से 58 लाख नाम कटे

यह घटनाक्रम प.बंगाल में राजनैतिक तूफान ला सकता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। पश्चिम बंगाल की प्रारंभिक मतदाता सूची से, स्पेशल इंटैन्सिव रिवीज़न (एसआईआर) के बाद, 58 लाख से अधिक नाम हटा दिए गए हैं और यह घटनाक्रम प.बंगाल, जहाँ चुनाव होने वाले हैं, में राजनैतिक तूफान पैदा कर सकता है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य डुप्लिकेशन और गलतियों को बाहर करना था। इन 58 लाख नामों में से 24 लाख को ''मृत'', 19 लाख को ''स्थानांतरित'', 12 लाख को ''गायब'', और 1.3 लाख को ''डुप्लिकेट'' के रूप में चिह्नित किया गया है।

प्रारंभिक सूची के प्रकाशन का अर्थ है, एसआईआर का पहला चरण पूरा हो गया है। जिनके नाम सूची से गलत तरीके से हटाए गए हैं, वे अब आपत्ति दर्ज कर सकते हैं और सुधार की मांग कर सकते हैं।

- एसआईआर के बाद प्रकाशित संशोधित मतदाता सूची में जो 58 लाख नाम कटे हैं, उनमें से 24 लाख को मृत, 19 लाख को स्थानांतरित, 12 लाख को लापता व 1.3 लाख को डुप्लीकेट बताया गया है।
- राजनैतिक विश्लेषकों का सवाल है कि ममता बनर्जी, जिन्होंने चुनाव आयोग को एक भी नाम नहीं काटने की चुनौती दी थी, अब कौनसा कदम उठाएंगी।
- हालांकि, जिन लोगों के नाम कटे हैं वे आपत्ति पत्र देकर सुधार की अपील कर सकते हैं। उसके बाद फरवरी में फाइनल मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

इन आपत्तियों के निपटारे के बाद, अंतिम सूची अगले वर्ष फरवरी में प्रकाशित की जाएगी। बंगाल में विधानसभा चुनावों की घोषणा अंतिम सूची के प्रकाशन के बाद की जाएगी। बंगाल में पिछला एसआईआर 2002 में किया गया था।

दिल्ली एयरपोर्ट पर कोहरा, 131 उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली, 16 दिसंबर। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार को 131 उड़ानें रद्द रहीं।

हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि शाम छह बजे तक दिल्ली से जाने वाली 52 और दिल्ली आने वाली 79 घरेलू उड़ानें अब तक रद्द रही हैं। आज हालांकि सोमवार की तुलना में स्थिति कुछ बेहतर रही, लेकिन सोमवार को हुई देरी और रद्द रही उड़ानों का असर भी परिचालन पर देखने को मिला।

दिल्ली में सोमवार को 228 उड़ानें रद्द रही थीं, जिनमें 131 जाने वाली और 97 आने वाली उड़ानें थीं। इसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हवाई अड्डे के अफसरों ने बताया शाम 6 बजे तक दिल्ली से जाने वाली 52 और आने वाली 79 घरेलू उड़ानें रद्द की गई हैं।

'19 दिसंबर तक हर दिन सदन में मौजूद रहें'

भाजपा ने अपने लोकसभा सदस्यों के लिए व्हिप जारी किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। संसद के शीतकालीन सत्र का आखिरी सप्ताह शुरु हो गया है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सभी लोकसभा सदस्यों को व्हिप जारी किया है, जिसमें उन्हें 15 दिसम्बर से 19 दिसम्बर तक प्रत्येक दिन सदन में उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

यह व्हिप इस सप्ताह के दौरान सरकार द्वारा पेश किये जाने वाली कई विधेयकों पर मतदान होने के कारण जारी किया गया है, जिनमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त किया जाना तथा इसके स्थान पर एक नई ग्रामीण रोजगार योजना 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' लाया जाना शामिल है।

इस सप्ताह मंजूरी के लिए सूचीबद्ध अन्य विधेयकों में नए आपराधिक न्याय विधेयक और बीमा संशोधन विधेयक शामिल हैं, जिसके तहत एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) को 100 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। इनके अलावा 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' भी पेश किया जाना है।

- संसद के शीतकालीन सत्र का अंतिम सप्ताह शुरु हो गया है और केन्द्र सरकार मनरेगा अधिनियम को खत्म कर उसकी जगह नई ग्रामीण रोज़गार योजना लाना चाहती है, जिसका नाम है, विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण)।
- इसके अलावा नये क्रिमिनल जस्टिस बिल, बीमा संशोधन बिल और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल लाया जाएगा।
- भाजपा चाहती है कि वह सदन में पूर्ण संख्या बल से उपस्थित रहे ताकि ये विधेयक पारित हो सकें।

सलमान खान व राजश्री पान मसाला से जवाब मांगा

जयपुर, 16 दिसंबर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 महानगर द्वितीय ने भ्रामक विज्ञापन का प्रचार करने के आरोप के साथ, दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए फिल्म अभिनेता सलमान खान और राजश्री पान मसाला निर्माता को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। ये निर्णय आयोग अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीना ने योगेन्द्र सिंह के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

- जिला उपभोक्ता आयोग ने भ्रामक विज्ञापन का प्रचार करने के आरोप में नोटिस जारी किए।

परिवाद में कहा गया कि राजश्री पान मसाला निर्माता अपने उत्पाद का फिल्म अभिनेता सलमान खान से प्रचार कराते हैं। विज्ञापन में इस उत्पाद को इलायची बताया गया है, लेकिन इसकी पैकेजिंग और प्रचार शैली के साथ, शब्दों से यह लोगों को पान मसाला और गुटखा जैसे हानिकारक उत्पाद का उपयोग करने के लिए आकर्षित करता है। ऐसे में यह भ्रामक विज्ञापन की परिभाषा में आता है।

परिवाद में यह भी कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट साल 2004 में तय कर चुका है कि किसी उत्पाद का समर्थन करने वाले सेलिब्रिटी को भी उस उत्पाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लूथरा बंधु एयर पोर्ट से गिरफ्तार

नयी दिल्ली, 16 दिसंबर। गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिकों, लूथरा बंधुओं, को मंगलवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया। ये दोनों भाई क्लब में आग लगने के कुछ ही घंटों बाद थाईलैंड भाग गये थे और भारत सरकार की ओर से की गयी पहल के बाद इन्हें स्वदेश लाया गया है।

ये दोनों भाई आज दोपहर 1.45 बजे इंडिगो की उड़ान से दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, दोनों को पटियाला हाउस अदालत में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा, जहाँ गोवा पुलिस उनके ट्रांजिट रिमांड की मांग कर सकती है।

- गोवा नाइट क्लब हादसे के आरोपी तथा नाइट क्लब के मालिक गौरव एवं सौरभ लूथरा मंगलवार दोपहर पौने दो बजे इंडिगो फ्लाइट से दिल्ली पहुंचे जहां इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

गौरतलब है कि उत्तरी गोवा के आरपोरा में बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में 6 और 7 दिसंबर की दरमियानी रात को आग लगने की दुर्घटना के कारण 25 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकांश पीड़ितों की मौत दम घुटने से हुई थी।

इस बीच, लूथरा बंधुओं को लेकर आ रहे इंडिगो विमान के पायलट और विमान में मौजूद पत्रकारों के बीच कहासुनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ठिकाना गलता पीठ में कोई नया निर्माण और व्यवसायिक गतिविधि नहीं हो'

राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और देवस्थान विभाग को आदेश दिए

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 16 दिसम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आदेश दिए हैं कि राज्य सरकार और देवस्थान विभाग जयपुर के ठिकाना गलतापीठ तीर्थ स्थल पर कोई भी नया निर्माण नहीं करें और यह सुनिश्चित करें कि यहां केवल धार्मिक गतिविधियों की ही अनुमति दी जाए। किसी अन्य तरह की व्यवसायिक गतिविधि जैसे कि फिल्म शूटिंग अथवा अन्य कोई कार्य नहीं हों।

कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा और न्यायाधीश संगीता शर्मा की खंडपीठ ने अवधेशाचार्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए ये आदेश दिए। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सुरूचि कासलीवाल पैरवी के लिए पेश हुई थीं।

जैसा कि विदित है कि ठिकाना गलताजी में महंत की गद्दी के विवाद पर हाईकोर्ट में मामला लंबित है और इस संदर्भ में अवधेशाचार्य की ओर से हाईकोर्ट की एकलपीठ के आदेश के खिलाफ अपील दायर की गई है। पूर्व में इस अपील पर जिरह के दौरान तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव की खंडपीठ ने आदेश दिए थे कि देवस्थान विभाग और राज्य सरकार गलता ठिकाने की सार-संभाल करें और यहां मंदिरों में पूजा-अर्चना और नित्य गतिविधियां पूर्ववत सुचारू रूप से जारी रखना सुनिश्चित करें।

हाईकोर्ट ने देवस्थान विभाग को यह भी आदेश दिए थे कि वह किसी भी तरह के निर्माण कार्य, जो कि पूजा-अर्चना करने अथवा रखरखाव कार्यों से संबंधित हैं, का रिकॉर्ड भी अपने पास रखें।

मौखिक बहस के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि गलता ठिकाने पर इन दिनों नए-नए निर्माण हो रहे हैं, जिनका पूजा-अर्चना से कोई लेना-देना नहीं है। कई जगहों पर नई-नई मूर्तियां स्थापित भी की जा रही हैं और गलता ठिकाने के तीनों पवित्र कुंड, यज्ञ वेदी, गोपाल कुंड और सूर्य कुंड में, जहां साधु-महात्मा और श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाते हैं, वहां पर प्रशासन द्वारा छेड़छाड़ की जा रही है। पूर्व में यहां पर पहाड़ों के बीच से प्राकृतिक जलधारा का प्रवाह होता था, परंतु सरकारी महकमे द्वारा अब यहां छेड़छाड़ करते हुए बीसलपुर का पानी पहुंचाया जा रहा है। मान्यता के अनुसार, पूर्व में इन तीनों कुंडों में प्राकृतिक जल प्रवाह गौ-मुख के जरिए आता था। गौ-मुख से जो प्राकृतिक जलधारा आती थी, उसे अन्यत्र शिफ्ट कर दिया गया है।

याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि हाल ही में प्रशासन ने एक टैंडर जारी किया है, जो कि वाहन पार्किंग गतिविधियों और निर्माण कार्यों से संबंधित है, और हाईकोर्ट के मूल आदेश के विपरीत है, क्योंकि यह कार्य धार्मिक गतिविधियों से जुड़ा हुआ नहीं है।

हाईकोर्ट ने इस पूरे मामले की सुनवाई के बाद राज्य सरकार और देवस्थान विभाग को आदेश दिए हैं कि यह शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए कि ठिकाना गलता पीठ में किसी तरह का कोई नया निर्माण कार्य नहीं हो और यहां व्यावसायिक गतिविधियां भी नहीं होनी चाहिए।

- याचिकाकर्ता अवधेशाचार्य की ओर से अदालत में अपील दायर कर कहा गया था कि, ''गलता ठिकाने पर इन दिनों नए-नए निर्माण हो रहे हैं, जिनका पूजा-अर्चना से कोई लेना-देना नहीं है।''
- ज्ञात रहे कि गलताजी तीर्थ स्थल पर महंत की गद्दी को लेकर भी विवाद हाईकोर्ट में लंबित है, यहां फिलहाल हाईकोर्ट के आदेश पर राज्य सरकार ही सार-संभाल व पूजा-अर्चना सुनिश्चित कर रही है।

नैशनल हैरल्ड केस कोर्ट ने ईडी की चार्जशीट ठुकराई

नयी दिल्ली, 16 दिसंबर। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने मंगलवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी नेता राहुल गांधी को राहत देते हुए नेशनल हेराल्ड धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोप पत्र पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया।

इस आदेश से मामले में नामित अन्य पाँच आरोपियों को भी राहत मिली है। अदालत ने हालांकि कहा कि यदि ईडी चाहे तो अपनी जाँच जारी रखने के लिए स्वतंत्र है।

- राउज़ एवेन्यु कोर्ट ने कहा इस तरह की शिकायत के आधार पर धनशोधन के लिए कानूनी कार्यवाही भी स्वीकार्य नहीं है।

अदालत ने टिप्पणी की, ''पंजीकृत प्राथमिकी के अभाव में धन शोधन की जाँच और उसके आधार पर दायर की गयी अभियोजन शिकायत कायम नहीं रह सकती।''

अदालत ने कहा, ''इस तरह की शिकायत के आधार पर धन शोधन के लिए कानूनी कार्यवाही भी स्वीकार्य नहीं है। किसी निजी व्यक्ति द्वारा दायर शिकायत पर संज्ञान लेना कानूनी रूप से मान्य नहीं है।'' अदालत ने कहा कि मामले के गुण-दोषों पर अन्य तर्कों की जाँच करने की कोई आवश्यकता नहीं है। ईडी के आरोप पत्र में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डॉटैक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को नामजद किया गया था, जिसमें

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

हिंदी फिल्में सिनेमाघरों के पर्दे पर कम, ओटीटी पर अधिक

इक्कीसवीं सदी के पहले दो दशकों में हिंदी सिनेमा व्यवसाय एक बड़े बदलाव से गुज़रा है, जिसमें भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ तथा बड़े स्तर वाली फिल्मों का पारंपरिक मॉडल ध्वस्त हो रहा है। ओटीटी प्लेटफॉर्म का नया वितरण और प्रदर्शन तंत्र सिनेमाघरों की एक सदी से अधिक की प्रभुता को चुनौती देते हुए फिल्मों के भविष्य का फैसला करने लगे हैं। कोविड-19 महामारी ने इस बदलाव की गति को तेज किया, पर इसकी नींव पहले ही पड़ चुकी थी, जब संचार तकनीक ने लोक मनोरंजन के नये विकल्प देकर सिनेमा से मनोरंजन का एकमात्र साधन होने का खिताब छीन लिया। फिल्म निर्माण की अर्थव्यवस्था और भारत के डिजिटल ढांचे की तेजी से बढ़ती पहुंच ने मिलकर एक नई दिशा तय की। अब, हिंदी फिल्मों की थिएटर रिलीज़ में गिरावट और उनके ओटीटी पर सीधे रिलीज़ के बढ़ते चलन से मनोरंजन जगत का चरित्र भी तेजी से बदल रहा है। फिल्मों के भविष्य का फैसला अब सिनेमाघरों का बॉक्स ऑफिस नहीं करता। चतुर व्यवसायी अपने फिल्म की लागत उसकी रिलीज़ से पहले ही ओटीटी प्लेटफार्मों से निकाल लेते हैं। पहले फिल्म की आय सिर्फ टिकटों की बिक्री से होती थी। इसके अलावा फिल्म के गानों की रिकॉर्डों की बिक्री तथा रेडियो पर उनके प्रसारण से होने वाली रॉयल्टी भी निर्माता पाता था क्योंकि संगीत पर पूरा उसी का कॉपीराइट होता था। हालांकि बाद में गायक, संगीतकार और गीतकार को भी इस रॉयल्टी में हिस्सा मिलने लगा। अब तो अनेक फिल्में सिर्फ फिल्म फेस्टिवलों के लिए बनती है। महान निर्देशक होने की स्वीकृति फिल्म फेस्टिवलों के पुरस्कारों से ही मिलती है। अब दर्शक सिर्फ बड़े सितारों पर निर्भर नहीं हैं। खासकर शहरी और युवा दर्शकों में कहानी को प्राथमिकता मिलने लगी है। थिएटर अब सिर्फ इवेंट फिल्मों के लिए भीड़ खींचते हैं, जबकि मध्यम बजट की गंभीर या प्रयोगात्मक फिल्में सिनेमाघरों में टिक नहीं पातीं। लॉकडाउन के दौरान जब लोग महीनों फुरसत में घर बैठे डिजिटल माध्यम पर कंटेंट देखते रहे तो महामारी समाप्त हो जाने के बाद उनकी थियेटर जाने की इच्छा कम हो गई दिखी। उन्हें घर पर ही फिल्में देखने के कई फायदे लगे, मसलन समय की आज़ादी और कम खर्च। नई तकनीक ने व्यक्ति को अपनी मन चाहे समय, अकेले या परिवार के साथ, आरामदायक माहौल में फिल्म का आनंद लेने का विकल्प दिया। थियेटर में हमेशा ही आमतौर पर व्यावसायिक फिल्मों का बोलबाला रहा है, जबकि ओटीटी पर विदेशी सीरीज़ के साथ डॉक्यूमेंट्री, इंडी तथा क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्में तथा प्रयोगात्मक कंटेंट सब कुछ उपलब्ध हो गया। उधर फिल्म निर्माताओं का झुकाव ओटीटी तरफ इसलिए भी हुआ क्योंकि वहां बिना जोखिम के लागत की वसूली हो जाने के अवसर मिलने लगे। जहां थियेटर में फिल्म की किस्मत पहले दिन की कमाई, उसकी स्टार पावर, वर्ड ऑफ माउथ प्रचार, और प्रतिस्पर्धा पर निर्भर होती है वहां ओटीटी प्लेटफॉर्म फिक्स राशि में फिल्में खरीद लेते हैं जिससे एक सामान्य निर्माता बिना किसी बॉक्स ऑफिस जोखिम के शुरुआत में ही अपनी फिल्म के निर्माण की लागत निकाल लेता है। जहां एक ओर बड़े सितारों के बड़े-बड़े भुगतानों से फिल्मों का बजट बढ़ रहा है, वहीं थियेटरों में दर्शकों की संख्या निरंतर घट रही है। ऐसे में छोटे, कम चर्चित व नये कलाकारों को लेकर फिल्में बनाने वाले निर्माताओं के लिए ओटीटी बेहतर सौदा साबित होता है। हर प्लेटफॉर्म नए सब्सक्राइबर्स पाने के लिए एक्सक्लूसिव फिल्में चाहता है। इस प्रतियोगिता में निर्माता का ही लाभ होता है।

नई यंत्र तकनीकी पुराने बॉक्स ऑफिस फ़ॉर्मूलों से मुक्ति दिलाती है। ओटीटी पर फिल्में 'मसाला फ़ॉर्मूला' के दबाव से बच जाती हैं। निर्माता-पटकथा लेखक अब पूरी छूट से मनोवैज्ञानिक थ्रिलर, यथार्थवादी, महिला-केंद्रित तथा डार्क कॉमेडी जैसी फिल्में बना पाते हैं, जिससे छोटे और प्रतिभाशाली अभिनेताओं, लेखकों तथा निर्देशकों को सामने आने और अपनी प्रतिभा दिखने का अवसर मिलता है। इस प्रकार ओटीटी ने बड़े सितारों के वर्चस्व को तोड़ा है। तो क्या सिनेमाघर खत्म हो जाएंगे? यह सवाल अब खूब पूछा जा रहा है। यह कहना तो ठीक नहीं है कि थियेटर खत्म हो रहे हैं, मगर उनकी संख्या जरूर सीमित हो रही हैं। सिंगल स्क्रीन थियेटरों की जगह सितारा होटलों जैसे मल्टीप्लेक्स ने ली है जिनकी टिकट दरें भी सामान्यजन को उनसे दूर रखती है। वहां सिनेमा प्राथमिक नहीं है। वहां खान-पान और सैर-सपाटा प्रमुख है। यह भी पूछा जा रहा है कि क्या अब सिर्फ 'इवेंट सिनेमा' बचेगा? बहुतों को लगता है थियेटर अब मुख्यतः सुपरस्टार फिल्मों, बड़े एक्शन ड्रामा, भव्य ऐतिहासिक फिल्मों या फ्रेंचाइज़ी फिल्मों तक सीमित हो जाएगा। मगर बाज़ार के जानकार कहते हैं कि छोटे शहरों में अभी भी मांग बनी हुई है। कई जगहों पर सिंगल स्क्रीन आज भी चल रहे हैं, लेकिन वहां भी लोग बड़े एक्शन वाली और दक्षिण भारतीय फिल्मों की ओर आकर्षित होते दिखते हैं। मल्टीप्लेक्स की स्पष्ट रूप से अपनी सीमाएं हैं। मल्टीप्लेक्स के संचालक सिर्फ उन्हीं फिल्मों को स्क्रीन देते हैं जो अधिक कमाई करें। ऐसे में छोटी फिल्में पीछे रह जाती हैं और वे अंततः ओटीटी का रास्ता पकड़ती हैं। हम पाते हैं कि बॉलीवुड की कमाई के नये मॉडल में सैटेलाइट अधिकार घट रहे हैं और उनकी जगह भी ओटीटी ले रह हैं। टीवी देखने वालों की संख्या कम हो रही है, इसलिए सैटेलाइट राइट्स की कीमत घट गई है। अब ओटीटी राइट्स फिल्मों का बड़ा वित्तीय सहारा बन गए हैं। ऐसे में फिल्मों के हाइब्रिड रिलीज़ मॉडल सामने आये हैं। पहले थियेटरिकल रिलीज़ के बाद टीवी चैनल राइट्स देने का चलन था। अब कई फिल्म निर्माता जो नया मॉडल अपनाते हैं उसमें सीमित थियेट्रिकल के साथ जल्दी ओटीटी राइट्स, फेस्टिवल प्रीमियर के साथ ओटीटी राइट्स तथा सीधे ओटीटी राइट्स के साथ मांग पर थियेटर रिलीज़ के व्यवस्था होती है। जन संचार के नये माध्यम के रूप में उछलकर सामने आये सोशल मीडिया ने अन्य सभी क्षेत्रों के साथ फिल्मों के प्रचार पर भी प्रभाव डाला है। सोशल मीडिया में हर चीज तुरंत होती है। वहां इंस्टेंट रिव्यू कल्चर चल पड़ा है। इसमें अच्छे और बुरे सभी प्रकार के समीक्षक अपना लिखा जम कर चलाते हैं। यह एक ऐसा अनियंत्रित मीडिया है जहां खराब समीक्षा तुरंत फैल जाती है और फिल्म का बॉक्स ऑफिस गिर जाता है। बहुतों को यह लगता है कि ओटीटी इस जोखिम को कम कर देते हैं। सभी जानते हैं कि डिजिटल मीडिया एल्गोरिथ्म का खेल है और ओटीटी का एल्गोरिथ्म खुद ही फिल्म को लाखों यूज़र्स तक पहुंचाते हुए थियेटर को पछाड़ देता है। थिएटर में दर्शकों की भौतिक उपस्थिति और समय पर फिल्म की सफलता या असफलता तय करती है।

> **यह सही है कि ओटीटी ने ऑडियो-विज़ुअल मनोरंजन को सबके लिए सुलभ बनाया है और विविध आवाज़ों को नया मंच दिया है, मगर यह भी शंका जताई जा रही है कि यह नया गुब्बारा कितने दिन चलेगा और अंततः फटने में कितना समय लेगा? क्या वह डॉटकॉम के गुब्बारे की तरह एकदम धड़ाम हो जाएगा या मनोरंजन की दुनिया में अपनी स्थाई जगह बना लेगा? इन सभी सवालों के जवाब भविष्य के गर्भ में हैं। अभी किसी का मर्सिया पढ़ने का समय नहीं है।**

फिल्म देखने दिखाने की यंत्र तकनीक जनित नई व्यवस्था कुछ नया अनुभव दे रही है तो कुछ पुराना अनुभव हमसे छीन भी रही है। ओटीटी को नापसंद करने वाले कहते हैं कि इससे हम फिल्में देखने का सामूहिक अनुभव खो रहे हैं? थियेटर में एक साथ फिल्म देखना, तालियां बजाना, सीटी बजाना जैसा अनुभव ओटीटी पर संभव नहीं है। दूसरी तरफ थियेटर की विविधता समाप्त हो रही है। सिनेमा स्क्रीन पर ए-ग्रेड, बी-ग्रेड, और सी-ग्रेड तीनों श्रेणियों की फिल्में प्रदर्शन के लिए आती थी। विशेषज्ञ मानते हैं कि जैसे-जैसे छोटी फिल्में ओटीटी पर जा रही हैं, थिएटर केवल बड़े एक्शन और स्टार-फिल्मों तक सीमित होते जा रहे हैं। नये अभिनेताओं के संघर्ष की बात करें तो यह भी सामने आता है कि नये कलाकारों को ओटीटी पर पहचान तो मिल जाती है, पर थियेटर वाला बड़ा सितारा दर्जा पाना अब और मुश्किल बन गया है। ओटीटी पर किसी कलाकार की लोकप्रियता भी स्थाई या लंबी चलने वाली नहीं लगती। ऐसे में मनोरंजन बाज़ार की आर्थिकी पर निगाह रखने वाले विश्लेषक नयी व्यवस्था में हिंदी सिनेमा का दोहरा भविष्य देखते हैं। वे मानते हैं कि फिल्मों की थियेटर रिलीज़ में गिरावट और ओटीटी-एक्सक्लूसिव फिल्मों का उभार एक अस्थायी ट्रेंड नहीं है, बल्कि मनोरंजन उद्योग का स्थायी पुनर्गठन है। उनका मानना है कि आने वाले समय में हिंदी सिनेमा दो रास्तों पर चलेगा। एक सिनेमा थियेटरों के लिये होगा, जो बड़े स्टार, भव्य फिल्मों, हाई-विजुअल ड्रामा और फ्रेंचाइज़ी वाला होगा। और दूसरा ओटीटी के लिए होगा जिसमें यथार्थवादी कहानियां कही जाएगी, जहां माध्यम या कम-बजट की फिल्में होंगी, प्रयोगात्मक कथानक और नये कलाकारों के साथ विविध और निश्चित दर्शन समूहों को रिझाने वाला कंटेंट होगा। यह सही है कि ओटीटी ने ऑडियो-विज़ुअल मनोरंजन को सबके लिए सुलभ बनाया है और विविध आवाज़ों को नया मंच दिया है, मगर यह भी शंका जताई जा रही है कि यह नया गुब्बारा कितने दिन चलेगा और अंततः फटने में कितना समय लेगा? क्या वह डॉटकॉम के गुब्बारे की तरह एकदम धड़ाम हो जाएगा या मनोरंजन की दुनिया में अपनी स्थाई जगह बना लेगा? इन सभी सवालों के जवाब भविष्य के गर्भ में हैं। अभी किसी का मर्सिया पढ़ने का समय नहीं है। मनोरंजन की दुनिया तमाशे की दुनिया होती है। थियेटर का प्रयास यही रहेगा कि वे फिल्मों को उत्सव और भव्यता के साथ प्रदर्शित करते रहें। उनके यहां फिल्मों का प्रदर्शन एक ईवेंट हो जिससे उनकी हैसियत और उनका बॉक्स ऑफिस बना रहे। सिनेमाघरों में और ओटीटी पर प्रदर्शन के लिए फिल्मों के स्वरूप की चुनौती जरूर रहेगी। इन दोनों माध्यमों के बीच संतुलन को बनाए रखना आसान नहीं है क्योंकि मनोरंजन का बाज़ार अपने मुनाफे के अनुरूप नई-नई तकनीकों का विकास करता रहता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

कौन था मैकाले और क्या किया उसने जिसे 200 साल बाद 2035 तक मिटाकर, शून्य कर, ऐतिहासिक औपनिवेशिक अवशेष समाप्त करने हैं

महावीर सिंह

1834 में एक मैकाले (थॉमस बैबिंगटन मैकाले) नाम का अंग्रेज भारत आया था। वह तत्सम्य के ब्रिटिश भारत में, ईस्ट इंडिया कंपनी के सर्वोच्च अंग्रेज अधिकारी गवर्नर जनरल की कौंसिल में कानूनी व शैक्षणिक मुद्दों पर सलाहकार, सदस्य की हैसियत से आया था।

वर्तमान में देश के कई ख्यात नाम राजनेताओं, संगठनों ने यह आव्हान किया है कि 2035 में मैकाले के भारत में आने की घटना को 200 वर्ष हो जाएंगे। उसने हमारी सांस्कृतिक विरासत, शैक्षणिक कानूनी पद्धतियों को, इतिहास को जो नुकसान पहुंचाया, विकृत किया उसे समाप्त करना है।

मैकाले ने भारत में, मुख्य रूप से, दो काम किए --एक था न्याय व्यवस्था के सुव्यवस्थितीकरण के लिए इंडियन पीनल कोड (दंड संहिता), सी आर पी सी (क्रिमिनल प्रोसीजर कोड), सिविल प्रोसीजर कोड के मसौदे (ड्राफ्ट) तैयार किए जो कालांतर में कानून बने। इन कानूनों से पहले अपराधिक विवादों के निर्णय, अलग-अलग राज्यों - क्षेत्रों में धर्म शास्त्रों के आधार पर होते थे। दंड कई शास्त्रों के अनुसार जाती आधारित भी होते थे। अंग्रेजों द्वारा बनाए कानूनों के बाद ब्रिटिश भारत के क्षेत्रों में एकरूपता व स्पष्टता आ गई। इस से किसी को क्या नुकसान हुआ?

हां, कुछ धर्म शास्त्रों के अनुसार न्याय करने वाले न्याय अधिकारियों के अधिकार जरूर कम हुए। भारत के अधिसंख्य 80 प्रतिशत गरीब, मजदुर, किसान, रेहड़ी-ठेले वालों, छोटे दुकानदारों, दलित, पिछड़े, आदिवासियों का तो अंग्रेज शासन में बने इस प्रकार के कानूनों से कोई अहित हुआ नहीं।

स्वतंत्रता के बाद भारत की संसद ने इन कानूनों में, आवश्यकता के अनुरूप, समय समय पर संशोधन किए हैं। वर्तमान सरकार ने तो इन तीनों कानूनों की जगह नए नामों से, कुछ अपराधों की धाराओं की संख्या में परिवर्तन करके और कुछ ठोस परिवर्तन करके, नए कानून बना दिए। वैसे इसमें कुल मिला कर यह सारी कवायद पुरानी शराब नई बोतल वाली सी बात है। हमारी संसद ने इस कवायद से पहले भी अनेक नए अपराधिक कानून बनाए है,कई कानूनों में संशोधन किए है, कई अप्रासंगिक हुए कानूनों के निरस्त किया है। इस प्रकार मैकाले की इस आधार पर तो आलोचना का कोई बिंदु नहीं बनता।

अब आते दूसरे बिंदु पर। शिक्षा के क्षेत्र में उस के द्वारा गवर्नर जनरल को दिए सुझाव व उनका क्रियान्वयन करण। उन पर आरोप है कि उन्होंने शिक्षा के लिए पाश्चात्य दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आलोचक कहते है मैकाले ने तत्सम्य की भारतीय शिक्षण पद्धतियों, भारतीय संस्कृति और भारतीय शास्त्रों में वर्णित ज्ञान भंडार को लुप्त करने कराने की शुरुआत की। इतना ही नहीं उसने शिक्षा का माध्यम भी अंग्रेजी भाषा रखने की अनुशंसा की जिसे माना गया।

आगे विचार करने से पहले यह जानना जरूरी है कि अंग्रेजों के आने से पहले, प्राचीन काल से मैकाले से पूर्व भारत में शिक्षा व्यवस्था क्या थी? एक काल मुस्लिमों के सत्ता में आने से पहले का है और दूसरा इस के बाद का।

प्राचीन भारत में प्रारंभिक, प्राथमिक शिक्षा के लिए विभिन्न छोटे-बड़े राज्यों में राज्यों द्वारा क्या कोई व्यवस्था थी, इसका कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिलता। इस स्तर की शिक्षा की व्यवस्था का जिम्मा ग्राम, शहर स्तर पर मुख्यत पढ़ें लिखे ब्राह्मणों या कुछ दूसरे पढ़े-लिखे लोगों का था। यह लोग या तो अपने निवास पर या समुदाय द्वारा उपलब्ध स्थान पर या मंदिरों, मठों में बालकों को पढ़ाते थे। इनके भरण पोषण का जिम्मा या तो ग्राम, मोहल्ला, टोला निवासी करते थे या कोई सेठ साहूकार करते थे या कहीं-कहीं बड़े जमींदार, जागीरदार या राज्य ऐसे लोगों को निःशुल्क कृषि भूमि देते थे जो सामान्यत माफी भूमि कहलाती थी। इस प्रकार दी गई भूमियों को कहीं-कहीं अग्रहार भी कहा जाता था।

उपरोक्त के अतिरिक्त कुछ गुरुकुल भी होते थे। उन्हें वर्तमान की स्कूलों की तरह स्कूल समझा जा सकता है। इनमें अधिकतर एक गुरुजी ही अध्यापन का दायित्व निभाते थे। युद्ध कोशल, व्यापारिक तरीकों की सिखलाई आदि के लिए अलग गुरुकुल होते होंगे। इन गुरु कुलों में, गुरु रहते थे और वहां पर दूर-दूर से विद्यार्थी आते थे, वहीं ठहरते थे पढ़ाई करते थे, अपना स्वयं का काम करते थे और गुरु की भी उनके घरेलू कार्यों में करते थे।

> **वर्तमान में देश के कई ख्यात नाम राजनेताओं, संगठनों ने यह आव्हान किया है कि 2035 में मैकाले के भारत में आने की घटना को 200 वर्ष हो जाएंगे। उसने हमारी सांस्कृतिक विरासत, शैक्षणिक कानूनी पद्धतियों को, इतिहास को जो नुकसान पहुंचाया, विकृत किया उसे समाप्त करना है। मैकाले ने भारत में, मुख्य रूप से, दो काम किए - एक था न्याय व्यवस्था के सुव्यवस्थितीकरण के लिए इंडियन पीनल कोड (दंड संहिता), सी आर पी सी (क्रिमिनल प्रोसीजर कोड), सिविल प्रोसीजर कोड के मसौदे (ड्राफ्ट) तैयार किए जो कालांतर में कानून बने।**

क्या पढ़ाया जाता था??

उपरोक्त स्थानों पर मुख्य रूप से हिंदू धर्म शास्त्रों (वेद, स्मृति उपनिषद, ब्राह्मण ग्रन्थ इत्यादि, व्रत - त्यौहार - पूजा पाठ विधि आदी), बौद्ध, जैन धर्म शास्त्रों का अध्ययन-अध्यापन होता था। पढ़ाई का तरीका मुख्यत बोलना, सुनना, सुनाना था। दर्शन शास्त्र, नीति शास्त्र, प्रारंभिक गणित, आयुर्वेद, वस्तु शास्त्र, योग, संगीत, चित्रकला, खगोल विज्ञान, व्याकरण, धनुर्विद्या, युद्ध कला, शारीरिक शिक्षा, अर्थशास्त्र, नैतिक आचरण इत्यादि पढ़ाए जाते थे। पाठ्यक्रम लचीले थे, उसमे व्यवहारिक अनुभव आदि सभी विषय होते थे। कुछ विषयों के लिए जैसे युद्ध कोशल, धनुर्विद्या, आयुर्वेद आदि के लिए बड़े जागीरदार, राजा लोग पाठशालाएं, गुरुकुल जरूर वित्तपोषित करते होंगे क्योंकि इन में इस प्रकार के विशिष्ट लोगों की ही रुचि रहती होगी, सामान्य आदमियों की नहीं।

मुस्लिमों के आने के बाद इस्लामिक धर्म व व्यवहारिक विषयों आदि की शिक्षा मुसलमान फकीरों, मौलवियों द्वारा दी जाती थी। कहीं-कही दूर-दूर से विद्यार्थी आकर एक स्थान पर पढ़ते थे, उन स्थानों को मुख्यत मदरसा कहा जाता था। यहां मुख्यत मुस्लिम धर्म से जुड़ी बातें सिखाई जाती थी। इसमें कुरान, हदीस, शरीयत, गणित, विज्ञान, तर्क, इस्लामिक इतिहास, चिकित्सा आदि विषय पढ़ाए जाते थे। और इसके अतिरिक्त मोटा-मोटा मुस्लिम कानून, सामाजिक ज्ञान, सुलेख (कैलीग्राफी) आदि पढ़ाए जाते थे। मदरसों में शिक्षा का माध्यम मुख्यत अरबी, फारसी, उर्दू होता था। मदरसों में बंगाली, अंग्रेजों के आने के बाद अंग्रेजी भी पढ़ाई जाती थी।

सही है, प्राचीन भारत में शिक्षा के कुछ बड़े, विश्व प्रसिद्ध शिक्षा केंद्र, विश्व विद्यायल भी थे। मौर्य काल में तक्षशिला, गुप्तकाल में नालंदा, उज्जैन, विक्रमशिला शिक्षा के बड़े केंद्र थे। इन विश्व विद्यालयों में चीन आदि बाहर के देशों से लोग पढ़ने, सीखने, पढ़ाने आते थे। यह भी सही है कि 7वी ईस्वी सदी से पहले के कुछ महान गणितज्ञ, खगोल व ज्योतिष विज्ञान में पारंगत प्रसिद्ध विभूतियां भारत में हुई है जैसे– आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, भास्कराचार्य, वराह मिहिर आदि। शून्य व दशमलव प्रणाली की अवधारणा, बीज गणित, त्रिकोणमिति, ग्रहों की गति गणना आदि क्षेत्रों में इन विभूतियों का बड़ा योगदान है।

अब यहां एक प्रश्न उठाया जाना जरूरी है कि 7वी सदी के बाद के काल खंड की चर्चा करें तो उस दौरान शेष विश्व के कई देशों में कई नई क्रांतिकारी खोजें हुए, विचार उभरे तो भारत में जो शिक्षा का स्तर था उसने आम आदमी को क्या दिया? विश्व में इस काल खंड में कागज आया, प्रिंटिंग प्रेस आई, बारूद आई, साहसी लोगों में जान जोखिम में डाल के समुद्री यात्राएं कर अमरीका जैसा नया संसार खोजा, सस्ते व्यापार के लिए भारत जैसे देशों के लिए नए समुद्री व्यापारिक मार्ग ढूंढे। जब पश्चिम, मध्य एशिया, चीन आदि देशों में यह सब हो रहा था, भारत में क्या नई खोजें हुई?

मैकाले की आलोचना के प्रमुख बिंदु -----

मैकाले की योजना थी कि सीमित संसाधनों के चलते पहले उच्च वर्ग को अंग्रेजी शिक्षा दी जाए। यह लोग पाश्चात्य ज्ञान आम जनता तक पहुँचा सके। ब्रिटिश प्रशासन के लिए जनता और शासन के बीच संवाद आसान बना सकें यानि क्लर्क तैयार हो सकें। आलोचकों द्वारा एक प्रमुख वाक्य यह कहा जाता है कि उनकी चाल थी कि भारतीयों में से एक ऐसा वर्ग तैयार करें जो रक्त और रंग से तो भारतीय हो लेकिन स्वाद, विचार और बौद्धिकता से अंग्रेजों जैसा हो।

वैसे जो भी बाहर से भिन्न भाषी शासक आए उन्हें ऐसे व्यक्तियों की सदैव आवश्यकता होती है जो उनकी बात आवाम को और आवाम की बात शासकों तक पहुंचा सके। केवल इसके लिए मैकाले की आलोचना का कोई ठोस कारण नहीं बनता। आज भी भिन्न-भिन्न देशों में लोग भिन्न-भिन्न भाषाएं पढ़ते-पढाते है। भिन्न देशों के मध्य राजकाज व्यापारिक रिश्तों, विचारों के आदान-प्रदान के लिए दुभाषिए रखे जाते है।

मैकाले के बाद 1854 में वुड्स डिस्पैच (जिसे आधुनिक भारतीय शिक्षा का चार्टर कहा जाता है) में उनकी नीतियों को स्पष्ट रूप से लागू किया गया। इसमें यह सिफारिश हुई कि जन सामान्य तक शिक्षा पहुंचना तत्सम्य की अंग्रेज सरकार के हित में है और सरकार की प्राथमिकता होगी। प्राथमिक शिक्षा क्षेत्रीय भाषाओं, माध्यमिक शिक्षा अंग्रेजी व क्षेत्रीय भाषाओं में होगी। महिला शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा, शिक्षकों के प्रशिक्षण की, निजी विद्यालयों को प्रोत्साहन की बात की गई। कंपनी स्कूलों में शिक्षा धर्म निरपेक्ष होगी। इसके बाद ही बंगाल, मद्रास, बॉम्बे में एक एक विश्व विद्यालय खोले गए।

मैकाले व वुड्स सिफारिशों के बाद मुख्यत हंटर आयोग ने क्या सिफारिशें की जो शिक्षा के संबंध में लागू हुई??

मैकाले व वुड्स की सिफारिशों के बाद भारत के अंग्रेज गवर्नर रीपन ने 1882 में सर विलियम हंटर की अध्यक्षता में एक आयोग गठित किया। आयोग का मुख्य कार्य मैकाले व वुड्स डिस्पैच की सिफारिशों के बाद शिक्षा क्षेत्र की व मुख्य रूप से प्राथमिक शिक्षा की स्थिति की समीक्षा करना था।आयोग को प्राथमिक शिक्षा के विस्तर के सुझाव देने थे। मिशनरियों के रोल पर भी सुझाव देने के लिए भी कहा गया था।

जिसने प्राथमिक शिक्षा के विस्तार, व्यावसायीकरण और स्थानीय निकायों की भागीदारी की सिफारिश की थी।

आयोग की सिफारिशें ::-- प्राथमिक शिक्षा का विस्तार करने, इसे अनिवार्य और निःशुल्क बनाने की सिफारिश, की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की संख्या बढ़ाने का सुझाव। शिक्षा क्षेत्र में नगर पालिकाओं और जिला बोर्डों की भूमिका बढ़ाने की सिफारिश की गई। शिक्षा को व्यावहारिक बनाने के लिए भौतिकी, कृषि जैसे विषयों को पढ़ाने की सिफारिश की गई। महिलाओं और निचले वर्गों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना और उनके लिए अलग स्कूल खोलने की बात कही। मिशनरियों के बजाय निजी भारतीय संस्थाओं को उच्च शिक्षा की जिम्मेदारी सौंपने पर जोर दिया।

उपरोक्त विवरण से स्पष्ट है कि मैकाले से लेकर हंटर तक जो सिफारिशें शिक्षा के क्षेत्र में लागू हुई उनसे तर्क आधारित शिक्षा का विस्तार व सार्वजनिक करण हुआ। यूरोप में भी 12,13 वी सदी से पूर्व, शिक्षा सीमित सामंत, धनिक वर्ग के लोगों तक सीमित थी। धार्मिक ग्रंथों पर आधारित शिक्षा का ही बोलबाला था। यूरोपियन पुनर्जागरण से ही, वहां तर्क, विज्ञान आधारित शिक्षा का विस्तार हुआ, साहित्य - राजनीति शास्त्र समाज विज्ञान - तथ्य और तर्क आधारित इतिहास लेखन आदि विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कोटि का लेखन हुआ। भारत में भी उपनिवेशन काल में ही उत्कृष्ट कोटि के गोदान जैसे कई उपन्यास, कहानियों का लेखन हुआ। कई ख्यातनाम इतिहास कार हुए।

एक अन्य आरोप लगता है कि मैकाले की शिक्षा से निकले इतिहासकारों ने हमारे इतिहास को तोड़मरोड़ कर तथ्यों के विपरीत ब्रिटिशर्स व उसके बाद कांग्रेस की इच्छानुसार लिखा गया:: --

सही है, इस काल में, मात्र राजाओं, सामंतों की अतिरंजित प्रशंसाओं के इतिहास लेखन से हटकर तथ्यों का तर्क के आधार पर गहन परीक्षण कर इतिहास लेखन विकसित हुआ। इसको लेकर कुछ लोग हमेशा विचलित, असहज दिखने लग जाते है। ऐसे लोग, ऐसे संगठन मात्र अपनी इच्छाओं के अनुसार, राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए इतिहास लेखन चाहते है।

> **मैकाले के बाद 1854 में वुड्स डिस्पैच में उनकी नीतियों को स्पष्ट रूप से लागू किया गया। इसमें यह सिफारिश हुई कि जन सामान्य तक शिक्षा पहुंचना तत्सम्य की अंग्रेज सरकार के हित में है और सरकार की प्राथमिकता होगी। प्राथमिक शिक्षा क्षेत्रीय भाषाओं, माध्यमिक शिक्षा अंग्रेजी व क्षेत्रीय भाषाओं में होगी। महिला शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा, शिक्षकों के प्रशिक्षण की, निजी विद्यालयों को प्रोत्साहन की बात की गई**

क्या हम इन तथ्यों से इनकार कर सकते है कि भारत में पिछले लगभग 3 हजार साल से लगातार भिन्न जातियों के लोग आकर बसते रहे हैं। विभिन्न विदेशी आक्रमणकारी भारत में आए। कुछ लूटपाट कर के लौट गए, कुछ यहीं के होकर रह गए। भारत के इतिहास का तथ्यों पर आधारित सत्य है कि कई विदेशी आक्रमणकारियों को यहीं के राजाओं, सामंतों ने आमंत्रण दिया था, सहायता की थी। लगता है कुछ लोग इस बात से असहज होते है। क्या मोहमद गौरी को आमंत्रण नहीं दिया गया? क्या खनवा के युद्ध में महाराणा सांगा ने अदम्य वीरता का परिचय दिया किंतु हारे? ओर बहुत सी बातों के साथ-साथ, ऐसे लोग हल्दी घाटी के युद्ध का भी पुनर्लेखन चाहते है। उनकी इच्छानुसार लिखा जाए कि इस युद्ध में महाराणा प्रताप विजई हुए। महाराणा प्रताप निश्चित रूप से अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए लड़ रहे थे। लड़ाई एक द्वारा साम्राज्य विस्तार व दूसरे द्वारा अपने राज्य की रक्षा की थी। बहुत से हिंदू राजा अकबर के साथ थे। वीर शिवाजी की वीरता, युद्ध कला की भूरी-भूरी प्रशंसा इतिहासकारों ने की है। यह मात्र उदाहरण है।

ले-देकर ऐसे लोगों, संगठनों का इतिहास लेखन में स्थानों, मार्गों, इमारतों के नाम बदलने, पुरानी ऐतिहासिक धरोहरों के साथ छेड़छाड़ करने, पुस्तकों में से उनके लिए असहज अंशों को हटा देना, अस्पष्ट - अप्रमाणित तथ्यों को जोड़ देने आदि से अधिक कुछ नहीं होता।

भारतीय संस्कृति के अपमान की थ्योरी: आलोचकों के अनुसार मैकाले ने भारतीय साहित्य और संस्कृति को तुच्छ, पूर्णतः बेकार बताया, जिससे भारतीय भाषाओं और पारंपरिक ज्ञान की उपेक्षा हुई। उनके हवाले कहा जाता है– भारतीय साहित्य, किसी अच्छी यूरोपियन लाइब्रेरी की एक अलमारी में रखे अंग्रेजी साहित्य जितना मूल्य नहीं रखता।

कुछ लोग तथा संगठन समय-समय पर मैकाले को आगे रख कर यह आरोप लगते है कि उसके द्वारा शुरू शिक्षा के कारण हमारा इतिहास, संस्कृति प्रदूषित हुए। भारत के मूल्यों को भूलकर सदैव पश्चिमी नजरिए से भारत की समस्याओं का समाधान खोजते है। इतिहास के बारे में उपर चर्चा की। आइए अब देखें कि ब्रिटिशर्स ने जो शिक्षा का प्रसार किया, धर्मनिरपेक्ष करण किया उस से हमारी संस्कृति कैसे नष्ट हुई?

क्या भारतीयों ने अपने तीज त्योंहार मानने - मनाने छोड़ दिए, विभिन्न प्रकार की देव पूजा, वृक्ष पूजा, जल स्त्रोतों, नदियों का पूजन बंद कर दिया? क्या तीर्थाटन बंद कर दिया, क्या मंदिरों में जाना छोड़ दिया, क्या विभिन्न अवसरों पर घरों - मंदिरों में होने वाले पूजा-पाठ बंद हो गए, क्या उतर भारतीयों ने दक्षिण के और दक्षिण के लोगों ने दक्षिण, उतर में स्थित पवित्र स्थलों पर आना-जाना छोड़ दिया?? क्या अंग्रेजों ने यहां के धार्मिक, दार्शनिक ग्रंथों, अन्य ग्रंथों को नष्ट, प्रतिबंधित किया? फिर अंग्रेजों द्वारा जो शिक्षा देनी प्रारंभ की उस से यहां के साहित्य, संस्कृति की अवनति कैसे हुई? उल्टा, उस शिक्षा के कारण तो हिन्दू धर्म में सुधारों के आंदोलन प्रारंभ हुए जिनके बहुत सुखद परिणाम निकले। बल विवाहों को बंद करने की मांग उठी, विधवा विवाह के स्वीकृति की मांग उठी, सती प्रथा को समाप्त करने का कानून बना। धार्मिक पाखंडों के विरुद्ध आर्य समाज, ब्रह्म समाज जैसे व अन्य कई संगठन बने और इन पाखंडों का विरोध करने आगे आए। ईश्वर चंद्र विद्यासागर, राजा राम मोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती व अनेक अन्य महान विभूतियों ने पाश्चात्य ढंग से ही तर्क आधारित शिक्षण से ही समाज सुधार व अन्य क्षेत्रों में बड़े-बड़े काम किए।

एक ओर बात बार बार कुछ उच्च पदों पर बैठे लोग कहते रहते है कि हमारे वेदों उपनिषदों में अब कुछ पहले से लिखा हुआ है। होगा, किंतु इस से आम गरीब, किसान, मजदूर, दलित आदि वर्ग के आदमी क्या भला होता है। यदि इन पुस्तकों में अथाह ज्ञान छिपा है तो उस प्रविचार करें, शोध करे उस ज्ञान को विश्व के सामने रखे। उससे आदमी की रोजी-रोटी, शिक्षा, स्वास्थ्य की समस्याओं का समाधान करें।

ब्रिटिशर्स आए उसके बाद उस समय के सबसे बड़े लोग यथा राजा, सामंत, धनिक वर्ग के लोगों के वारिश ही पश्चिमी शिक्षा के लिए पश्चिमी देशों में गए। उन में से कई बड़े व्यापारी बने, उन में से कई राजनीति के क्षेत्र में आए और स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय हिस्सेदारी निभाई। कईयों में स्वतंत्र भारत में बड़े पदों पर रहकर लोकतंत्र की जड़े मजबूत करने में, देश को खुशहाली और प्रगति पथ पर बढ़ाने वाली की अनेक योजनाएं बनाई और क्रियान्वित की।

सोचने की बात यह है कि गरीब, दलित, पिछड़े वर्ग के लोगों की संताने तो पश्चिम में शिक्षा के लिए इंग्लैंड आदि देशों में गए नहीं। देश के बाहर जाकर ऐसे लोगों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने की सोचना बहुत दूर की कौड़ी थी तो फिर इतिहास, संस्कृति विकृत हुई भी तो की किसने ????

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 17 दिसम्बर, 2025

पौष मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र सायं 5:11 तक, सुकर्मा योग दिन 2:17 तक, गर करण दिन 1:15 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 10:26 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-तुला, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज अमृतसिद्धि योग सायं 5:11 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थसिद्धि योग सायं 5:11 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 2:33 से आरम्भ होगी। आज प्रदोष व्रत, श्री चन्द्र प्रभु जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:48 तक, शुभ 11:05 से दिन 12:23 तक, चर 2:57 से 4:15 तक, लाभ 4:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:13, सूर्यास्त 5:32 तक

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह से अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

वृष
परिवार में स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक आर्थिक समस्या हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। घर-परिवार के कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सी. एम. ने राठी एवं थारपारकर गोवंश नस्लों की जानकारी ली

बीकानेर, (कास)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर लूणकरनसर में विकास कार्यों की उपलब्धियों पर आयोजित प्रदर्शनी में वेटरनरी विश्वविद्यालय की स्टॉल का अवलोकन किया।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा

- **प्रदर्शनी के दौरान मॉडल प्रकाशन एवं पोस्टर के माध्यम से वेटरनरी विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया**

मुख्यमंत्री का बीकानेर के नाल एयरपोर्ट पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने स्वागत किया।

मंगलवार को लूणकरनसर में राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर निदेशक प्रसार शिक्षा प्रो. राजेश कुमार धूड़िया के निर्देशन में विकास कार्यों एवं उपलब्धियों पर आयोजित प्रदर्शनी में वेटरनरी विश्वविद्यालय की स्टॉल का प्रदर्शन किया गया।

अवलोकन के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राठी एवं थारपारकर देशी गोवंश नस्लों की जानकारी प्राप्त की। प्रदर्शनी अवलोकन के दौरान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, बीकानेर (पूर्व) विधायक सिद्धि कुमारी, बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानन्द व्यास, जिला कलेक्टर बीकानेर नम्रता वृष्णि, कुलसचिव राजुवास बीकानेर पंकज शर्मा एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। प्रदर्शनी के दौरान मॉडल प्रकाशन एवं पोस्टर के माध्यम से विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का आयोजन अतिरिक्त निदेशक प्रसार डॉ देवीसिंह एवं सहायक निदेशक प्रसार डॉ संजय सिंह के देखरेख में किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को बीकानेर पहुंचे। मुख्यमंत्री विशेष विमान से नाल हवाई अड्डे पहुंचे जहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

नाल एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री के आगमन पर भाजपा पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। इस दौरान जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे और मुख्यमंत्री को जिले से जुड़ी प्रारंभिक जानकारी दी गई। नाल हवाई अड्डे पर संक्षिप्त ठहराव के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लूणकरनसर के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। नाल एयरपोर्ट से लेकर लूणकरनसर तक कार्यकर्ता स्वागत के लिए, पहले से ही तैयार नजर आए। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और स्थानीय विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल के प्रयासों से पूगल पंचायत समिति के अंतर्गत 8 नई पंचायतें बनाने पर आभार जताया।

पशु विज्ञान केन्द्र लूणकरनसर का दौरा किया

बीकानेर, (कास)। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलसचिव पंकज शर्मा ने मंगलवार को पशु विज्ञान केन्द्र लूणकरनसर का दौरा किया। केन्द्र के प्रभारी डॉ दिवाकर ने कुलसचिव को केन्द्र की विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कुलसचिव पंकज शर्मा ने केन्द्र की बकरी, मुर्गी, अजोला, वर्मीकंपोस्ट की प्रदर्शन इकाईयों तथा केन्द्र की प्रयोगशाला का अवलोकन किया एवं केन्द्र के विकास कार्यों की सराहना की।

कलश यात्रा निकाली

देशनोक, (कास)। श्रीकरणी कथा शतकीय महोत्सव का शुभारंभ मंगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। यह यात्रा तेमड़ाराय माता मंदिर से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ प्रारंभ होकर करणी माता मंदिर के सामने स्थित करणी गोशाला कथा स्थल तक पहुंची। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला-पुरुषों ने सहभागिता निभाई। श्रद्धालु सिर पर कलश धारण कर भजन-कीर्तन करते हुए चल रहे थे, जिससे भक्तिमय वातावरण बना रहा। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह श्रीकरणी कथा का 100वां वाचन है। इसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। कथा का आयोजन रोजाना दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। वहीं बीकानेर में सुजानदेसर स्थित पीपली महादेव मंदिर में मल मास के पावन अवसर पर 31 दिसंबर से 6 जनवरी तक श्रीमद्भागवत कथा रसोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कथा के सफल आयोजन को लेकर कथा स्थल पर भूमि पूजन, बैनर विमोचन एवं तैयारी बैठक आयोजित की गई। आयोजन से जुड़े मंदिर पुजारी कन्हैयालाल महाराज ने बताया कि यह कथा सर्वजन कल्याण एवं मनोकामना पूर्ति के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

नशा तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (कास)। युवक नरेन्द्र सिंह उर्फ लवी स्वयं हेरोइन का नशा करता है। वह आदतन तस्करी का आरोपी है। उसे नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया।

सहायक पुलिस अधीक्षक विशाल जांगिड़ ने बताया कि आरोपी को 4 ग्राम हेरोइन तस्करी करते करणपुर पुलिस ने पिछले साल पकड़ा था। इस साल मई-जून में 50 ग्राम हेरोइन तस्करी करते इसे क्रेटा कार के साथ सदर पुलिस ने गिरफ्तार किया। दो माह बाद जमानत मिलने पर बाहर आया। कार की जमानत करवाई और इसी पर दोबारा तस्करी करने लग गया। फिर मीरा चौक चौकी पुलिस ने सितंबर माह में फिर से 100 ग्राम हेरोइन तथा इसी कार के साथ तस्करी करते पकड़ा। अब 15 दिन पहले ही जमानत पर जेल से छूटा। बाहर आते ही फिर तस्करी करने लग गया। आरोपी को हेरोइन तस्करी के आरोप में अब चौथी बार पकड़ा है।

एएसपी रघुवीर शर्मा ने बताया कि आरोपी नरेन्द्र सिंह उर्फ लवी का हेरोइन सप्लाई का पक्का आढ़ती तरनतारण जिला निवासी जसविंद्र सिंह नाम का सप्लायर है। नरेन्द्र सिंह से इससे पहले सदर थाना पुलिस द्वारा पकड़ी गई 50 ग्राम, फिर जवाहर नगर पुलिस द्वारा पकड़ी गई 100 ग्राम हेरोइन भी जसविंद्र सिंह से खरीद की गई थी। नरेन्द्र सिंह ने बताया कि वह जसविंद्र से 1600 रुपए एक ग्राम के रेट पर हेरोइन खरीदकर लाता है। इसे श्रीगंगानगर में 21 सौ से 25 सौ रुपए एक ग्राम के रेट पर बेच देता है। साथ ही खुद के लिए नशा मिलता रहता है और मुनाफा भी कमा लेता है। हेरोइन सप्लायर जसविंद्रसिंह को गिरफ्तार करने से इसमें आगे की सप्लाई चेन का पता चलेगा।

दो बोरी मूंगफली एक्स्ट्रा मांगने का वीडियो वायरल

बीकानेर, (कास)। एमएसपी पर मूंगफली की खरीद को लेकर खरीद केन्द्रों पर गड़बड़ियां उजागर होने लगी हैं। ताजा मामला बज्जू केवीएसएस के राववाला खरीद केन्द्र का है, जहां किसान से दो बोरी मूंगफली एक्स्ट्रा देने मांग की गई। अधिकारियों के समक्ष रोते हुए अपनी पीड़ा उजागर करते किसान का वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद केवीएसएस के मुख्य व्यवस्थापक को एपीओ कर दिया गया। जिले में करीब 42 केन्द्रों पर इन दिनों एमएसपी पर मूंगफली की खरीद चल रही है। नए खरीद केन्द्रों को लेकर पहले से ही विवाद चल रहा है। इस बीच किसान भी भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए मुख्य व्यवस्थापकों की शिकायतें करने लगे हैं। रावाला खरीद केन्द्र पर पिछले दिनों मूंगफली तुलाई के दौरान एक किसान से 40 क्विंटल मूंगफली की खरीद पर दो बोरी एक्स्ट्रा देने की मांग की गई थी। इसे लेकर वहां विवाद बढ़ गया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों को किसान रोते हुए अपनी पीड़ा बताने लगा। इस दौरान किसी ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद सहकारिता विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्य व्यवस्थापक सांवरिया लाल पालीवाल को एपीओ कर उनके स्थान पर जितेन्द्र बिश्नोई को लगाया है। हालांकि आदेश में प्रशासनिक कारणों से एपीओ करना बताया गया है।

- **बज्जू के राववाला खरीद केन्द्र पर किसान से 40 क्विंटल खरीद के बदले दो बोरी मूंगफली एक्स्ट्रा मांगने का वीडियो वायरल होने पर केवीएसएस के मुख्य व्यवस्थापक को एपीओ किया**

डिजिटल ठगी से बचाव के तरीके बताए

नोखा, (कास)। नोखा तहसील के हिम्मटसर ग्राम स्थित पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में मंगलवार को साइबर सुरक्षा जागरूकता एवं सुरक्षा के तरीके विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्था प्रधान सुनील बिश्नोई ने बताया कि भारत सरकार के राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के मौजूदा आयामों एवं बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यह कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में नई दिल्ली स्थित इलेक्ट्रोनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन सी-डेक हैदराबाद द्वारा चयनित साइबर एम्बेसडर पल्लव मुखर्जी ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में जैसे-जैसे डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर हो रहा है। वैसे-वैसे ऑनलाइन डाटा की मात्रा भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में ऑनलाइन खतरों की पहचान करना और उनसे स्वयं को सुरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जमीन नहीं देने के कारण तीन साल से अटका पड़ा है सिक्सलेन रोड

- **बीछवाल से म्यूजियम सर्किल तक 11 किमी सिक्सलेन के बीच में वन विभाग के करीब 90 से ज्यादा पेड़ और 70 से ज्यादा बिजली के खंभे आड़े आ रहे हैं। वन विभाग ने पेड़ काटने के बदले जमीन मांगी लेकिन अभी जमीन नहीं मिली**
- **पेड़ काटने के लिए वन विभाग ने तब तक के लिए मना कर दिया जब तक इसके बदले उन्हें अन्यत्र जमीन ना मिल जाए। जमीन पीडब्ल्यूडी के पास नहीं है**

बीकानेर, (कास)। बीछवाल से म्यूजियम सर्किल तक 11 किमी रोड सिक्सलेन के बीच में वन विभाग के करीब 90 से ज्यादा पेड़ और 70 से ज्यादा बिजली के खंभे आड़े आ रहे हैं। वन विभाग ने पेड़ काटने के बदले जमीन मांगी। वन विभाग और पीडब्ल्यूडी के बीच सहमति भी बनी। कलेक्टर ने जगह देने के लिए भी कहा मगर अभी तक ना तो जगह तय हो पाई ना खंभे और पेड़ हटे। इसी वजह से 3 साल से सिक्सलेन का काम अटका हुआ है।

दरअसल पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने बीछवाल से म्यूजियम सर्किल तक 11 किमी के लिए 33 करोड़ रुपए मंजूर किए थे। पूर्ववर्ती सरकार ने काम शुरू कराकर 3 करोड़ रुपए भी दिए थे। मगर उसके बाद पहले आर्मी एरिया की एक पाइप लाइन बीच में आई। 6 से 10 महीने तक वो मामला अटका रहा।

जैसे-जैसे आर्मी ने उसका निस्तारण किया तो सिक्सलेन के लिए सड़क के बीच 70 से ज्यादा बिजली के खंभे आ गए। पीडब्ल्यूडी और बीकेसीईएल के बीच उनको हटाने को लेकर राशि को लेकर फैसला नहीं हो पाया।

सिक्सलेन करने के लिए बीच में 90 के करीब पेड़ भी आ गए। उन पेड़ों को काटे बिना सिक्स लेन बन नहीं सकती।

पेड़ काटने के लिए वन विभाग ने तब तक के लिए मना कर दिया जब तक इसके बदले उन्हें अन्यत्र जमीन ना मिल जाए। जमीन पीडब्ल्यूडी के पास नहीं है। पीडब्ल्यूडी ने कलेक्टर को पत्र लिखकर जगह देने के लिए कहा।

एक साल बीत गया मगर वन विभाग को जमीन नहीं मिली और काम वहीं का वहीं अटका है। कहने को हल्दीराम प्याऊ से म्यूजियम सर्किल तक सिक्सलेन बन गई मगर हैरानी की बात ये है कि मूल डीपीआर के हिसाब से अब तक यहां काम अधूरा है। हैरानी की बात ये है कि बीडीए ने भी इस काम को भुला दिया। बीडीए कमिश्नर ने फाइल मंगाई भी थी मगर उसके बाद फाइल फिर ठंडे बस्ते में डाल दी गई।

ओ.पी. मंडार, एसई, पीडब्ल्यूडी का कहना है कि मैं तो मांग ही कर सकता हूं। प्रशासन से जमीन मांगी है जो वन विभाग को दी जा सके। उसके बाद पेड़ कटेंगे, खंभे हटेंगे। तब पूरी होगी रोड। दीनदयाल सर्किल के आसपास काम कराना शुरू कर देंगे।

कांग्रेस का किसान महापंचायत को समर्थन

- **विधायक पूनिया ने टिब्बी घटना के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया**

हनुमानगढ़, (कास)। एथेनॉल प्लांट के विरोध में बुधवार को होने वाली किसान महापंचायत को कांग्रेस ने समर्थन देने की घोषणा की है। संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया ने मंगलवार को सर्किट हाउस में एक प्रेस वार्ता के दौरान यह ऐलान किया।

विधायक पूनिया ने टिब्बी में हुई घटना के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि किसान 4 किलोमीटर पैदल चलकर टिब्बी से राठीखेड़ा फैक्ट्री तक पहुंच गए लेकिन जिला कलेक्टर बातचीत के लिए नहीं पहुंचे। पूनिया ने अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यह घटना प्रदेश में अफसरशाही के हावी होने का प्रमाण है। पूनिया ने राज्य सरकार के दो साल के कार्यकाल के जश्न पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि धरातल पर कोई काम नहीं हो रहा है और सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। राठीखेड़ा में एथेनॉल प्लांट के मामले में प्रभारी मंत्री ने भी किसानों से बात नहीं की। अभिमन्यु पूनिया ने मांग की है कि राठीखेड़ा में एथेनॉल प्लांट रद्द किया जाए। किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं और टिब्बी घटना के दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई हो। उन्होंने चेतावनी दी कि इन मांगों के पूरा होने तक आंदोलन जारी रहेगा और यदि इसमें कोई नुकसान होता है तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

घना कोहरा व ठंड बढ़ने से जनजीवन प्रभावित

- **कालू में घना कोहरा, विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम**
- **दिन में भी वाहन चालकों को हेडलाइट जलानी पड़ी**

कालू, (कास)। कालू में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। सुबह के समय दृश्यता 50 मीटर से भी कम दर्ज की गई।

घने कोहरे के कारण महिलाओं, बच्चों और किसानों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ा। स्टेट हाईवे 6 ए पर वाहनों को अपनी हेडलाइट्स जलाकर धीमी गति से चलना पड़ा। स्थानीय लोगों ने बताया कि कोहरे के साथ अचानक ठंड में भी वृद्धि हुई है, जिससे स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत हुई। ठंड से बचने के लिए कई जगहों पर लोग अलाव जलाते और आग तापते दिखाई दिए। किसानों ने बताया कि यह कोहरा फसलों के लिए फायदेमंद है। इससे उनकी फसलों की वृद्धि की संभावना बढ़ गई है।

देशनोक में मौसम ने अचानक करवट ली है, जहां सर्दियों की शुरुआत महसूस होने लगी। सुबह से ही ठंडी हवाएं चलने से पूरे इलाके में घना कोहरा छाया रहा। लोगों ने बताया कि घने कोहरे के कारण सड़कें और खेत मैदान पूरी तरह ढके हुए दिखाई दिए। इससे दृश्यता काफी कम हो गई, जिसके चलते वाहन चालकों को धीमी गति से चलना पड़ा।

ठंड बढ़ने के साथ ही लोगों ने गर्म कपड़े निकाल लिए हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह इस मौसम में पहली बार है जब इतनी कड़ाके की ठंड महसूस की गई हो। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना जताई है, जिसके मद्देनजर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इसी तरह नाल इलाके में मंगलवार सुबह सीजन का पहला घना कोहरा छाया रहा।

दिसम्बर के तीसरे सप्ताह में हुई इस मौसमी घटना से विजिबिलिटी घटकर महज 50 मीटर रह गई, जिससे आमजन और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्वच्छता अभियान की सफलता के लिए जनता की भागीदारी जरूरी : दिव्या बिश्नोई

पूगल, (कास)। राज्य सरकार के दो साल का कार्यकाल पूरा होने पर मंगलवार को पूगल उपखण्ड में स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान पूगल पंचायत समिति परिसर स्थित सरकारी कार्यालयों में आयोजित किया गया।

सुबह उपखण्ड अधिकारी दिव्या बिश्नोई और विकास अधिकारी गोपाराम के नेतृत्व में पंचायत समिति कार्यालय में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान पंचायत समिति परिसर के सभी कार्यालयों की साफ-सफाई की गई। उपखण्ड अधिकारी दिव्या बिश्नोई ने बताया कि भारत सरकार के संपूर्ण स्वच्छता अभियान की सफलता के लिए आम जनता की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को ग्राम पंचायत स्तर पर इस स्वच्छता कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के निर्देश दिए। विकास अधिकारी गोपाराम ने जानकारी दी कि राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल के उपलक्ष्य में पूगल पंचायत समिति की सभी ग्राम पंचायतों में भी स्वच्छता अभियान के तहत साफ-सफाई के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में पंचायत समिति के सभी कर्मचारी शामिल हुए।

पूगल पंचायत समिति परिसर में उपखण्ड अधिकारी दिव्या बिश्नोई और विकास अधिकारी गोपाराम ने झाड़ू लगाकर सफाई की।

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर में राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को कुलगुरु डॉ सुमंत व्यास के निर्देश में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुलगुरु डॉ सुमंत व्यास ने स्वच्छता की महत्व को बताते हुए पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए एवं श्रमदान कर स्वच्छता को अपनी आदत बनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता एवं संकायाध्यक्ष प्रो. हेमन्त दाधीच, निदेशक क्लीनिक प्रो. प्रवीण बिश्नोई, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. पंकज कुमार थानवी सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों शिक्षक कर्मचारी विद्यार्थियों एवं एनएसएसएण् के स्वयंसेवकों द्वारा श्रमदान कर महाविद्यालय प्रांगण की साफ.सफाई की गई।

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक : नियमन/2025/Rajkaj Ref. No. 19392266 दिनांक : 16.12.2025
सार्वजनिक आपत्ति सूचना
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 03 एमएल मुरब्बा नं. 02 के किला नं. 11 में भूखण्ड संख्या डी-14 का माप 15-0'' गुणा 78-9'' फीट के नियमन / पट्टा हेतु आवेदक श्री मनजसदीप सिंह पुत्र श्री सुखमिन्द्र सिंह निवासी वार्ड नं. 01, गांव 20 एच कोटली, पोस्ट ऑफिस 2 डब्ल्यू गुरूसर, 20 एच गुरूसर श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन / पट्टा सं. 10051 दिनांक 17.03.2020 के द्वारा जारी किया गया था। आवेदक / पट्टाधारक द्वारा उक्त जारी पट्टे को निर्धारित समयावधि में उपरजीयन कार्यालय से पंजीकृत नहीं करवाया गया। आवेदक द्वारा जरिये प्रार्थना पत्र उक्त भूखण्ड के जारी पट्टे को नवीनीकरण हेतु निवेदन किया गया है। विभागीय आदेशानुसार 3 वर्ष अवधि के पश्चात पट्टा नवीनीकरण नहीं किया जाकर पुनः नया पट्टा जारी किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / पट्टे के आधार पर नया पट्टा जारी करने के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त नियमानुसार आवेदक श्री मनजसदीप सिंह पुत्र श्री सुखमिन्द सिंह निवासी वार्ड नं. 01, गांव 20 एच कोटली, पोस्ट ऑफिस 2 डब्ल्यू गुरूसर, 20 एच गुरूसर श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / जारी पट्टे के आधार पर चक 03 एमएल मुरब्बा नं. 02 के किला नं. 11 में भूखण्ड संख्या डी-14 का माप 15-0'' गुणा 78-9'' फीट का नियमन / पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/5001 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 16.12.2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 20 के किला नं. 4 में भूखण्ड संख्या का माप 38'-6'' गुणा 70'-0'' फीट के नियमन / पट्टा हेतु आवेदक श्री अविलेश भूटानी पुत्र श्री सुशील भूटानी निवासी 668 सेवा सदन के सामने आदर्शनगर जयपुर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री अविलेश भूटानी पुत्र श्री सुशील भूटानी निवासी 668 सेवा सदन के सामने आदर्शनगर जयपुर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 20 के किला नं. 4 में भूखण्ड संख्या का माप 38'-6'' गुणा 70'-0'' फीट का नियमन / पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। -सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/4987 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 16.12.2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 68 के किला नं. 3 में भूखण्ड संख्या का माप 30'-0'' गुणा 45'-0'' फीट के नियमन / पट्टा हेतु आवेदक श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री जगदीश प्रसाद निवासी हाउस नं. 08 मनन विहार श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री जगदीश प्रसाद निवासी हाउस नं. 08 मनन विहार श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 68 के किला नं. 3 में भूखण्ड संख्या का माप 30'-0'' गुणा 45'-0'' फीट का नियमन / पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। -सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक : नियमन/2025/Rajkaj Ref. No. 4984 दिनांक : 16.12.2025
सार्वजनिक आपत्ति सूचना
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 46 के किला नं. 17 में भूखण्ड संख्या का माप 15'-0'' गुणा 60'-0'' फीट के नियमन / पट्टा हेतु आवेदक श्री अशोक कुमार पुत्र श्री राम कृष्णा निवासी प्रेम नगर श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री अशोक कुमार पुत्र श्री राम कृष्णा निवासी प्रेम नगर श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 46 के किला नं. 17 में भूखण्ड संख्या का माप 15'-0'' गुणा 60'-0'' फीट का नियमन / पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/4982 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 16.12.2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 20 के किला नं. 8 में भूखण्ड संख्या का माप 30'-0'' गुणा 50'-0'' फीट के नियमन / पट्टा हेतु आवेदक श्री अन्जू बाला पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार निवासी बाबा दीप सिंह कॉलोनी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री अन्जू बाला पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार निवासी बाबा दीप सिंह कॉलोनी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 20 के किला नं. 8 में भूखण्ड संख्या का माप 30'-0'' गुणा 50'-0'' फीट का नियमन / पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। -सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक : नियमन/2025-26/4980 दिनांक : 16.12.2025
सार्वजनिक आपत्ति सूचना
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 70 के किला नं. 23 में भूखण्ड संख्या 31, 32 माप 30'0'' गुणा 65'0'' फीट के नियमन / पट्टा हेतु आवेदक श्रीमती पूनम पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार एवं श्रीमती मीना कुमारी पत्नी श्री हकीकत राय निवासी पदमपुर, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 (नियमन शाखा) में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती पूनम पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार एवं श्रीमती मीना कुमारी पत्नी श्री हकीकत राय निवासी पदमपुर, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 70 के किला नं. 23 में भूखण्ड संख्या 31, 32 माप 30'0'' गुणा 65'0'' फीट का नियमन / पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- भू.वि./2025-26/284-285 **उजरदायरी** दिनांक : 16.12.2025
नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर की हनुमान नगर योजना में आवंटित भूखण्ड सं. ई-27 माप 13'0'' गुणा 35'0'' फीट न्यास में श्री राकेश कुमार पुत्र श्री रामरख के नाम से दर्ज है। श्री राकेश कुमार पुत्र श्री रामरख द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड के साथ चिपती खांचा भूमि माप (37'2''+ 27'9'') गुणा 9'6'' फीट को अपने नाम आवंटित करते हुए फ्री-होल्ड पट्टे हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।
यह उजरदायरी साया करते हुए हर आम व खास, हितबद्ध को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के साथ खांचा भूमि सहित फ्री-होल्ड पट्टे के संबंध में किसी को एतराज हो तो उजरदायरी प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस में मय सबूत न्यास कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि व्यतीत होने के बाद कोई उजर मान्य नहीं होगा एवं न्यास कार्यालय द्वारा नियमानुसार कार्यावाही कर उक्त खांचा भूमि सहित फ्री-होल्ड पट्टा श्री राकेश कुमार पुत्र श्री रामरख निवासी चक 5 ई छोटी, मकान नं. 38, गायत्री मन्दिर के पास, श्रीगंगानगर को आवंटित कर दी जावेगी। -सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक : नियमन/2025/4997 दिनांक 16.12.25
सार्वजनिक आपत्ति सूचना
श्री सुभाष चन्द्र व श्री रणजीत कुमार पिसान श्री साहबराम द्वारा नीचे वर्णित भूमि में से अपने अधिकार को पंजीकृत उपहार पत्र दिनांक 16.03.2023 के द्वारा क्रय कर आवासीय प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग के लिए पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिए न्यास के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	स्नंनद का विवरण	भूमि का विवरण	आवेदित भूमि का क्षेत्रफल
श्रीगंगानगर	स्नंनद संख्या .... दिनांक 08.08.1990 को श्री ईशर राम पुत्र खेमाराम	चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 15 के किला नं. 12 में भूखण्ड माप 45 गुणा 73 श्रीगंगानगर	माप 45 इन्टू 73 फीट

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर सुधार अधिनियम 1959 की धारा 60 सी के अधीन पूर्ण स्वामित्व पटटा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए न्यास के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने के अनुज्ञा की मंजूरी के सम्बन्ध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिवस के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जावेगा कि किसी व्यकित को कोई आक्षेप नही है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जावेगा। यह सुचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज जारी की गयी। - सचिव नगर विकास न्यास श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/4954 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 10.12.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री साहिल गिरधर पुत्र श्री सतीश कुमार निवासी म.नं. 1/254 हाउसिंग बोर्ड, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 6 जैड ए मुरब्बा नं. 18 किला नं. 19 में माप 30 इंटू 60 फीट भू.सं. डी-2, अंबिका एन्कलेव-1 श्रीगंगानगर	उक्त भूखंड का नियमन पट्टा सं. 9281 दिनांक 10.1.2011 को श्री राकेश कुमार पुत्र श्री तेजभान के नाम से जारी किया हुआ है।	श्री साहिल गिरधर द्वारा पंजीकृत बैयनामा दिनांक 31.10.2025 की प्रति प्रस्तुत कर भूखंड के नामान्तरण हेतु न्यास में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्री साहिल गिरधर पुत्र श्री सतीश कुमार निवासी म.नं. 1/254 हाउसिंग बोर्ड, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/ दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा।
आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/986 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/4937 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 04.12.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मोनिका कुमार पत्नी श्री राहुल शर्मा निवासी म.नं. 200, वार्ड नं. 10, ऐलनाबाद जिला सिरसा के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 4 एमएल मुरब्बा नं. 1 किला नं. 25 में माप 30 इंटू 60 फीट भू.सं. ए-20, विद्यादीप विहार, श्रीगंगानगर	उक्त भूखंड का नियमन पट्टा सं. 6466 दिनांक 25.8.2008 को श्रीमती शैली गुप्ता पुत्र श्री विनित गुप्ता के नाम से जारी किया हुआ है।	श्रीमती मोनिका कुमारी द्वारा पंजीकृत बैयनामा दिनांक 27.10.2025 की प्रति प्रस्तुत कर भूखंड के नामान्तरण हेतु न्यास में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्रीमती मोनिका कुमार पत्नी श्री राहुल शर्मा निवासी म.नं. 200, वार्ड नं. 10, ऐलनाबाद जिला सिरसा द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/ दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा।
आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/933 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/4507 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 21.11.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रामी देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश निवासी चक 4 एमएल, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 4 एमएल मुरब्बा नं. 1 किला नं. 24, 25 में माप 30 इंटू 60 फीट भू.सं. बी-16, विद्यादीप विहार, श्रीगंगानगर	उक्त भूखंड का नियमन पट्टा सं. 4835 दिनांक 17.8.2007 को श्री हितेन्द्र कुमार पुत्र श्री रणजीत राय के नाम से जारी किया हुआ है।	श्रीमती रामी देवी द्वारा पंजीकृत बैयनामा दिनांक 27.10.2025 की प्रति प्रस्तुत कर भूखंड के नामान्तरण हेतु न्यास में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्रीमती रामी देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश निवासी चक 4 एमएल, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/ दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा।
आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/935 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगरपालिका मंडल सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक / भूमि/भूउप/2025-26/2543 दिनांक: 16/12/25
आपत्ति सूचना
हर आम व खास एवं हितबद्ध रखने वाले हर शख्स को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि (1) श्री शिव कुमार शर्मा पुत्र श्री बदलुराम (2) श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी श्री शिव कुमार जाति ब्राहमण निवासी वार्ड नं. 37, सूरतगढ़ में आवासीय पट्टा सं. 411 भूखण्ड संख्या 106-107 साईज 1350 वर्गफुट यानी 125.46 वर्गमीटर सूरतगढ़ में स्थित का आवासीय से मिश्रित प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन करने हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। मास्टर प्लान में आवेदित भूमि व्यवसायिक प्रयोजनार्थ आरक्षित है। अतः उक्त स्थल का मिश्रित प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने पर किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह शख्स अपनी लिखित आपत्ति इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अन्दर पालिका कार्यालय में निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। मियाद गुजरने पर कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।
- (पूजा शर्मा), अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका सूरतगढ़

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
ई-निविदा सूचना संख्या: 18-2025-GSU-BKN. मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 05.01.2026 को 15:00 बजे तक निम्नानुसार खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **(1) निविदा संख्या:** 03R2-2025-GSU-BKN **कार्य का नाम व स्थान:** बीकानेर मंडल के बीकानेर पूर्व रेलवे स्टेशन पर 225 केएल ओएच टैंक का निर्माण, जल हाइड्रेंट के लिए रेल पोस्ट के साथ पाइप लाइन, नाली सह मार्ग तथा अन्य विविध कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹13657249.43/- **बिड सिक्यूरिटी राशि:** ₹218300.00/- **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय:** बोली शुरू होने की तारीख 22/12/2025 और निविदा बंद होने की तारीख और समय 05/01/2026 को 15:00 बजे तक। **नोट:** अन्य शर्तें रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। E-File No.: NWR-BKN0ENGG (WRKF)/ 25/2025 (Computer No. 205481) Dated-11.12.2025. 1620-DK/25
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
वरि. मंडल बिजली इंजीनियर/सामान्य, उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्या:** 27-इलेक्ट/बीकेएन/ई-निविदा/25-26 **कार्य का विवरण:** Electrical work in c/w Raising of Rail Level PF No.1 at Khileriyan Halt Bigga Bas Ramsara Halt, Sirsala Halt, Belasar Halt & Sital Nagar Halt stations along with extn to 480 m, Raising of medium level PF No.2 at Kanina Khas & Dahina Zainabad and PF No.1 & 2 at Nangal Mundi & PF no.1 at Gurha Kemla Halt stations along with extension from 440 to 480 m, Raising of rail level PF No.1 at Birang Khera, Gurusar Sahnewala & PF No.1&2 at Bagwali station along with extension to 480 mtrs and Raising of medium level PF No.1 & 2 at Mohan Nagar & Banwali station along with extension from 405 mtrs to 580 mtrs over Bikaner Division. **अनुमानित लागत:** ₹ 1,10,76,875/- **धरोहर राशि:** ₹2,05,400/- **निविदा दस्तावेज लागत:** निल **(1) सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता:** https://www.ireps.gov.in **(2) ई-निविदाएं बंद होने की तिथि व समय:** 06.01.2026 को 15.00 बजे तक। **(3) ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय:** 06.01.2026 को 15.00 बजे के बाद। 1618-DK/25
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

चित्तौड़गढ़ में डिवाइडर से टकराकर पलटी कार, दो लोगों की मौत, एक घायल

प्रारंभिक रूप से हादसे का मुख्य कारण कोहरा और तेज रफ्तार माना जा रहा है

- बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि बोनट में से उछल कर इंजन सर्विस रोड से भी दूर जा गिरा
- चित्तौड़गढ़ जिले के भादसोड़ा थाना इलाके में उदयपुर-चित्तौड़गढ़ सिक्स लेन पर हुआ हादसा

जयपुर/चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ जिले के भादसोड़ा थाना इलाके में उदयपुर-चित्तौड़गढ़ सिक्स लेन पर मंगलवार सुबह तेज रफ्तार से आ रही कार डिवाइडर से टकरा कर पलटी खा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और वहीं एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि बोनट में से उछल कर इंजन सर्विस रोड से भी दूर जा गिरा।

थानाधिकारी महेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि मंगलवार सुबह एक कार उदयपुर से चित्तौड़गढ़ की ओर जा रही थी। इस दौरान नरधारी गांव के निकट कार सिक्सलेन के बीच में लगाए सीमेंट के डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे दो की मौके पर ही मौत हो गई थी और एक अन्य गंभीर घायल हो गया। बताया जा रहा है कि यह तीनों ही व्यक्ति उदयपुर के रहने वाले हैं। पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से मृतकों के शव को जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है और घायल व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक रूप से हादसे का कारण कोहरा और तेज रफ्तार मुख्य कारण माना जा रहा है।

एएसआई जीवन सिंह ने बताया कि इस हादसे में कार सवार सौम्या सालवी (18) और ध्रुव सुथार (20) को गंभीर चोटें आईं और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अन्य युवक प्रवीण जाट गंभीर रूप से घायल हो गया। जहां घायल प्रवीण जाट को प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया गया। जांच में सामने आया कि प्रवीण जाट (20) ने अपने दोस्त ध्रुव सुथार और सौम्या सालवी के साथ उदयपुर से चित्तौड़गढ़ आ रहा था। कार को ध्रुव सुथार ड्राइव रहा था। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू कराया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर जाम रहा। जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने जाम खुलवाया। इधर मृतकों के परिजनों को सूचित किया, जिनके आने के बाद शवों का पोस्टमार्टम करवा कर उनको सुपुर्द किया गया।

बाइक की टक्कर से युवक की मौत : डूंगरपुर के कुंआ थाना क्षेत्र के चिखली में हैंगिंग ब्रिज देखने गए एक युवक को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे ने युवक की दर्दनाक मौत हो गई। वह अपने दो साथियों के साथ ब्रिज पर गया था।

कुंआ थाना एएसआई अशोक कुमार ने बताया कि चिखली में नव निर्मित हैंगिंग ब्रिज पर एक्सीडेंट की घटना हुई। निलेश पुत्र दिनेश रोत निवासी दाहला अपने दो साथी मोहन और लोकेश के साथ हैंगिंग ब्रिज देखने गया था। बाइक को साइड में खड़ी कर वह अपने दोस्तो के साथ हैंगिंग ब्रिज देख रहा था। इस दौरान एक तेज रफ्तार बाइक ने नीलेश को टक्कर मार दी। हादसे में निलेश गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर परिजन भी पहुंच गए। पुलिस ने शव को अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया। पुलिस अब परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

रिश्वत मामले में आरोपी एएसआई को चार साल का कारावास

- अदालत ने आरोपी पर 10 हजार का जुर्माना भी लगाया

अलवर, (निसं)। एसीबी कोर्ट अलवर की जज अनु चौधरी ने वर्ष 2017 के रिश्वतखोरी के मामले में आरोपी एएसआई को दोषी करार देते हुए 4 साल की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने आरोपी पर 10 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

सरकारी वकील जसवंत सिंह चौहान ने बताया कि परिवादी नवाब ने 23 मार्च 2017 में एसीबी को शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया कि उसके बेटे अब्दुल सहित तीन युवकों के बीच आपसी झगड़ा हो गया था, जिसका मामला किशनगढ़ बास थाने में दर्ज था। इस घटना में केवल उसके बेटे अब्दुल को ही चोट आई थी। आरोप है कि किशनगढ़ बास थाने में तैनात एएसआई यादराम ने बेटे का नाम मुकदमे से हटाने के एवज में 20 हजार की रिश्वत की मांग की फिर 15 हजार में डील पक्की हुई। आरोपी एएसआई पांच हजार पहले ले चुका था। शिकायत के बाद एसीबी टीम ने कार्रवाई करते हुए एएसआई यादराम को 10 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया था। एसीबी टीम को देखकर आरोपी एएसआई थाने की दीवार कूद कर भाग गया था जिसको एक किलोमीटर दौड़ कर टीम ने पकड़ा था। यादराम एमआईए थाना क्षेत्र के मीणापुरा का रहने वाला है जो किशनगढ़ तैनात था। मामले में अलवर एसीबी कोर्ट में ट्रायल चला, जहां 21 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने एएसआई यादराम को दोषी मानते हुए चार वर्ष की सजा और जुर्माने से दंडित किया।

दुष्कर्मी को 10 साल की सजा

अलवर, (निसं)। पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग से रेप करने वाले 30 साल के आरोपी अजीत को 10 साल की सजा और 10 हजार रुपए के आर्थिक दंड से दंडित किया है। नाबालिग से रेप का मामला 2024 का है।

विशिष्ठ लोक अभियोजक विनोद शर्मा ने बताया कि पॉक्सो कोर्ट ने रेप करने वाले अजीत को 10 साल की सजा सुनाई है। मामले के अनुसार 4 मई 2024 को नाबालिग के पिता ने भिवाड़ी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह घर से बाहर मजदूरी करने गया था। रात को उसकी नाबालिग बेटी टॉयलेट करने बाहर आई तो अजीत यादव ने उसे पकड़ लिया और रेप किया। यही नहीं बेटी को बार-बार वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देता रहा। उसे जबर्दस्ती ले जाने का प्रयास भी किया गया। उसके करीब एक महीने बाद वह मजदूरी करके वापस भिवाड़ी आया। तब बेटी ने पूरा मामला बताया। फिर थाने में रिपोर्ट दी। अब कोर्ट ने गवाह व सबूत जानने के बाद आरोपी को 10 साल की जेल की सजा सुनाई है।

जोधपुर में 92 किलो डोडा-पोस्त सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

दो तस्कर मध्यप्रदेश नीमच के रहने वाले हैं, जबकि एक तस्कर स्थानीय बताया गया है

- कार गुजरात पासिंग नंबर की है और यह चोरी की होने का भी अंदेशा बना है, डोडा-पोस्त की खरीद-फरोख्त के संबंध में पुलिस जांच में जुटी

जोधपुर, (कासं)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और मथानिया पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ओसियां बाइपास रोड पर एक कार को नाकाबंदी में पकड़ा। कार की तलाशी लिए जाने पर उसमें पांच कट्टे प्लास्टिक के अवैध डोडा-पोस्त से भरे मिले जोकि वजन में 92.240 किलोग्राम था। पुलिस ने कार में सवार तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। दो तस्कर मध्यप्रदेश नीमच के रहने वाले हैं, जबकि एक स्थानीय है। एमपी से खुद तस्कर कार लेकर आए। कार गुजरात पासिंग नंबर की है और यह चोरी की होने का भी अंदेशा बना है। फिलहाल डोडा-पोस्त की अवैध खरीद-फरोख्त के संबंध में पुलिस जांच में जुटी है।

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश, डीसीपी पूर्व पीडी नित्या के निर्देशानुसार मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिए जिले में नाकाबंदी करवाई गई। जिसके लिए एएनटीएफ के एसआई प्रमित चौहान, मथानिया थानाधिकारी कैलाशी द्वारा नाकाबंदी की गई। पुलिस की टीम ने ओसियां बाईपास पर देवासी होटल के नजदीक एक ब्रेजा कार को नाकाबंदी में पकड़ा। पुलिस ने इस कार की तलाशी ली तब उसमें तीन सवार मिले। गाड़ी में पांच कट्टे प्लास्टिक के भरे मिले जिसमें 92.240 किलो अवैध डोडा-पोस्त पाया गया। पुलिस ने कार में सवार तीन तस्करों जिनमें मध्यप्रदेश में नीमच के सुखेडा पीपलोदा निवासी कपिल पुत्र रूपनाथ, एमपी नीमच के जिरन निवासी धर्मपाल पुत्र श्याम चंद्र एवं स्थानीय जोधपुर के कापरड़ा स्थित खोखरिया निवासी विकास पुत्र सोहनलाल विश्नोई को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब अभियुक्तों से डोडा पोस्त की खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ कर रही है।

अलवर मिनी सचिवालय को तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली

कलैक्टर की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ

- मेल का कंटेंट भी पिछली दो धमकियों जैसा ही है, जिसमें हैडिंग में पाकिस्तान और तमिलनाडु का बदला लिखा गया है
- मेल में जिला कलैक्ट्रेट में बड़े धमाके की चेतावनी दी गई है और सभी कर्मचारियों को बाहर निकालने की बात भी कही गई है

अलवर, (निस)। अलवर मिनी सचिवालय को बम से उड़ाने की तीसरी बार धमकी मिली है। खास बात यह है कि इसी परिसर में मंगलवार को एडीजीपी विकास बंसल पुलिस अधिकारियों की बैठक ले रहे थे और पुलिस की टीमें सर्च कर रही थी। धमकी के बाद जिला प्रशासन और पुलिस महकमा अलर्ट मोड पर आ गया है। जिला प्रशासन की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस अधिकारी मौके पर जांच में जुटे हुए हैं।

अतिरिक्त जिला कलैक्टर बीना महावर ने बताया कि यह तीसरी बार है, जब मिनी सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे पहले भी दो बार इसी तरह की धमकियां दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह 7:31 बजे अलवर जिला कलैक्टर की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ। मेल का कंटेंट भी पिछली दो धमकियों जैसा ही है, जिसमें हैडिंग में पाकिस्तान और तमिलनाडु का बदला लिखा गया है और जिला कलैक्ट्रेट में बड़े धमाके की चेतावनी दी गई है। मेल में सभी कर्मचारियों को बाहर निकालने की बात भी कही गई है।

अतिरिक्त जिला कलैक्टर ने बताया कि यह धमकी तमिलनाडु की आईपी एड्रेस से मिली है। ऐहतियात के तौर पर कर्मचारियों को अलर्ट कर दिया गया है और मेटल डिटेक्टर टीम को बुलाया गया है, जो परिसर में जगह-जगह जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछली बार भी इस संबंध में पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत दी गई थी और मुकदमा दर्ज कराया गया था, लेकिन अब तक उसकी जांच रिपोर्ट सामने नहीं आई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

बीकानेर में सीजन का पहला कोहरा देखने को मिला

- विजिबिलिटी 50 मीटर, पारा 10 डिग्री से नीचे, ग्रामीण इलाकों में शीतलहर
- मौसम विभाग ने बीकानेर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में तापमान में अभी और गिरावट की संभावना जताई

बीकानेर, (निसं)। शहर में मंगलवार को इस सीजन का पहला कोहरा देखने को मिला। सुबह के समय घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी महज 50 मीटर के आसपास रही। लंबे इंतजार के बाद दिसंबर के तीसरे सप्ताह में कोहरे की दस्तक के साथ ही शहर में सर्दी का असर तेज हो गया है। तापमान में आई अचानक गिरावट ने आमजन को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया है।

बीकानेर शहर का न्यूनतम तापमान अब गिरकर 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। अब तक शहरी क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से ऊपर बना हुआ था, लेकिन कोहरे के साथ अचानक ठंड बढ़ गई है। हालांकि कड़ाके की सर्दी का असर अभी पूरी तरह सामने आना बाकी है। ग्रामीण क्षेत्रों में कोहरा पहले से ही बना हुआ है। खासकर लूणकरणसर और श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र के गांवों में लगातार तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। लूणकरणसर इससे पहले प्रदेश का सबसे ठंडा इलाका भी रह चुका है। वर्तमान में इन क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 5 से 6 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार बीकानेर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में तापमान में अभी और गिरावट की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 19 दिसंबर तक बीकानेर सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में कोहरा छाए रहने की संभावना जताई गई हैं। बीकानेर संभाग के चूरू और सीकर के कुछ हिस्सों में घना कोहरा रहने की आशंका है। कोहरे के बीच स्कूली बच्चों और कोचिंग स्टूडेंट्स को सुबह-सुबह यात्रा करनी पड़ रही है, जिससे जोखिम बढ़ गया है। राज्य सरकार ने सभी सरकारी और निजी स्कूलों का समय सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक करने के आदेश जारी किए हैं, लेकिन अधिकांश निजी स्कूल इसका पालन नहीं कर रहे हैं। कई स्कूल सुबह 8 से 9 बजे के बीच शुरू हो रहे हैं, जिससे बच्चों को सुबह 7 बजे ही घर से निकलना पड़ रहा है। इसी तरह कई निजी कोचिंग संस्थानों का समय भी सुबह 7 बजे से होने के कारण विद्यार्थियों को कोहरे में सफर करना पड़ रहा है।

खेत पर काम कर रहे किसान की पैर फिसलने से मौत

डूंगरपुर, (निसं)। आसपुर थाना क्षेत्र के नांदली सागोरा में सोमवार को एक किसान की पैर फिसलने से मौत हो गई। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस के अनुसार नांदली सागोरा निवासी लक्ष्मण सिंह सोमवार सवेरे अपनी पत्नी निर्मला के साथ खेतनामी आम्बावाला कुंए वाले खेत में मोटर चालू कर गेहूं की फसल को पानी पीलाने गए थे। लगभग दोपहर एक बजे कुंए के पास खेतों में किनारे किनारे चल रहे थे। तब अचानक पांव स्लीप होकर पाली के ऊपर से नीचे जा गिरे जिससे बेहोश हो गए। वहीं पास में खड़ी पत्नी से आवाज देकर पास खेतों में काम कर रहे ज्ञानसिंह दौड़कर आए और तत्काल आसपुर हॉस्पीटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने लक्ष्मण सिंह को मृत घोषित कर दिया और शव को मोर्चरी में रखवाया गया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को दिया गया।

धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। पिस्टल दिखाकर धमकाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अति. पुलिस अधीक्षक रतन लाल भार्गव ने बताया कि पुरानी टोंक थाना टीम एवं जिला स्पेशल टीम ने 12 दिसम्बर को हुई घटना में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। घटना में पुरानी टोंक थानाधिकारी नेमीचन्द की थाना टीम व डीएसटी टीम ने कामधेनू सर्किल स्थित यामाहा शोरूम में पिस्टल निकालकर धमकाने वाला आरोपी अताउल्ला पुत्र आबिद मियां देशवाली निवासी खिड़की दवाजा देशवाली मोहल्ला पुरानी टोंक हाल निवासी केप्टन कॉलोनी जो फरार चल रहा था, जिसको पुलिस टीम डिटेन कर मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

सत्तर पंचायत के ग्रामीणों ने पट्टों के लिए भरी हुंकार

पैराफेरी की पंचायतों के गांवों में रहने वाले लोगों को पट्टे देने की मांग, दस दिन की चेतावनी दी

- कलैक्टरी के बाहर 70 पंचायतों के 205 गांवों से आए ग्रामीणों ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के पास पैराफेरी की पंचायतों के गांवों में रहने वाले लोगों को पट्टे देने की मांग पर मंगलवार को उदयपुर में करीब 70 ग्राम पंचायतों के 205 गाँवों के ग्रामीणों ने हल्ला बोला। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) में और नगर निगम में शामिल हुई पंचायतों में इस बात को लेकर गुस्सा है कि पंचायतों के लोगों को अब चक्कर लगाने पड़ रहे हैं और उनका हक उनको नहीं मिला है। कलैक्टरी के बाहर बड़ी संख्या में 70 पंचायतों के 205 गांवों से आए ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और अपनी मांग को पूरी ताकत के साथ रखा। कलैक्टरी के मुख्य गेट के सामने वाली सड़क पर हुई सभा को इन पंचायतों के जनप्रतिनिधियों ने संबोधित किया और अपनी मांगों को लेकर हुंकार भरी।

पंचायतों के जनप्रतनिधियों ने कहा कि बरसों से वहां रहने वाले गरीबों को अपने जायज पट्टे नहीं दिए जा रहे और यूडीए के लोग आकर अतिक्रमण मानकर हटा देते हैं। ऐसा ही सविना क्षेत्र में पिछले दिनों किया गया था। संघर्ष समिति के चंदन सिंह देवड़ा ने संबोधित करते हुए कहा कि अब बहुत हो गया। आश्वासन पर आश्वासन दिया गया और अफसर जनता की इस जायज मांग पर काम नहीं कर रही है। सभा के बाद में जब दस जनों का प्रतिनिधिमंडल अंदर अधिकारियों को ज्ञापन देने जा रहा था तब एकाएक भीड़ में से कई लोग भी फाटक के वहां पर पहुंच गए और अंदर घुसने का प्रयास करने लगे। इस बीच पुलिस ने कलैक्टरी की छोटी फाटक को धक्का देकर बंद करने की कोशिश की लेकिन बाहर से लोग भी अंदर आने के लिए धक्का देने का प्रयास कर रहे थे। बाद में एडिशनल एसपी उमेश ओझा वहां पर आए और प्रदर्शनकारियों को समझाया। उन्होंने कहा कि जो प्रतिनिधि थे वो अंदर चले गए बाकी लोग पीछे हो जाए। इस बीच उन्होंने बेरिकेड्स पर चढ़े लोगों को नीचे उतरवाया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा दस दिन की चेतावनी दी गई कि प्रशासन इस मामले का निस्तारण करें नहीं तो आगे की रणनीति तैयार की जाएगी।

जानकारी के अनुसार ग्रामीणों द्वारा पंचायतें जो यूडीए या नगर निगम में आ गई वहां पट्टों समेत कई मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन को बार-बार अवगत कराया गया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। ग्रामीणों की मांग है कि यूडीए पैराफेरी पंचायतों की 31 दिसंबर 2024 तक आबादी वाली जमीन संबंधित पंचायत को आबादी के उपयोग के लिए सौंपी जाए। बिना नोटिस तोड़े गए गरीबों के मकानों का मुआवजा तुरंत दिया जाए और भविष्य में किसी का मकान बिना सुनवाई तोड़ा नहीं जाए। इसी के साथ पहाड़ी भूभाग वाले नए पैराफेरी गांवों को बाहर निकाला जाए। यूडीए पैराफेरी में शामिल 70 नए गांवों की आबादी वाली बिलानाम और चरागाह किस्म की भूमि संबंधित पंचायतों को ही दी जाए।

पैंथर ने तीन बकरियों का शिकार किया

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र में इन दिनों लगातार पैंथर का मूवमेंट नजर आ रहा हैं। इसी क्रम में बीती रात नाड़ी ग्राम पंचायत के ग्राम मात का बाडिया में जंगली जानवर ने तीन बकरियां को अपना निवाला बना दिया। सूचना पर मसूदा वन विभाग के अधिकारी मौक़े पर पहुंचे और ंगली जानवरों के पगमार्क जांचे, जिसमें पैंथर होने की आशंका जताई।

पीड़ित रसूल काठात पुत्र शमा काठात ने बताया कि बीती रात उसके मकान के पास ही बने बाड़े में बकरियां बंधी हुई थी। देर रात जंगली जानवर बाड़े में कूदकर दो बकरियों को मौके पर ही मौत के घाट उतार दिया। वहीं तीसरी बकरी को साथ में लेकर चला गया। हालांकि अभी तय नहीं हो पाया है कि यह जानवर पैंथर है या कोई अन्य जंगली जानवर इसकी जानकारी वन विभाग के अधिकारी ही दे पाएंगे।

रसूल काठात ने बताया कि मृत बकरियों की जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को दी गई जिसके चलते मसूदा वन विभाग के अधिकारी हजारीलाल मौक़े पर पहुंचे। जहाँ हजारी लाल ने जंगली जानवरों के पगमार्क जांचे, जिसमें पैंथर होने की आशंका जताते हुए दोनों बकरियों का मौके पर ही डॉक्टर को बुलवाकर पोस्टमार्टम करवाया एवं पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलवाने का आश्वासन दिया।

नसीराबाद छावनी परिषद को "रक्षा मंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया

- यह उपलब्धि पारदर्शी प्रशासन, डिजिटल गवर्नेंस, ई-छावनी मॉड्यूल्स के प्रभावी क्रियान्वयन तथा नागरिक-केंद्रित सेवाओं की सफलता का जीवंत उदाहरण है

नसीराबाद, (निसं)। छावनी परिषद नसीराबाद के इतिहास में यह क्षण गौरव, सम्मान और उपलब्धियों का स्वर्णिम अध्याय बनकर दर्ज हो गया है। परिषद को देश के प्रतिष्ठित रक्षा मंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया जाना इस बात का सशक्त प्रमाण है कि छावनी परिषद नसीराबाद ने उत्कृष्ट प्रशासनिक दक्षता, दूरदर्शी नेतृत्व, तकनीकी नवाचार और जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श संस्थान के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। यह सम्मान छावनी परिषद नसीराबाद के इतिहास में पहली बार प्राप्त हुआ है, जिसने परिषद को देश की अग्रणी छावनी परिषदों की पंक्ति में स्थापित कर दिया है। यह उपलब्धि पारदर्शी प्रशासन, डिजिटल गवर्नेंस, ई-छावनी मॉड्यूल्स के प्रभावी क्रियान्वयन तथा नागरिक-केंद्रित सेवाओं की सफलता का जीवंत उदाहरण है।

नई दिल्ली में आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान छावनी परिषद नसीराबाद के अध्यक्ष ब्रिगेडियर हरिश कुमार, मुख्य अ. अधिकारी डॉ. नितिश गुप्ता मौजूद रहे।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, रक्षा सचिव, महानिदेशक रक्षा संपदा शोभा गुप्ता और वित्तीय सलाहकार (रक्षा) की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और भी बढ़ाया। सम्मान समारोह के दौरान मंच पर छावनी परिषद नसीराबाद के अध्यक्ष ब्रिगेडियर हरिश कुमार, मुख्य अधिशासी अधिकारी डॉ. नितिश गुप्ता, कार्यालय अधीक्षक प्रवीण यादव तथा कनिष्ठ अभियंता विश्वेन्द्र सिंह उपस्थित रहे। यह सम्मान उनके संयुक्त प्रयासों, अनुकरणीय नेतृत्व, प्रशासनिक कुशलता और टीम-वर्क का प्रत्यक्ष प्रमाण है। समारोह में छावनी परिषद नसीराबाद द्वारा किए गए विकासात्मक, जनकल्याणकारी, तकनीकी और प्रशासनिक सुधारों पर आधारित एक संक्षिप्त डॉक्यूमेंट्री (शॉर्ट फ़िल्म) भी प्रदर्शित की गई, जिसे रक्षा मंत्री सहित उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विशेष सराहना मिली। निस्संदेह, यह ऐतिहासिक उपलब्धि केवल छावनी परिषद नसीराबाद की नहीं, बल्कि समूचे नसीराबाद क्षेत्र के लिए गर्व, प्रेरणा और भविष्य की नई ऊँचाइयों की दिशा में एक निर्णायक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

ट्रैक्टर खाई में गिरा, चालक बाल-बाल बचा

मसूदा, (निसं)। मसूदा-अजमेर को जोड़ने वाला एक मात्र सड़क मार्ग मसूदा नगर पालिका क्षेत्र के समीप छिपा के पुलिया पर आखिरकार स्थानीय जनप्रतिनिधियों व प्रशासन की लापरवाही का नतीजा सामने आ ही गया। रविवार रात को बड़ा हादसा होते होते टल गया। एक ट्रैक्टर खाई में गिर गया। हादसे में चालक बाल-बाल बच गया। रात को एक ट्रैक्टर चालक ने सूझबूझ से अपनी जान बचाई। ट्रैक्टर अजमेर रोड से मसूदा की तरफ आ रहा था तभी पुलिया पर बने गड्ढे की वज़ह से ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया जिससे ट्रैक्टर निचे खाई में गिर गया। चालक ने सावधानी बरतते हुए कूदकर अपनी जान बचाई। वरना बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के समय इस पुलिया के निचे लगे पाईपों की सफाई समय रहते हो जाती तो यह पुलिया क्षतिग्रस्त नहीं होती और न ही इस प्रकार के हादसे होने को नौबत आती।

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
Gandhi Block, Swasthya Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302005 (Raj.)
Ph. No. 0141-2223887, Fax: 0141-2228065, E-mail: edepmrmsc-rj@nic.in, Website: www.rmsc.nic.in
Ref. No. :- F-8() RMSC/EPM/M-2/NIB-926/2025-26/1287 Dated :- 10/12/2025
Corrigendum / Addendum
Bid for item Bed Side Screen are invited from interested bidders up to Date: 18.12.2025: 06:00 P.M. Other particulars of the Corrigendum/Addendum may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.
UBN :- MSC2526GLOB00045
Raj.Samwad/C/25/15761 Executive Director (EPM)

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
कार्यालय मुख्य अभियंता (सिविल), सदन रत्न, एल.आई.सी. जीवनदीप भवन, लाल कोठी, जयपुर
निविदा सूचना : TNC-03 (RVU2526GLOB01738)
आरवीयूएन के जयपुर स्थित विभिन्न कार्यालयों में फर्नीचर की सप्लाई एवं इन्स्टॉलेशन के कार्य हेतु ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/15888 RVUN/PR-4310 मुख्य अभियन्ता (सिविल)

नगर विकास न्यास, पाली
झक बंगला परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल - uitpali@gmail.com
क्रमांक :- न्या.पा./विज्ञापन/2025/3108 दिनांक :- 12/12/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - 47/2025-26
नगर विकास न्यास, पाली की ओर न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है।
यूबीएन नं. :- ITP2526WSOB00065
राज.संवाद/सी/25/15897 अधिशाषी अभियन्ता

राजस्थान हाईकोर्ट में आरडीएक्स के तीन बम धमाकों की धमकी से हड़कंप मचा

सैशन कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर मिली ''हाईकोर्ट को बम से उडाने की धमकी''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के राजस्थान हाईकोर्ट को मंगलवार को एक बार फिर बम से उडाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। लेकिन इस बाद मेल कर्ता ने सैशन कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर हाईकोर्ट को बम से उडाने की धमकी भेजी। जिसमें लिखा कि हाईकोर्ट में आरडीएक्स रखा है और तीन ब्लास्ट होंगे। न्यायाधीशों के चेंबर-बाथरूम में बम को प्लांट किया गया है। जितनी जल्दी हो सके, हाईकोर्ट को खाली करवा लो।

सैशन कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर हाईकोर्ट को बम से उडाने की धमकी मिलने पर जयपुर पुलिस की ओर से हाईकोर्ट को खाली करवाया गया। पुलिस, एटीएस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। हाई कोर्ट परिसर को खाली करवाकर गहन सर्च अभियान चलाया गया। हालांकि ढाई घंटे तक चले सर्च अभियान में कुछ नहीं मिलने के बाद धमकी भरा ई-मेल झूठा निकलने पर राहत की सांस ली।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी अशोक नगर) बालाराम ने बताया कि जयपुर के राजस्थान हाईकोर्ट को एक बार फिर बम से उडाने की धमकी मिली। इस बार सेशन कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर मंगलवार सुबह धमकी भरा मेल भेजा मिला। जहां हाईकोर्ट को बम से उडाने की धमकी सेशन कोर्ट की ई-मेल आईडी पर दी गई थी। धमकी भरे मेल में लिखा था कि जयपुर हाईकोर्ट में रखे आरडीएक्स में तीन ब्लास्ट होंगे। न्यायधिशों के चेंबर-बाथरुम में बम को प्लांट किया गया है। जितनी जल्दी हो सके हाईकोर्ट को खाली करवा लो।

हाईकोर्ट ने बम की सूचना के बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्कवॉड ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली।

एसीपी अशोक नगर ने बताया कि धमकी भरे ई-मेल का पता चलने पर तुरंत हाईकोर्ट की सुरक्षा को लेकर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस के साथ ही डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ता, सिविल डिफेंस व सभी सिक्योरिटी एजेंसी मौके पर पहुंची। बम की धमकी के चलते तुरंत हाईकोर्ट को खाली करवाया गया। ढाई घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन में हाईकोर्ट परिसर में किसी प्रकार की कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। बम की झूठी धमकी मिलने पर पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली।

- **ई-मेल भेजने वाले ने लिखा था कि ''न्यायाधीशों के चेंबर-बाथरुम में बम प्लांट किया है; जितनी जल्दी हो सके, हाईकोर्ट खाली करवा लो''**
- **बम निरोधक दस्ते, डॉग स्कवॉड और पुलिस ने करीब ढाई घंटे तक हाईकोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की तलाश ली, कुछ नहीं मिलने पर राहत की सांस ली**

अशोक नगर थानाधिकारी मोतीलाल शर्मा ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में हाईकोर्ट में बम की धमकी मिलने के बाद अब नियमित रूप से हाईकोर्ट परिसर में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। फिलहाल कोई संदिग्ध वस्तु तलाशी अभियान में नहीं मिली है।

सैशन कोर्ट परिसर में भी हड़कंप मचा

वहीं सेशन कोर्ट की ईमेल आईडी पर फिर हाईकोर्ट में बम होने की धमकी मिलने के बाद सेशन कोर्ट परिसर में हडकंप मच गया। जहां पुलिस, एटीएस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। सेशन कोर्ट परिसर को खाली करवाकर गहन सर्च अभियान चलाया गया। हालांकि जांच में कुछ नहीं मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी सदर) धर्मवीर सिंह ने बताया कि सेशन कोर्ट की ईमेल आईडी पर मंगलवार सुबह एक संदिग्ध मेल आया था।

इसमें हाईकोर्ट में बम प्लांट करने की धमकी दी गई थी। जल्दबाजी में पूरे ई-मेल को पढा नहीं गया। सेशन कोर्ट को बम की धमकी की तुंरत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दे दी गई। पुलिस टीम सहित सिक्योरिटी एजेंसी सूचना मिलते ही सेशन कोर्ट पहुंच सर्च में जुटी। महज कुछ ही मिनट बाद ई-मेल में सेशन कोर्ट नहीं हाईकोर्ट को धमकी का पता चला। हालांकि एहतियात के तौर पर सेशन कोर्ट में भी एक फ्लोर सर्च ऑपेरशन चलाया गया। लेकिन जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

25 साल में महिला कॉलेज व्याख्याता को नहीं मिला न्याय

हाईकोर्ट ने कहा ''न्याय व्यवस्था जल्दी न्याय देने में रही विफल''

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने निजी कॉलेज की पूर्व महिला व्याख्याता को भुगतान से जुडे मामले में गंभीर टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि साल 2000 में उसके पक्ष में केस तय होने के बाद भी उसे अभी तक न्याय नहीं मिल सका। अदालत को यह स्वीकार करना होगा कि हमारी न्यायिक व्यवस्था प्रार्थिया को जल्द न्याय देने में विफल रही है। इसके साथ ही अदालत ने संबंधित संस्थान को कहा है कि वह 30 जून 2026 तक प्रार्थिया के सभी सेवानिवृत्ति परिलाभों की गणना कर उसका भुगतान करें।

वहीं सिविल कोर्ट द्वारा तय की गई बकाया व अन्य राशि के पेटे की राशि 15,57,937/- भी ब्याज एक माह में देने का आदेश दिया है। जस्टिस अनिल उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश शकुंतला पाटनी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि एक बुजुर्ग महिला इस उम्मीद में दर-दर भटकती रही कि उसके पक्ष में हो चुके फैसले का फल उसे मिलेगा, लेकिन यह दुखद स्थिति है कि साल 2000 में उसके पक्ष में केस तय होने के बाद भी उसे अभी तक न्याय नहीं मिल सका। संस्था और राज्य सरकार के बीच अनुदान का विवाद कर्मचारी पर लागू नहीं किया जा सकता। कर्मचारी को पूरा भुगतान करना संस्थान की जिम्मेदारी है, वह राज्य सरकार से बाद में इसे ले सकता है।

मामले से जुडे अधिवक्ता राजेन्द्र सोनी ने बताया कि याचिकाकर्ता चिडावा के इंदिरा गांधी बालिका निकेतन कॉलेज में 1972 अर्थशास्त्र की व्याख्याता के पद पर नियुक्त हुई। उसकी ओर से लगातार 23 साल की सेवा देने के बाद साल 1995 में बिना किसी लिखित आदेश व कारण बताए उसे कॉलेज प्रशासन से कार्य करने से रोक दिया। इसे अधिकरण में चुनौती देने पर अधिकरण ने साल 2000 में उसके पक्ष में फैसला देते हुए उसे पुनः सेवा में लेने, वेतन, अवकाश, चयन वेतनमान और भविष्य निधि सहित अन्य लाभ देने का निर्देश दिया। इस आदेश को लागू करवाने के लिए सिविल कोर्ट, चिडावा में याचिका दायर की। चिडावा कोर्ट ने 16 जनवरी 2004 को प्रतिवादी के खिलाफ वसूली का रिकवरी वारंट 28 फरवरी 2004 को जारी किया। इसे कॉलेज ने हाईकोर्ट में चुनौती दी, लेकिन हाईकोर्ट ने साल 2008 में अधिकरण का आदेश बहाल रख कॉलेज की याचिका खारिज कर दी, लेकिन वसूली आदेश का पालन नहीं होने पर प्रार्थिया को वापस हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पडा।

कांग्रेस का ध्यान हमेशा भ्रष्टाचार में होता है : मुख्यमंत्री

बीकानेर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस का ध्यान हमेशा भ्रष्टाचार में होता है। कोई भी भ्रष्टाचारी किसी भी कीमत पर नहीं बचेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति पर राजस्थान में जीरो टॉलरेंस पर हमारी सरकार काम कर रही है, हम भ्रष्टाचार को सहन करने वाले नहीं है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान हरियाणा और केन्द्र में जब कांग्रेस की सरकार थी और मध्यप्रदेश गुजरात में भाजपा की सरकार थी तो इन्होंने जहां कांग्रेस की सरकार थी वहां सिलेण्डर पर पैसा कम कर दिया और जहां भाजपा की सरकार थी वहां कुछ भी नहीं किया। ऐसी दोहरी नीति हम नहीं करते। हम जनता के लिए जवाबदेही के साथ काम करते हैं और जनता के बीच में रहते हैं।

प्रदेश में 44705 लोगों ने किया रक्तदान

जयपुर (कासं)। प्रदेश में राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 1 से 15 दिसम्बर तक विभिन्न जिलों में आयोजित किए गए कुल 894 मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य रक्तदान शिविरों में 44705 यूनिट रक्त संग्रहण की मिसाल कायम करते हुए रक्तदाताओं ने हजारों लोगों के जीवन को बचाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उल्लेखनीय है कि कोटा संभाग में सबसे अधिक 16 हजार 161 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी जिलों में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य रक्तदान शिविर भी आयोजित किए गए। रक्तदान शिविरों में रक्तदाताओं ने आपदा में पड़े किसी भी मरीज के जीवन को बचाने में अपने सामाजिक सरोकारों को निभाया है। साथ ही अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बने हैं। चिकित्सा-स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्राप्त आंकड़ों के अनुसार कोटा संभाग में 16161, जयपुर संभाग में 10461, भरतपुर में 2171, बीकानेर में 5777, जोधपुर में 3660, अजमेर 3326 एवं उदयपुर संभाग में 3149 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया है।

- **मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य रक्तदान शिविर में लोगों ने दिखाया उत्साह**

एमडी तस्करी में लिप्त बदमाश पकड़ा

जयपुर। महेश नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर दक्षिण (डीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स की तस्करी करने वाले एक तस्कर को पकडा है और उसके पास से 9.45 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स बरामद की है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि महेश नगर थाना पुलिस और डीएसटी जयपुर दक्षिण ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स की तस्करी करने वाले तस्कर 25 वर्षीय गणपत प्रजापत निवासी बदनौर जिला ब्यावर हाल नारायण विहार जयपुर को गिरफ्तार किया।

कांग्रेस नेता अनर्गल बयानबाजी के बजाय अपने कार्यकाल के काम गिनाएं : जोगाराम पटेल

'भजनलाल सरकार के 2 साल के कार्यकाल में राजस्थान नई पहचान के साथ प्रगति की राह पर आगे बढ़ रहा'

जयपुर (कासं)। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गत दो वर्षों में राजस्थान ने विकास के नए आयाम कायम किए हैं। कांग्रेस के पांच साल और भाजपा के दो साल के कार्यकाल के दौरान विभिन्न विकास के तुलनात्मक आंकड़े मीडिया के माध्यम से राजस्थान की 8 करोड़ जनता को पता लगे है। इससे कांग्रेस के नेता भोंचक्के रह गए हैं और उनके पास कोई जवाब नहीं है।

जोगाराम पटेल ने कहा कि, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनर्गल बयानबाजी की है। उन्होंने 12 हजार रूपए किसान सम्मान निधि पर सवाल उठाए। हमारी सरकार ने पांच साल में किसान सम्मान निधि को 12 हजार रूपए करने का वादा किया था। हमने दो साल में ही 9 हजार रूपए कर दिए हैं और शीघ्र ही हम इसको 12 हजार रूपए भी करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा हमारी सरकार के कार्यकाल में यूरिया, खाद, डीएपी, बीज की पूरी आपूर्ति हो रही है जबकि कांग्रेस को अपने कार्यकाल के आंकडों के साथ इसकी तुलना करनी चाहिए। कांग्रेस बताए कि उनके कार्यकाल में बच्चों को कितनी यूनिफॉर्म बांटी गई, कांग्रेस ने पेयजल की योजनाओं को जान-बूझकर लटकाया भटकाया अटकाया। जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की महत्वपूर्ण पेयजल परियोजनाओं को धरातल पर लाने का काम किया है। कांग्रेस को हमारी सरकार में धरातल पर उतरे 8 लाख करोड़ रूपए के निवेश को देखना चाहिए। जोगाराम पटेल ने कहा कि राजस्थान में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं।

प्रदेश प्रगति के पथ पर आगे जा रहा है। कांग्रेस को सकारात्मक भाव से राजनीति करनी चाहिए और नकारात्मकता को छोडना चाहिए।

जयपुर के पूर्व सांसद रामचरण बोहरा ने मंगलवार को दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से मिलकर उन्हें सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं व बधाई प्रेषित की।

स्वच्छ कार्यस्थल से कार्यक्षमता बढ़ती है : टी.रविकांत

जयपुर । राज्य सरकार की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर मंगलवार को सचिवालय के खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम अनुभाग में स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। प्रमुख सचिव खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम श्री टी. रविकान्त ने अभियान का नेतृत्व में सफाई अभियान के दौरान पत्रावलियों को सुनियोजित करने, काम में नहीं आ रही पत्रावलियों की बीड आउट कार्रवाई शुरु करने और साफ सफाई की गई।प्रमुख सचिव माइंस श्री टी. रविकान्त ने इस अवसर पर कार्मिकों से कहा कि कार्यस्थल पर साफ-सफाई हमारी नियमित आदत बननी चाहिए।

भारत गौरव ट्रेनें देश की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम : मदन राठौड़

जयपुर । राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ द्वारा भारत गौरव ट्रेनों के संचालन को लेकर उठाए गए प्रश्नों के उत्तर में केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी योजना की व्यापक सफलता और दूरदर्शी सोच को स्पष्ट किया है।

राठौड़ के सवाल के जवाब में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सदन को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल ने नवंबर 2021 में 'भारत गौरव ट्रेन' नीति लागू की, जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों को देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत करना है। इस नीति के तहत थीम-आधारित पर्यटन सर्किट ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें सेवा प्रदाताओं को पूरी स्वतंत्रता दी गई है कि वे बाजार की मांग और व्यावसायिक व्यवहार्यता के अनुसार पर्यटन कार्यक्रम तय कर सकें। इसमें राजस्थान जैसे पर्यटन-समृद्ध राज्य के सर्किट भी प्रमुखता से शामिल किए जा रहे हैं।

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि भारत गौरव ट्रेन योजना से देश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्कता मजबूत हुई है और पर्यटन को अभूतपूर्व बढ़ावा मिला है। अब तक भारतीय रेल के 11 जोनों में 22 सेवा प्रदाता पंजीकृत किए जा चुके हैं, जो वर्तमान में 12 रेकों का संचालन कर रहे हैं। इन ट्रेनों के माध्यम से 30 नवंबर 2025 तक 3,62,880 पर्यटकों को लेकर 590 यात्राएँ संचालित की जा चुकी हैं, जो भारत के 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रमुख पर्यटन स्थलों को कवर करती हैं। यह आंकड़े इस योजना की लोकप्रियता और सफलता को स्वयं प्रमाणित करते हैं। राठौड़ ने भारत गौरव ट्रेनों को मोदी सरकार की विरासत भी, विकास भी की सोच का सशक्त उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि निजी भागीदारी को प्रोत्साहन देकर सरकार ने न केवल रेलवे सेवाओं को आधुनिक बनाया है, बल्कि पर्यटन, स्थानीय रोजगार और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति दी है। कुल मिलाकर, भारत गौरव ट्रेन योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर स्थापित करने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत और सकारात्मक कदम के रूप में उभर कर सामने आई है।

अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने का संकल्प : हरि बोरकर

जयपुर। भारत की न्याय व्यवस्था को अधिक सशक्त, सुलभ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद का तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 26 दिसंबर से बालोतरा में आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर से चार हजार से अधिक अधिवक्ता सहभागिता करेंगे। अधिवेशन के पोस्टर का विमोचन करते हुए संगठन महामंत्री (उत्तर क्षेत्र) हरि बोरकर ने कहा कि परिषद का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक समय पर और सुलभ न्याय पहुंचाना है। उन्होंने अधिवक्ताओं से आव्हान किया कि वे केवल वाद-विवाद और मुकदमे जीतने तक सीमित न रहें, बल्कि न्याय प्रणाली में आमजन का विश्वास सुदृढ़ करने की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभाएं। श्री बोरकर ने कहा कि पीड़ित, उपेक्षित और कमजोर वर्ग तक न्याय पहुंचाने में अधिवक्ताओं की भूमिका सेतु के समान है। जयपुर प्रांत महामंत्री अभिषेक सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान विभिन्न सत्रों में न्यायिक सुधार, लंबित प्रकरणों की संख्या में कमी, तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा युवा अधिवक्ताओं के प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

- **अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद का तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 26 से**

अधिवेशन में पारित प्रस्तावों के माध्यम से सरकार से न्यायालयों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने, अधिवक्ताओं के कल्याण से जुडी योजनाओं को प्रभावी बनाने तथा न्यायिक ढांचे को मजबूत करने की मांग की जाएगी।

अधिवेशन में सर्वोच्च न्यायालय सहित विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश एवं पूर्व न्यायाधीश, भारत सरकार के विधि एवं कानून मंत्री सहित विधि क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रमुख व्यक्तित्व शामिल होंगे।

संवेदनशील इलाकों में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

जयपुर। शहर में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने तथा आमजन में सुरक्षा का भाव बनाए रखने के उद्देश्य से मंगलवार को जयपुर शहर के माणक चौक सर्किल के अंतर्गत थाना माणक चौक और थाना सुभाष चौक क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर फ्लैग मार्च एवं सायं कालीन गश्त की गई और लोगों से संवाद कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फीडबैक भी लिया गया।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी माणक चौक) पीयूष कविया के नेतृत्व में थानाधिकारी माणक चौक राकेश ख्यालिया तथा थानाधिकारी सुभाष चौक कृष्ण यादव पुलिस बल के साथ मुख्य बाजारों,भीडभाड वाले क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर पैदल मार्च करते हुए नजर आए। इस दौरान बाजारों में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनसे शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। साथ ही असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बृजमोहन द्विवेदी की 3 पुस्तकों का विमोचन

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को विधानसभा में प्रख्यात विद्वान बृजमोहन द्विवेदी द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का विमोचन किया।

जयपुर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को विधानसभा में प्रख्यात विद्वान बृजमोहन द्विवेदी द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का विमोचन किया। देवनानी ने द्विवेदी को मेरे इर्द-गिर्द, मरुधरा वाणी तथा लालसोट का इतिहास के लेखन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। देवनानी ने कहा कि द्विवेदी का साहित्य समाज, संस्कृति और इतिहास के संरक्षण का सशक्त माध्यम है। उनकी कृतियाँ न केवल समकालीन चिंतन को दिशा देती हैं, बल्कि भावी पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य भी करती हैं। लालसोट का इतिहास क्षेत्रीय इतिहास के दस्तावेजीकरण की दृष्टि से विशेष महत्व रखती है।

पुस्तक विमोचन में प्रो. विनोद शास्त्री, मुरारी लाल गुप्ता, अरुण द्विवेदी, मोना द्विवेदी, बृजमोहन द्विवेदी, शिव कुमार द्विवेदी, अर्चना शर्मा, पुनीत शर्मा, अंशुल शर्मा, हर्षित शर्मा एवं भरत लाल मीणा उपस्थित रहे।

अनुशासन समिति में डॉ. शुक्ला मनोनीत

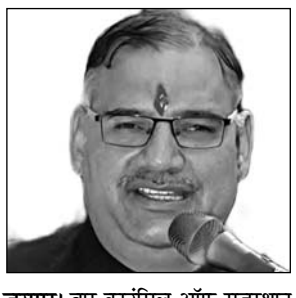

जयपुर। बार काउंसिल ऑफ राजस्थान ने सर्वोच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अखिल शुक्ला को बार काउंसिल ऑफ राजस्थान की अनुशासन समिति का सहवरण सदस्य मनोनीत किया है। डॉ. अखिल शुक्ला वर्ष 1992 से वकालत के क्षेत्र में सक्रिय हैं तथा उन्होंने विधि क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध कार्य भी किया है। वे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनकी विशेष पहचान है। डॉ. शुक्ला राजस्थान वॉलेंटरी रक्तदाता सोसायटी के अध्यक्ष हैं तथा राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य आयुक्त के रूप में भी सेवाएं दे रहे हैं। वे देशभर में एक प्रेरक रक्तदान कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते है। इसके अतिरिक्त, डॉ. अखिल शुक्ला हिंदी प्रचार-प्रसार संस्थान के अध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय के आजीवन सीनेट सदस्य एवं राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

राजस्थान सरकार के सफल दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पुलिस मुख्यालय में मंगलवार को विशेष स्वच्छ कार्यालय अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान एक घंटे चला, जिसका उद्देश्य स्वच्छ, स्वस्थ और अनुशासित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना था। इस पहल की सबसे खास बात यह रही कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने स्वयं अधिकारियों के साथ झाड़ू थाम कर सफाई में सक्रिय रूप से भाग लिया।

ब्यावर में 47 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

अवैध मादक पदार्थ तस्करी के परिवहन में प्रयुक्त वाहन कार जब्त

ब्यावर, (निसं)। अवैध मादक पदार्थ तस्कारों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। जिला स्पेशल टीम व पुलिस थाना साकेतनगर की अवैध मादक पदार्थ तस्करो के खिलाफ कार्रवाई कर 47.760 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त जब्त कर दो तस्कारों को गिरफ्तार किया। वहीं अवैध मादक पदार्थ तस्करी के परिवहन में प्रयुक्त वाहन कार जब्त की है।

जिला पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह ने बताया कि 15 दिसंबर को जिला स्पेशल टीम को सूचना मिली कि एक सफेद कार जो बिजयनगर की तरफ से आ रही है जिसमें भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ भरा हो सकता है। जिस पर जिला स्पेशल टीम व थानाधिकारी पुलिस थाना साकेत नगर मय टीम द्वारा त्वरीत कार्यवाही करते हुए बिजयनगर पुलिया के नीचे नाकाबन्दी शुरू की। कुछ ही समय में एक सफेद कलर की कार आई जिसको पुलिस टीम द्वारा रोकने को ईशारा करने पर कार चालक ने पुलिस नाकाबन्दी को तोड़ कर कार को भगा लिया। पुलिस टीम द्वारा पीछा कर कार को रुकवाया जाकर चैक किया तो वाहन में 2 व्यक्ति सवार मिले, जिनसे वाहन को नाकाबन्दी तोड़ कर वाहन को भगाने का कारण पूछने पर कोई जवाब नहीं देने पर कार की तलाशी ली तो कार के अन्दर दो प्लास्टिक के कट्टों में डोडा-पोस्त भरा मिला, जिसका वज़न 47.760 किलोग्राम हुआ। अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त को जब्त कर धर्मेन्द्र पुत्र जालाराम जाट, निवासी झुझण्डा, सद्दाम पुत्र रफिक निवासी शेखों का बास जैतारण को गिरफ्तार किया।

जिला स्पेशल टीम व पुलिस थाना साकेतनगर की टीम ने ो तस्कारों को पकड़ा।

- कार के अन्दर दो प्लास्टिक के कट्टों में डोडा-पोस्त भरा मिला
- बिजयनगर पुलिया के नीचे नाकाबन्दी में कार को रोककर अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया

ख्वाजा गरीब नवाज के सालाना उर्स की अनौपचारिक शुरुआत आज

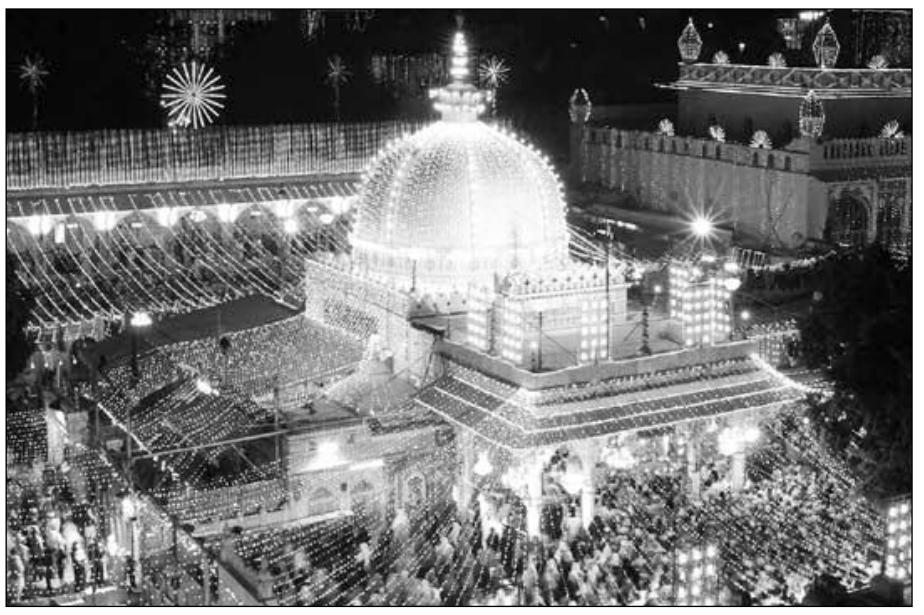
सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के उर्स की अनौपचारिक शुरुआत आज से हो जाएगी

अजमेर, (निसं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 814 वें सालाना उर्स के अवसर पर बुधवार शाम साढ़े चार बजे बुलंद दरवाजे पर झंडा रस्म अदा की जाएगी। इसके साथ ही उर्स की अनौपचारिक शुरुआत हो जाएगी। असर की नमाज के बाद गाजे-बाजे और सूफियाना कलाम के साथ झंडे का जुलूस दरगाह शरीफ के बुलंद दरवाजे तक पहुंचेगा, जहां भीलवाड़ा का गौरी परिवार परंपरागत रूप से झंडा रस्म अदा करेगा। गौरी परिवार मंगलवार को झंडे के साथ अजमेर पहुंच चुका है।

चांद दिखाई देने पर उर्स की विधिवत शुरुआत 21 दिसंबर से होगी, जबकि चांद नहीं दिखने की स्थिति में 22 दिसंबर से उर्स आरंभ होगा। उर्स के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उर्स अवधि में पांच हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, वहीं सीबी, सीआईडी, डीएसटी, एसआईटी सहित अन्य एजेंसियां भी सतर्क रहेंगी।

- बुधवार शाम साढ़े चार बजे बुलंद दरवाजे पर झंडा रस्म अदा की जाएगी

उर्स कन्वीनर हाजी सैयद हसन हाशमी ने बताया कि इस्लामिक परंपरा के अनुसार जमादिल आखिर माह की 25 तारीख को झंडा चढ़ाकर उर्स के आगाज की रस्म निभाई जाती है। उर्स के दौरान 21 से 28 दिसंबर तक आस्ताना शरीफ सुबह चार बजे खुलेगा। मजार शरीफ पर दिन में होने वाली खिदमत अब मगरिब की नमाज के बाद की जाएगी। 20 दिसंबर को साल भर चढ़ाया जाने वाला संदल उतारा जाएगा। उर्स के दौरान 26 दिसंबर को जुम्मा, 27 दिसंबर को छठी और 30 दिसंबर को बड़े कुल की रस्म अदा की जाएगी। जायरीन की आवाजाही बढ़ने से होटल, परिवहन और बाजार क्षेत्रों में रौनक लौटने लगी है।

21 को खुलेगा जन्नती दरवाजा: चांद 21 दिसंबर को दिखाई देने पर उसी रात जन्नती दरवाजा जियारत के लिए खोला जाएगा, अन्यथा 22 दिसंबर की रात से रस्में शुरू होंगी। उर्स के दौरान जन्नती दरवाजा सबसे अधिक छह दिन के लिए खोला जाता है। कुल की रस्म के बाद 6 रजब को दरवाजा बंद कर दिया जाएगा।

3.40 करोड़ में छूटा देग ठेका : इस वर्ष उर्स के दौरान दरगाह स्थित दोनों देगों का 15 दिवसीय ठेका रिकॉर्ड 3.40 करोड़ रुपये से अधिक में छूटा है। पिछले वर्ष यह ठेका 2.68 करोड़ रुपये में दिया गया था।

9वीं कक्षा की 3.70 लाख छात्राओं को बोर्ड परीक्षा के बाद ही मिलेगी साइकिल

बीकानेर, (निसं)। राज्य के सरकारी स्कूलों की 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्राओं को अभी तीन से चार महीने पैदल ही स्कूल जाना होगा। निशुल्क साइकिल वितरण योजना के टेंडर और वर्क आर्डर प्रक्रिया में विलंब होने से इस बार साइकिल वितरण की प्रक्रिया बोर्ड परीक्षा के बाद ही शुरू होने की संभावना है। शिक्षा निदेशालय ने साइकिल के लिए टेंडर और वर्क आर्डर फाइनल कर दिया है। संबंधित फर्म को साइकिल आपूर्ति के लिए चार माह का समय दिया गया है। ऐसे में मार्च- अप्रैल से पहले छात्राओं को साइकिल उपलब्ध नहीं हो पाएगी।

गौरतलब है कि नया शिक्षा सत्र 2026-27 एक अप्रैल से शुरू होगा और 10वीं -12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 12 फरवरी से शुरू हो जाएगी। वहीं साइकिल के पार्ट्स अभी तक जिलों में नहीं पहुंचे हैं। संबंधित फर्म की ओर से साइकिलों के पार्ट्स जिलों में पहुंचने के बाद भी इंस्टालेशन में दो माह का समय लगेगा। ऐसे में साइकिल का लाभ उन्हें अब नए सत्र में ही मिलने की संभावना है। योजना के तहत राज्य के सरकारी कॉलेज में दाखिला लेने वाली 9वीं क्लास की लगभग 3.70 लाख छात्राओं को साइकिल वितरण की जाएगी। छात्राओं को साइकिल योजना के स्थान पर ट्रांसपोर्ट वाउचर का लाभ देने का भी विकल्प है। स्कूल परिसर से पांच किमी परिक्षेत्र से आने वाली छात्राएं साइकिल और 5 किमी से अधिक दूरी से आने वाली छात्राएं ट्रांसपोर्ट वाउचर योजना के लिए पात्र हैं। जिले में 537 छात्राओं को ट्रांसफर वाउचर योजना का लाभ दिया जाएगा।

- निशुल्क साइकिल वितरण योजना के टेंडर और वर्क आर्डर प्रक्रिया में विलंब होने से इस बार साइकिल वितरण की प्रक्रिया बोर्ड परीक्षा के बाद ही शुरू होने की संभावना है

बीकानेर जिले के सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने वाली 11457 बालिकाएं साइकिल वितरण योजना में पात्र हैं। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक की ओर से यह संख्या शिक्षा निदेशालय भिजवा दी गई है। साइकिलों की आपूर्ति होते ही इन छात्राओं ब्लॉकवार गठित नोडल केंद्रों से साइकिल का वितरण किया जाएगा।

किशनदान चारण, डीईओ, माध्यमिक बीकानेर का कहना है कि निशुल्क साइकिल योजना के तहत जिले में इस बार 11457 बालिकाएं पात्र हैं। साइकिल की आपूर्ति होते ही वितरण शुरू कर दिया जाएगा।

अजमेर नगर निगम ने पांच दुकानें सीज़ की

अजमेर, (निसं)। नगर निगम अजमेर की ओर से अवैध अतिक्रमण एवं बिना अनुमति संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार सुबह सुभाष नगर क्षेत्र में कार्रवाई की गई। निगम ने बिना व्यावसायिक स्वीकृति संचालित पांच दुकानों को सीज कर दिया। कार्रवाई के दौरान कांग्रेस नेता उमेश सिंह राठौड़ ने निगम की कार्यवाही का विरोध किया, जिससे निगम अधिकारियों और दुकानदार पक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। नगर निगम एक्सईएन (दक्षिण) आकांक्षा सोनी ने बताया कि सुभाष नगर और अशोक नगर क्षेत्र में बिना स्वीकृति के व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने की शिकायतें प्राप्त हो रही थी।

छत्तीसगढ़ के पत्रकारों व जनसंपर्क अधिकारियों का दल विधानसभा पहुंचा

जयपुर, (कासं)। छत्तीसगढ़ से आए पत्रकारों और जनसंपर्क अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपने शैक्षिणक एवं अध्ययन भ्रमण के अंतर्गत मंगलवार को जयपुर में राजस्थान विधानसभा का दौरा किया। इस अवसर पर पत्रकारों ने राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से भेंट कर लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका पर संक्षिप्त संवाद किया तथा उनके साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। पत्रकारों के दल ने विधानसभा परिसर स्थित म्यूजियम का अवलोकन कर राजस्थान राज्य के गठन, लोकतांत्रिक परंपराओं तथा विधानसभा के गौरवशाली इतिहास की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान पत्रकारों ने विधानसभा की दर्शक दीर्घा में बैठकर सदन को नजदीक से देखा और सदन के संचालन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी हासिल की। अधिकारियों द्वारा संसदीय कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रियाओं एवं सदस्यों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। भ्रमण के अंत में पत्रकारों ने इस अध्ययन यात्रा को ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि इससे संसदीय व्यवस्था की समझ और अधिक मजबूत हुई है, जो उनके पत्रकारिता कार्य में सहायक सिद्ध होगी। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ठ सहायक के के शर्मा, परामर्शदाता गोपेंद्र नाथ भट्ट, छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के संयुक्त निदेशक जितेंद्र नागेश, उप निदेशक राहुल सोन, सहायक निदेशक मनोज कुमार सिंह, सहायक निदेशक रमेश भार्गव तथा सहायक जनसंपर्क अधिकारी ओम प्रकाश डहरिया उपस्थित थे।

- राजस्थान के इतिहास और संसदीय परंपराओं से रूबरू हुए प्रतिनिधिमंडल के सदस्य

कांग्रेस का प्रदेशभर में प्रदर्शन आज

जयपुर । राजस्थान कांग्रेस द्वारा 17 दिसंबर को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन कर केन्द्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त करने का विरोध किया जायेगा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि मनरेगा को निरस्त करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा विधेयक पेश करना चिंताजनक व सुनियोजित कदम है। प्रदेश महासचिव व मीडिया चेयरपर्सन स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा एक सोची समझी साजिश के तहत् मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना को कमजोर किया जा रहा है, मनरेगा के तहत् मजदूरी के वित्त पोषण की जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की थी, जिससे यह एक वास्तविक राष्ट्रीय रोजगार गारंटी बनती थी। नया विधेयक को पेश कर केन्द्र सरकार इस जिम्मेदारी से पीछे हट रही है और बोझ राज्यों पर डाला जा रहा है। केन्द्र सरकार के इस कदम का विरोध करने का निर्णय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा लिया गया है।

यूडीए ने सिक्योरिटी एफडीआर में जालसाजी पकड़ी

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों एवं ठेकेदारों के पंजीकरण से जुड़ी प्रक्रियाओं में गंभीर वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ है कि कुछ संवेदक/ठेकेदार फर्मों ने निविदा प्रक्रिया के तहत सिक्योरिटी राशि के रूप में मूल एफडीआर के स्थान पर रंगीन फोटोकॉपी जमा कराई और बिना प्राधिकरण की लिखित अनुमति अथवा अनापत्ति प्रमाण पत्र के संबंधित बैंक से मूल एफडीआर को निर्धारित अवधि से पहले ही भुना लिया। प्रारंभिक पड़ताल में गंभीर अनियमितता सामने आने पर युडीए ने 5 फर्मों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया है। साथ ही 1.91 करोड़ की सिक्योरिटी एफडीआर जब्त कर ली हैं।

उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त राहुल जैन ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया न्यू फतेहपुरा शाखा, उदयपुर से कराए गए सत्यापन में यह तथ्य सामने आया कि मैसर्स अलीफ कंस्ट्रक्शन, मैसर्स फैज कंस्ट्रक्शन, मैसर्स हनफी कंस्ट्रक्शन, मैसर्स मीरा कंस्ट्रक्शन तथा मैसर्स उमैर कंस्ट्रक्शन द्वारा इस प्रकार की कुल 23 एफडीआर समयपूर्व भुना ली गईं। यह कृत्य प्राधिकरण को आर्थिक क्षति पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया पाया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए संबंधित फर्मों के विरुद्ध थाना अंबामाता, उदयपुर में धोखाधड़ी, जालसाजी एवं आपराधिक षड्यंत्र के आरोपों में मामला दर्ज कराया गया है। इसके साथ ही प्राधिकरण ने संबंधित संवेदकों के साथ किए गए सभी अनुबंध एवं कार्यादेश निरस्त कर दिए हैं तथा नियमानुसार विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त राहुल जैन ने बताया कि प्रकरण में जारी नोटिसों के बाद संवेदकों ने गबन छुपाने के इरादे से पूर्व में भुनाई गई समस्त एफडीआर राशि को पुन: बैंक में नई एफडीआर के रूप में जमा कराया गया, जिसे बैंक द्वारा प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किया गया। यूडीए ने कड़ा रुख अपनाते हुए इन नई एफडीआर की कुल राशि एक करोड़ 91 लाख 86 हजार 200 को जब्त कर लिया है। प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है तथा दोषी पाए जाने वाले संवेदकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- गंभीर अनियमितता सामने आने पर युडीए ने 5 फर्मो के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया 1.91 करोड़ की सिक्योरिटी एफडीआर जब्त की

गैंगस्टरों को फॉलो करने वालों पर कार्रवाई

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशानुसार गैंगस्टरों को फॉलो करने वाले फॉलोवरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अभियान चलाया गया। पुलिस उपाधीक्षक हर्षित शर्मा के सुपरविजन एवं सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा पुलिस थाना सरवाड़ के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर आठ जनों को उपखंड अधिकारी सुभाष चन्द्र हेमानी के समक्ष पेश किया गया। पुलिस ने सुरेश पुत्र हंसराज गुर्जर निवासी गणेशगंज सरवाड़ व इमरान पुत्र इब्राईम निवासी बड़ा मोहल्ला, शिव कुमार पुत्र शंकर योगी निवासी गणेशगंज, भंवर पुत्र नंन्दसिंह तितारिया निवासी केकड़ी एवम् जिलाल पुत्र सरदार देशवाली निवासी बड़ा मोहल्ला, लक्ष्मण पुत्र प्रहलाद कुम्हार निवासी सरवाड़, इकबाल पुत्र चांद मोहम्मद निवासी सांपला गेट व संजीत पुत्र गोपीलाल निवासी गणेशगंज सरवाड़ को गिरफ़्तार किया गया।

वासुदेव देवनानी ने नरोत्तमलाल जोशी को पुष्पांजलि दी

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय नरोत्तम लाल जोशी को श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने स्वर्गीय जोशी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका विधानसभा अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल 31 मार्च 1952 से 25 अप्रैल 1957 तक रहा। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने संसदीय मर्यादाओं, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की सुदृढ़ परंपरा स्थापित की। देवनानी ने कहा कि स्वर्गीय नरोत्तम लाल जोशी सरल व्यक्तित्व, कुशल नेतृत्व और संवैधानिक गरिमा के प्रतीक थे। उनका योगदान राजस्थान की संसदीय परंपरा को दिशा देने वाला रहा है और वे सदैव स्मरणीय रहेंगे। इस अवसर पर स्व. जोशी के परिवारजन सहित विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा और विधानसभा के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा में स्टूडेंट्स ने फर्जी नर्सिंग कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोला

भीलवाड़ा, (निसं)। बिना मान्यता वाले फर्जी नर्सिंग कॉलेजों का एक और फर्जीवाड़ा सामने आया है। ये फर्जीवाड़ा है स्टूडेंट्स से अवैध वसूली का। श्री बालाजी, रूही और कृष्णा नर्सिंग कॉलेजों से फीस के अतिरिक्त भी अवैध वसूली की जाती रही है, जिसकी पुष्टि खुद स्टूडेंट्स ने की है। खुलासे के बाद अब स्टूडेंट्स ने फर्जी नर्सिंग कॉलेज के प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसको लेकर मंगलवार को कलैक्टर को ज्ञापन दिया।

जानकारी के अनुसार इन स्टूडेंट्स ने कॉलेज की पूरी हकीकत सामने लाकर रख दी है। स्टूडेंट्स ने बताया कि हमें 95 हजार की रसीद दी जाती है, जबकि हमसे एक लाख 60 हजार रुपए तक वसूले गए हैं। इनमें बस ट्रांसपोर्टेशन जो कि इस्तेमाल नहीं करने पर भी देना जरूरी है। इसी तरह काउंसलिंग 5 हजार रुपए, ड्रेस के नाम पर 8 हजार रुपए वसूले गए। रसीद के लिए कई बार कहा गया लेकिन इन्हें रसीद नहीं दी गई। इन कॉलेजों में एडमिशन लेने के दौरान बताया ही नहीं कि कॉलेज के पास मान्यता है या नहीं। अब बार-बार तारीख देकर बहकाया जा रहा है। कुछ स्टूडेंट्स के एग्जाम हो गए तो कुछ के एग्जाम ही नहीं हो पाए। कुछ के एग्जाम हो गए तो कुछ रिजल्ट ही जारी नहीं हो रहा है।

फैकल्टी के पास नहीं जरूरी क्वालिफिकेशन :-इन कॉलेजों में कई फैकल्टी के पास जरूरी एजूकेशनल क्वालिफिकेशन और अनुभव नहीं है। बीएससी नर्सिंग की फैकल्टी को एमएससी नर्सिंग होना जरूरी है, लेकिन यहां के कॉलेज वाले वहां से पासआउट पुराने स्टूडेंट्स को ही फैकल्टी के तौर पर नियुक्त कर रहे हैं, ताकि उन्हें पैसा नहीं देना पड़े। स्टूडेंट्स आवाज उठाते हैं तो उन्हें चुप करा दिया जाता है। लैब क्या होती है इन्हें पता ही नहीं। एक साल में एक बार भी लैब में लेकर नहीं गए। स्टूडेंट्स ने बताया कि श्री बालाजी नर्सिंग कॉलेज में लैब में कुछ सामान पड़ा है, लेकिन क्या है वो कभी दिखाया भी नहीं।

श्री बालाजी नर्सिंग कॉलेज के स्टूडेंट्स ने बताया कि हमें बोला गया कि दो महीने के लिए कॉलेज बंद है। मान्यता को लेकर मामला अटक रहा है। जैसे ही मामला सुलझ जाएगा आपको सूचना देकर कॉलेज बुला लेंगे। उससे पहले आप घर पर रहे। चिंता की बात यह है कि ये स्टूडेंट्स वो है जिन्होंने सवा-सवा लाख रुपए फीस दे रखी है।

सीएमएचओ डॉ. रामकेश गुर्जर ने कहा कि इन नर्सिंग कॉलेजों की शुरुआती दौर में जरूर बेड और अन्य चीजों का निरीक्षण करते हैं बाद में हमारे पास पावर नहीं है कि हम इनका निरीक्षण करें। इनकी निगरानी और निरीक्षण दोनों ही कार्य जयपुर स्तर से किया जाता है। हालांकि नर्सिंग कॉलेजों की अनियमितताएं सामने आने के बाद फेक्चुअल रिपोर्ट बनाकर सरकार को भेजेंगे।

फर्जी नर्सिंग कॉलेज के प्रबंधन के खिलाफ स्टूडेंट्स जिला कलैक्टर को ज्ञापन देने पहुंचे।

- स्टूडेंट्स ने बताया कि हमें 95 हजार की रसीद दी जाती है, जबकि हमसे एक लाख 60 हजार रुपए तक वसूले गए हैं
- इन नर्सिंग कॉलेजों की शुरुआती दौर में जरूर बेड और अन्य चीजों का निरीक्षण करते हैं बाद में हमारे पास पावर नहीं है कि हम इनका निरीक्षण करें : सीएमएचओ

चूरू-सादुलपुर रेल खंड पर दोहरीकरण कार्य के कारण कई ट्रेनें प्रभावित

जोधपुर, (कासं)। बीकानेर मंडल के चूरू-सादुलपुर रेल खंड पर चूरू-असलु-दूधवाखारा स्टेशनों के मध्य चल रहे रेल दोहरीकरण कार्य के कारण जनवरी माह में जोधपुर से संचालित होने वाली कई रेल सेवाओं का संचालन प्रभावित रहेगा।

जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि रेल यातायात को और अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से उक्त खंड पर ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। ट्रैफिक ब्लॉक की अवधि में विभिन्न रेलगाड़ियां पूर्णत: रद्द, आंशिक रूप से रद्द तथा कुछ रेल सेवाएं रेगुलेट रहेंगी। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 14891 जोधपुर-हिसार एक्सप्रेस 20 से 24 जनवरी तक (पांच ट्रिप) पूर्णत: रद्द रहेगी। वहीं 3 से 19 जनवरी तक (17 ट्रिप) यह गाड़ी जोधपुर से चूरू स्टेशन के मध्य संचालित होगी, अर्थात चूरू-हिसार खंड में आंशिक रूप से रद्द रहेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 14892, हिसार-जोधपुर एक्सप्रेस 21 से 25 जनवरी तक (5 ट्रिप) पूर्णत: रद्द रहेगी तथा 4 से 20 जनवरी तक (17 ट्रिप) यह गाड़ी हिसार के स्थान पर चूरू स्टेशन से प्रस्थान करेगी, अर्थात हिसार-चूरू खंड में आंशिक रूप से रद्द रहेगी। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 14823, जोधपुर-रेवाड़ी एक्सप्रेस 18 से 24 जनवरी तक (7 ट्रिप) पूर्णत: रद्द रहेगी।

इसके अतिरिक्त 4 से 17 जनवरी तक (14 ट्रिप) यह गाड़ी जोधपुर से लोहारू स्टेशन के मध्य संचालित होगी, अर्थात लोहारू-रेवाड़ी खंड में आंशिक रूप से रद्द रहेगी। इस अवधि में यह गाड़ी जोधपुर से अपने निधारित समय से लगभग डेढ़ घंटे विलंब से प्रस्थान करेगी। उपरोक्त कार्य के कारण गाड़ी संख्या 19271, भावनगर टर्मिनस-हरिद्वार द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस 19 एवं 22 जनवरी को तथा गाड़ी संख्या 19272, हरिद्वार-भावनगर द्वि साप्ताहिक एक्सप्रेस 21 एवं 24 जनवरी को रद्द रहेगी।

- ट्रैफिक ब्लॉक के चलते रेलगाड़ियां रद्द, आंशिक रद्द एवं विलंबित रहेंगी

दौसा में बंदरों से कई कॉलोनी के लोग परेशान

दौसा, (निसं)। जिला एवं नगर परिषद प्रशासन की अनदेखी के चलते दौसा शहर की जे.के. कॉलोनी, आदिनाथ नगर, जनकपुरी कॉलोनी, चौधरी कॉलोनी सहित तकरीबन दो दर्जन से अधिक आवासीय कॉलोनियों में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय निवासियों द्वारा बार-बार बंदरों के आतंक से मुक्ति दिलाई जाने की मांग के बावजूद नगर परिषद के आला अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। इधर बंदरों ने तकरीबन दो दर्जन से अधिक नौनिहालों को घायल कर दिया है। लोगों के अनुसार, लगभग पंद्रह दिन पूर्व नगर परिषद आयुक्त से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उन्हें समस्या से अवगत कराया गया था। उस दौरान आयुक्त द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि टीम गठित कर शीघ्र ही कार्रवाई की जाएगी, लेकिन आश्वासन के बावजूद अब तक बंदरों को पकड़ा नहीं गया है और स्थिति जस की तस बनी हुई है। कॉलोनीवासियों में इस बात को लेकर गहरा रोष और भय है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

- बंदरों ने दो दर्जन से अधिक बच्चों घायल किया

बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन वर्ल्ड टूर फाइनल्स 2025 में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि होंगे सात्विक।

- चिराग शेट्टी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, द वर्ल्ड टूर फाइनल्स को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

एरिना सबालेंका

महिला टेनिस संघ ने दुनिया की शीर्ष महिला टेनिस स्टार एरिना सबालेंका को लगातार दूसरी बार साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना है। इन पुरस्कारों के विजेताओं को अंतरराष्ट्रीय मीडिया मतदान से चुना जाता है। बेलारूस की यह खिलाड़ी पिछले 15 सालों में यह सम्मान एक से ज़्यादा बार जीतने वाली सिर्फ़ तीसरी खिलाड़ी बन गयी हैं। डब्ल्यूटीए टूर पर शानदार सीज़न के बाद उन्हें मीडिया के लगभग 80 प्रतिशत वोट मिले। इस साल उन्होंने सबसे ज़्यादा फाइनल मुकाबलों (नौ) में जगह बनाई, सबसे ज़्यादा खिताब (चार) जीते और सबसे ज़्यादा जीत (63) हासिल कीं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक जीत के मामले में दक्षिण अफ्रीका अब पहले स्थान पर पहुंच गई है।

राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलना घर जैसा महसूस होगा : बिश्नोई

जयपुर, 16 दिसम्बर। आईपीएल 2026 ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने एक शानदार होमकमिंग पूरी करते हुए भारतीय लेग-स्पिनर और राजस्थान के मूल निवासी रवि बिश्नोई को 7.2 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। जोधपुर से ताल्लुक रखने वाले बिश्नोई रॉयल्स के गेंदबाजी आक्रमण में साबित हो चुकी गुणवत्ता और नई ऊर्जा जोड़ते हैं। राजस्थान रॉयल्स से जुड़ने पर रवि बिश्नोई ने कहा, राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलना घर पर खेलने जैसा महसूस होगा। मैंने अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत यहीं में की थी, और अब अपने राज्य के नाम वाली टीम का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आरआर के लीड ओनर मनोज बदाले ने कहा, रवि एक खास प्रतिभा हैं और हमारे फैंस लंबे समय से उन्हें रॉयल्स के रंग में देखने के इच्छुक थे।

केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 16 दिसंबर। जयपुर कप सीजन- 1 में केबी रॉयल्सक्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 37.4 ओवर में 231 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। राहुल सैनी ने 77 और राज ने 62 रनों का योगदान दिया। भदोरिया क्रिकेट अकादमी की ओर से लोकेंद्र चौधरी ने 5 और आदित्य चौधरी ने 3 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भदोरिया क्रिकेट अकादमी 28 ओवर में 152 रन पर ऑल आउट हो गई। मोहम्मद अनस ने सर्वाधिक 58 रनों का योगदान दिया। केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी की ओर से कुतुबुद्दीन और राहुल सैनी ने तीन-तीन विकेट लिए।मैन ऑफ द मैच राहुल सैनी को चुना गया।

मेडल विनर ग्रांट पोर्टल का शुभारंभ खेल परिषद की अधिकारिक वेबसाइट www.rssc.in पर उपलब्ध

जयपुर, 16 दिसम्बर। खिलाड़ियों को अपने अनुदान के संबंध में सारी जानकारी राजस्थान राज्य कीड़ा परिषद द्वारा मेडल विनर ग्रांट पोर्टल से संभव होगा। इसका शुभारंभ कर दिया गया है। इस पोर्टल का अपडेटेड संस्करण वेबसाइट पर उपलब्ध है, जिसमें प्रक्रिया को अधिक सरल एवं उपयोगकर्ता अनुकूल बनाने के लिए आवश्यक सुधार किए गए हैं। युवा मामले एवं खेल विभाग की संयुक्त सचिव और राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की सचिव नीतू बारूपाल ने बताया कि खिलाडियों की सुविधा के लिए परिषद ने एक पोर्टल का शुभारंभ किया है। यह पोर्टल परिषद की आधिकारिक वेबसाइट. www.rssc.in.पर उपलब्ध है और यह अब पूर्णत संचालित है। उन्होने बताया कि पोर्टल पर पूर्व में आवेदन कर चुके समस्त खिलाडियों को शीघ्र अनुदान राशि प्रदान किये जाने के लिए शपथ पत्र ऑनलाइन मांगे गये है। नवीन पंजीकरण करने वाले खिलाडियों से ऑनलाईन अनुदान आवेदन मांगे गए है। अब इस पोर्टल पर खिलाडी अपने आवेदनों की स्थिति ऑनलाईन देख सकेंगें।

एशियन यूथ पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में भारत को कांस्य

जयपुर, 16 दिसम्बर। 7 से 14 दिसंबर 2025 तक दुबई (यूएई) में आयोजित एशियन यूथ पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारतीय दल के लिए गर्व का क्षण आया। राजस्थान के मनीष कुमार बढ़गोली ने 1500 मीटर स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में एशिया के लगभग 40 देशों के पैरा एथलीटों ने भाग लिया था। मनीष कुमार बढ़गोती की यह जीत सिर्फ एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प की मिसाल है। उनकी इस सफलता के पीछे उनके पिता, कोच और परिवार का अथक समर्थन और प्रयास रहा।

आईपीएल : सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बने कार्तिक-प्रशांत, ग्रीन 25.2 करोड़ में केकेआर के हुए

अबू धाबी, 16 दिसंबर। उत्तर प्रदेश के ऑलराउंडर प्रशांत वीर और राजस्थान के विस्फोटक बल्लेबाज कार्तिक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गये हैं, जबकि ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन लीग के इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं।

यहां एतिहाद एरिना में मंगलवार को हुए आईपीएल मिनी-ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर वीर को 14.2 करोड़ रुपए में अपने नाम किया। कुछ देर बाद कार्तिक के लिये भी सीएसके और हैदराबाद के बीच खींचतान हुई, लेकिन आखिरकार चेन्नई की फ्रेंचाइज़ी ने इस विस्फोटक बल्लेबाज को 14.2 करोड़ में खरीद लिया। ये दोनों ही खिलाड़ी लीग के इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड आवेश खान के पास था जिन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2022 में 10 करोड़ में खरीदा था।

मिनी-ऑक्शन में जम्मू-कश्मीर के आक़िब नबी भी उन युवा प्रतिभाओं में से एक रहे जिन्हें मोटी रक़म मिली। दिल्ली कैपिटल्स ने 8.4 करोड़ रुपए देकर इस तेज़ गेंदबाज़ को अपनी फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनाया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मंगेश यादव को 5.2 करोड़ में फ्रेंचाइज़ी में शामिल कर लिया। रवि बिश्नोई 7.2 करोड़ में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर इस मिनी-ऑक्शन के सबसे महंगे कैप्ड भारतीय खिलाड़ी रहे, जबकि मध्य प्रदेश के बाएं हाथ के ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर सात करोड़ में आरसीबी का हिस्सा बन गये। पिछले साल केकेआर ने उन्हें 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा था, लेकिन उनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा।

इस बीच, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25.20 करोड़ की बोली लगाकर ग्रीन को अपनी टीम में शामिल किया। अब तक मिचेल स्टार्क लीग के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी थे। उन्हें भी केकेआर ने 2024 में 24.75 करोड़ में खरीदा था।

इस बार के मिनी ऑक्शन में ग्रीन पहले सेट में शामिल थे। नीलामी के लिये उनका नाम आते ही मुंबई इंडियन्स ने दो करोड़ की बोली लगायी, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने फौरन ही 2.20 करोड़ की बोली लगायी। केकेआर और राजस्थान के बीच थोड़ी देर जंग चली, लेकिन राजस्थान ने सिर्फ 16.05 करोड़ होने के कारण 13.80 करोड़ पर अपने हाथ वापस खींच लिये। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) नीलामी में उतरी। सीएसके ने 25 करोड़ तक केकेआर का मुकाबला किया, लेकिन अंतत: कोलकाता की फ्रेंचाइज़ी ने 25.20 करोड़ में ग्रीन को अपनी टीम का हिस्सा बना लिया।

उल्लेखनीय है कि भारी-भरकम बोली के बावजूद ग्रीन को यह सीज़न खेलने के सिर्फ 18 करोड़ रुपए ही मिलेंगे। इसकी वजह है कि आईपीएल प्रबंधन ने 2025 मेगा-ऑक्शन से पहले अधिकतम फ़ीस सीमा लागू की थी, जिसके तहत अगर कोई फ्रेंचाइज़ी 18 करोड़ से ज्यादा में किसी विदेशी खिलाड़ी को खरीदती है, तो बकाया रकम बीसीसीआई के खिलाड़ी कल्याण कार्यक्रम की ओर जायेगी। मथीशा पथिराना 18 करोड़ में केकेआर के पास गये और इस मिनी-ऑक्शन के दूसरे सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी रहे, लेकिन कई विदेशी खिलाड़ी बहुत कम रकम में भी बिके। दिल्ली कैपिटल्स ने डेविड मिलर और बेन डकेट को महज़ दो-दो करोड़ में ख़रीद लिया।

केकेआर ने दो करोड़ में फिन ऐलन को फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाया। इसी तरह मुंबई इंडियन्स ने सिर्फ एक करोड़ में क्विंटन डीकॉक का फ्रेंचाइजी में पुन: स्वागत किया। वेस्ट इंडीज़ के ऑलराउंडर अकील हुसैन दो करोड़ में सीएसके का हिस्सा बने। एलएसजी ने दो करोड़ में आनरिक नॉर्खिया को खरीद लिया। अबु धाबी में मिनी ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स ने राजस्थान के राहुल चाहर को 5.20 करोड़ रुपए में खरीदा। राहुल पहले अनसोल्ड रहे थे। चेन्नई सुपर किंग्स ने राजस्थान के राहुल चाहर को 5.20 करोड़ रुपए में खरीदा है। राहुल आज ऑक्शन के पहले सेट में अनसोल्ड रहे थे।

कुंडू का दोहरा शतक, भारत की मलेशिया पर 315 रन की ऐतिहासिक जीत

दुबई, 16 दिसंबर। अभिज्ञान कुंडू के दोहरे शतक (209) और दीपेश देवेंद्रन (22/5) के पांच विकेटों की बदौलत मंगलवार को यहां अंडर-19 एशिया कप 2025 के मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 315 रन से मात दी। भारतीय युवाओं ने मलेशिया के सामने 50 ओवर में 409 रन का लक्ष्य रखा। इसके जवाब में मलेशियाई टीम 32.1 ओवर में 93 रन पर ऑलआउट हो गयी। मलेशिया की ओर से हमज़ा पंगी ने सर्वाधिक 35 रन बनाये।

मलेशिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी करते हुए कप्तान और सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को 14 रन पर पवेलियन लौटा दिया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाज़ी करने उतरे विहान मल्होत्रा भी कोई खास कमाल नहीं दिखा पाये और सात रन बनाकर पवेलियन लौट गये, लेकिन वैभव सूर्यवंशी ने वेदांत त्रिवेदी के साथ मिलकर पारी को संभाल लिया। त्रिवेदी ने पहले सूर्यवंशी के साथ मिलकर 40 रन जोड़े। इसके बाद उन्हें कुंडू का साथ मिला और दोनों ने चौथे विकेट के लिये 181 गेंदों पर 209 रन जोड़कर मलेशियाई गेंदबाज़ी की कमर तोड़ दी। त्रिवेदी 106 गेंदों पर सात चौकों के साथ 90 रन बनाकर अपने शतक से चूक गये, जबकि कुंडू ने 80 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। मैच के अंतिम ओवरों में कुंडू ने आक्रामक बल्लेबाजी कर न सिर्फ भारत को 400 रन के पार पहुंचाया, बल्कि यूथ एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय भी बन गये।

इस 17 वर्षीय खब्बू बल्लेबाज ने 125 गेंद पर 17 चौकों और नौ छक्कों के साथ 209 रन बनाये। इससे पहले यूथ वनडे में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय वैभव सूर्यवंशी थे, जिन्होंने इसी टूर्नामेंट में यूएई के खिलाफ पिछले मैच में 171 रन बनाये थे।

कुंडू ने 44 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और सिर्फ 80 गेंदों में शतक जड़ डाला। वह 46वें ओवर में 150 रन तक पहुंचे और फिर रफ्तार पकड़कर 49वें ओवर में 121 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया। उन्होंने कनिष्क चौहान के साथ 36 गेंदों में 87 रनों की तूफानी साझेदारी करके भारत को 50 ओवर में सात विकेट पर 408 रन बनाने में मदद की।

कुंडू का स्कोर अंडर-19 क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के जोरिक वैन शाल्कविक के 215 रनों के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। यह अंडर-19 एशिया कप में किसी भी खिलाड़ी का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मलेशियाई टीम ने भारतीय गेंदबाजी के सामन घुटने टेक दिये। देवेंद्रन ने सात ओवर में 22 रन देकर पांच विकेट लिये, जबकि उधव मोहन ने 24 रन देकर दो विकेट चटकाये। किशन कुमार सिंह, खिलन पटेल और चौहान ने एक-एक विकेट चटकाया।

मलेशिया के आठ बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाये। पंगी ने 52 गेंद पर चार चौकों के साथ 35 रन बनाये लेकिन यह कोशिश भारत के विशालकाय स्कोर के सामने नाकाफी थी। रनों के मामले में भारतीय अंडर-19 टीम की वनडे क्रिकेट की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले भारत ने 2004 में स्कॉटलैंड को 270 रन से हराया था। हाल ही में यूएई पर भारत की 234 रन की जीत इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर आती है।

राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में छठे ब्रिटिश पोलो डे 2025 का आयोजन

टीम जयपुर ने 6 गोल से जीता छठा ब्रिटिश पोलो डे मैच

जयपुर, 16 दिसंबर। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में मंगलवार, 16 दिसंबर को छठे ब्रिटिश पोलो डे 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर दो मुकाबले आयोजित किए गए। पहला मैच टीम बीपीडी (ब्रिटिश पोलो डे) और जयपुर के बीच खेला गया और दूसरा मुकाबला बीपीडी और जयपुर के बीच हुआ। टीम बीपीडी और जयपुर के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में टीम जयपुर 6-4 के स्कोर से विजेता रही। विजेता टीम जयपुर से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 3 गोल किए। वहीं, विक्रमादित्य सिंह बरकाना ने 2 गोल और सिद्धांत शर्मा ने 1 गोल किया। टीम से कर्नल वीएस कहलों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दूसरी टीम बीपीडी की ओर से निक क्लार्क ने 3 गोल और मैल्कॉम बोरविक ने 1 गोल किया। टीम से फिलिप मुलर और जोस डोनोसो भी खेले। इससे पूर्व, टीम बीपीडी (ब्रिटिश पोलो डे) और जयपुर के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। मैच दोनों टीम के बीच 4-4 स्कोर के साथ ड्रॉ पर समाप्त हुआ। टीम जयपुर से कुलदीप सिंह राठौड़ ने 2 गोल, प्रताप सिंह कानोता और मृत्युंजय सिंह चौहान ने 1-1 गोल हासिल किया। टीम से राव हिम्मत सिंह बेदला भी खेले। इसी प्रकार, टीम बीपीडी से लियोन डोनोसो ने 4 गोल किए। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में जॉर्जिना ब्रिटैन, ऑर्सन क्लार्क और जॉनी गुड भी शामिल थे। गौरतलब है कि कोविड के कारण वर्ष 2019 के बाद इस वर्ष ब्रिटिश पोलो डे का पुन: आयोजन किया गया।

पाकिस्तान भी अंडर-19 एशिया कप सेमीफाइनल में

दुबई, 16 दिसंबर। पाकिस्तान ने मंगलवार को अंडर-19 एशिया कप में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 70 रन से हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई को 242 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में यूएई की टीम 37.5 ओवर में 171 रन पर ढेर हो गयी। यूएई के लिये इयान मिस्बाह की 77 रन की पारी बेकार गई। पृथ्वी मधु 27 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कप्तान किरण रॉय ने 13 रन देकर अब्दुल सुबहान का विकेट लिया। यूएई के सात खिलाड़ी 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सके। पाकिस्तान के लिए अब्दुल सुबहान ने 7.5 ओवर में 31 रन देकर चार खिलाड़ियों को आउट किया।

स्मृति मंधाना का जलवा बरकरार, आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में फिर शीर्ष पर, द. अफ्रीकी खिलाड़ी को पछाड़ा

नई दिल्ली 16 दिसंबर। मंगलवार को भारतीय स्मृति मंधाना ने आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वाड्ट को पीछे छोड़ते हुए विश्व की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बन गईं। दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड की स्टार खिलाड़ियों ने आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में अपनी स्थिति मजबूत की। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार, ईस्ट लंदन में खेले गए पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात विकेट से जीत दर्ज की। सुने लुस और मियाने स्मित ने अर्धशतक लगाकर टीम को 210 रनों के लक्ष्य को 37 ओवरों के भीतर ही हासिल करने में अहम भूमिका निभाई।

सुने लुस के इस प्रदर्शन के चलते वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांच पायदान ऊपर चढ़कर वह संयुक्त रूप से 31वें स्थान पर पहुंच गईं। वहीं, मंधाना ने वोल्वाड्ट को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त कर लिया, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका की कप्तान ने मैच में केवल 31 रन बनाए थे। इस सप्ताह मंधाना की 811 अंकों की रेटिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ, जबकि आयरलैंड पर दक्षिण अफ्रीका की जीत के बाद वोल्वाअड्र्ट की रेटिंग 814 से गिरकर 806 हो गई।

लुस ने वनडे ऑलराउंडरों की सूची में 10 स्थान ऊपर चढ़कर 33वां स्थान हासिल किया। आयरलैंड की ओर्ला प्रेन्डरगास्ट (एक स्थान ऊपर चढ़कर 10वें स्थान पर) और लौरा डेलानी (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 16वें स्थान पर) मेहमान टीम के लिए सबसे ज्यादा लाभ पाने वाली खिलाड़ी रहीं। प्रेन्डरगास्ट ने मैच में 1/34 के अपने शानदार प्रदर्शन के बाद वनडे गेंदबाजों की सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर 34वां स्थान हासिल किया। उनकी साथी खिलाड़ी अर्लीन केली (एक स्थान ऊपर चढ़कर 32वें स्थान पर), कारा मरे (चार स्थान ऊपर चढ़कर 49वें स्थान पर) और लौरा डेलानी (चार स्थान ऊपर चढ़कर 67वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में सुधार किया।

एडिलेड टेस्ट : कमिंस, लायन की हुई टीम में वापसी

एडीलेड, 16 दिसंबर। एडिलेड ओवल में इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले तीसरे एशेज़ टेस्ट में कप्तान पैट कमिंस और अनुभवी ऑफ-स्पिनर नेथन लायन की वापसी हो गयी है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को पिंक बॉल टेस्ट के लिये टीम का ऐलान करते हुए यह जानकारी दी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि कमिंस और लायन ने ऑलराउंडर माइकल नेसर और तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट की जगह ली है, जबकि 39 वर्षीय सलामी बल्लेबाज उस्मान ख़्वाजा पीठ की चोट के कारण अब भी टीम से बाहर हैं। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज में 2-0 से आगे है। जोश इंग्लिस एकादश में बरकरार हैं और नंबर सात पर बल्लेबाजी करते रहेंगे।

इस बीच, कप्तान कमिंस ने ख्वाजा की निराशा को समझते हुए सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की मजबूत स्थिति के बावजूद टीम से बाहर होने के बाद उनके रवैये की तारीफ की। कमिंस ने कहा, ''वह एक सच्चे टीम मैन हैं। टीम को जो भी चाहिए, वह करेंगे। और यह सिर्फ उजी (उस्मान) ही नहीं, बल्कि बो वेबस्टर भी हैं जो इन तीन टेस्ट मैचों में टीम से बाहर रहे हैं। नेसर ने पांच विकेट लिए हैं, और डॉगेट ने पहले दो टेस्ट खेले हैं और बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हमें एशेज सीरीज जीतने के लिए एक स्क्वाड की जरूरत है, और वे सभी शानदार प्रदर्शन करते हैं।''

इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की सीरीज के बाद कमिंस पहली बार टेस्ट में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पुष्टि की है कि वह पूरी तरह से फिट हैं और वर्कलोड के मामले में उन पर कोई पाबंदी नहीं होगी। कमिंस ने कहा, ''हां, मैं खेलने के लिए तैयार हूं।

68वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप 2025

महिला खिलाड़ियों ने बाजी मारते हुये कुल 8 पदक प्राप्त कर राजस्थान का मान बढ़ाया

जयपुर, 16 दिसम्बर। नई दिल्ली में डॉ. श्री करणी सिंह शूटिंग रेंज पर आयोजित 68 वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशीप 2025 में 25 मीटर स्टेण्डड पिस्टल में राजस्थान की महिला खिलाडी पूर्वी प्रताप ने व्यक्तिगत सिल्वर मेडल व साथ ही जुनियर की नेशनल टीम में शिखा चौधरी, पूर्वी प्रताप कच्छावा व जयश्री सिंह कृष्णिया की जोडी ने ब्रांज मेडल व साथ ही सिविलियन की टीम ने उक्त खिलाडियो ने सिल्वर मेडल जीता। 25 मीटर स्पोर्टस पिस्टल वूमेन ईवेंट में लवण्या कंवर ने व्यक्तिगत दो सिल्वर मेडल, अनुया प्रसाद ने व्यक्तिगत ब्रांज मेडल तथा पुष्पा मेघवाल ने सुपरमास्टर महिला व्यक्तिगत ईवेंट में गोल्ड मेडल एव सिल्वर मेडल प्राप्त कर राजस्थान का गौरव एंव मान बढाया। राष्ट्रीय सब जूनियर केटेगरी में 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में जयपुर की बेटी मारियम खान ने 600 अंको में से 542 अंक हासिल कर सब जूनियर 10 मीटर शूटिंग रेंज का ख़िताब अपने नाम कर जयपुर का गौरव बढ़ाया मरियम ने ये गौरान्वित करने वाली उपलब्धि कोच मोहित सर एंव राकेश चौधरी जी के निर्देशन में हांसिल की मारियम अपनी उपलब्धि का श्रेय कोच एंव माता. सामिया खान एंव पिता मोहम्मद हामिद खान को देती हे जिनके आशीर्वाद से उसने परिवार और जयपुर का नाम रोशन किया। राजस्थान राईफल एसोसिएशन जयपुर सभी महिला खिलाडियो को शुभकामनाएं एंव बधाई देती है। आशा करती है कि भविष्य में भी बेहत्तर प्रदर्शन कर राजस्थान राज्य का नाम रोशन करती रहेगी।

अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी, जम्मू के विरुद्ध हनी प्रताप सिंह की गेंदबाजी से राजस्थान मजबूत

जयपुर, 16 दिसंबर। बीसीसीआई अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी के आज से जयपुर में शुरू हुए राजस्थान - जम्मू कश्मीर मैच के पहले दिन का खेल ख़तम होने तक राजस्थान ने हनी प्रताप सिंह की गेंदबाजी से राजस्थान मजबूत।राजस्थान पहली पारी 207 आल आउट।टीम के दीपेश 49, करण 47, नावेद 38 व रजत 23 रन।जम्मू के गेंदबाज ध्रुव शर्मा 32 / 3, उस्मान 31 / 2 विकेट। जम्मू पहली पारी 50 / 8

राजस्थान के गेंदबाज हनी प्रताप सिंह 12 / 6 व प्रखर शर्मा, केतन 1 - 1 विकेट। मध्य क्षेत्र अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 14 एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के मैचों का परिणाम :-पहला मैच जोधपुर - बूंदी (जोधपुर जीती), जोधपुर पारी 280/7, टीम के लिए तनवीर चौहान 111, वियोम सांखला 63 रन।बूंदी के गेंदबाज मो मोईन 53 / 4 विकेट। बूंदी पारी 104 आल आउट। टीम के लिए वश वर्मा 48, जोधपुर के गेंदबाज कुलदीप विश्नोई 16/5, तनिष्क 22/3 विकेट। दूसरा मैच बांसवाड़ा - जालोर (जालोर जीती), बांसवाड़ा पारी 118 आल आउट।टीम के लिए गीतांश 25, विहान 25 व रुद्रा 22 रन।जालोर के गेंदबाज प्रयांशु 29/5, सौरव 10/2 विकेट। जलोर पारी 119/9, टीम के लिए नितेश 18 रन। बांसवाड़ा के गेंदबाज विहान जैन 24/3, आदित्यराज, रिषील 2-2 विकेट।

बालक वर्ग में जयपुर ने स्वर्ण, फलोदी ने रजत तथा श्रीगंगानगर ने कांस्य जीता

5वीं राजस्थान सॉफ्ट हॉकी राज्य चैम्पियनशिप 2025

जयपुर, 16 दिसम्बर। दिलधानी, मकराना जिला डीडवाना-कुचामन (राजस्थान) 5वीं राजस्थान सॉफ्ट हॉकी राज्य चैंपियनशिप 2025 का समापन समारोह आज दिलधानी एजुकेशन ग्रुप, मकराना के खेल मैदान में गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. आशुतोष पंत, अध्यक्ष, एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री गजेंद्र सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष, एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पुष्पा राठौड़, निदेशक, दिलधानी एजुकेशन ग्रुप, मकराना तथा दिलीप सिंह राठौड़, चेयरमैन, दिलधानी एजुकेशन ग्रुप, मकराना उपस्थित रहे। इस अवसर पर एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव रमेश सिंह, टेक्निकल चेयरमैन हर्षित यादव, भारतीय सॉफ्ट हॉकी टीम के कोच हरजिंदर सिंह बरार, भारतीय टीम के मैनेजर इंद्रजीत सिंह शेखावत एवं मैच संचालनकर्ता बाबूलाल बिश्नोई भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों की टीमों ने सीनियर, जूनियर एवं सब-जूनियर वर्गों में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें सीनियर पुरुष वर्ग में जयपुर ने स्वर्ण, फलोदी ने रजत और श्रीगंगानगर ने कांस्य पदक प्राप्त किया, जबकि सीनियर महिला वर्ग में भीलवाड़ा ने स्वर्ण एवं जयपुर ने रजत पदक हासिल किया। इसी प्रकार जूनियर बालक वर्ग में जयपुर ने स्वर्ण, फलोदी ने रजत तथा श्रीगंगानगर ने कांस्य पदक जीता, जूनियर बालिका वर्ग में नागौर ने स्वर्ण एवं बाड़मेर ने रजत पदक प्राप्त किया, वहीं सब-जूनियर बालक वर्ग में फलोदी ने स्वर्ण और जयपुर ने रजत पदक पर कब्जा किया।

राजस्थान सीनियर फुटबॉल टीम घोषित, मुकेश करेंगे टीम का प्रतिनिधित्व

जयपुर, 16 दिसम्बर। कल से राष्ट्रीय स्तरीय फुटबॉल चैंपियनशिप (संतोष ट्रॉफी) के लिए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने राजस्थान फुटबॉल टीम की घोषणा की,राजस्थान टीम का चयन शिविर 2 चरणों मे लगाया गया प्रथम चरण का कैंप हनुमानगढ़ मे 20 दिवसीय लगाया गया उसके पश्चात 30 सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों का चयन करके जयपुर मे द्वितीय चरण के शिविर का आयोजन किया गया! शिविर के पश्चात राजस्थान टीम की घोषणा की गई। राजस्थान के जयपुर में संतोष ट्रॉफी के ग्रुप आई के मैच जयपुर स्थित विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित होने जा रही है। बुधवार, दि.17/12/2025 को दोपहर 2:30 बजे राजस्थान टीम पहला लीग मैच दमन एंड दीव के साथ खेलेगी। आज जयपुर में राजस्थान टीम के कीट का विमोचन किया गया। किट विमोचन मे सचिव दिलीप सिंह शेखावत, महिला विंग चेयरमैन रोशनी टाक और धौलपुर सचिव गुरमीत मान रहे। राजस्थान टीम के कोच नरेंद्र सिंह राठौड़ और लवकेश को नियुक्त किया गया है। वही मैनेजर के रूप मे सुनील राव को नियुक्त किया गया है। फिजियो के रूप अविनाश को नियुक्त किया गया है। **राजस्थान टीम इस प्रकार है:** मुकेश(कप्तान), मिलन पुनिया, (उपकप्तान) अल्ताफ ,अमन त्यागी, मोहित, हिम्मत सिंह, विशाल, सुविन, संतोष, अमित, रियाज, आदित्य, नीरज, दुष्यंत, यशवर्धन राजपुरोहित,चेतन, बप्पी, तनुस, अंगद, दुष्यन्त गुर्जर।

गरीब को गणेश मान सेवक के रूप में काम कर रही है राज्य सरकार- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने लूणकरणसर में बीकानेर जिले के 719 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया

बीकानेर/जयपुर, 16 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार गरीब को गणेश मानकर सेवक के रूप में कार्य कर रही है। हमारा नैतिक दायित्व है कि हम सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखें। शर्मा मंगलवार को बीकानेर के लूणकरणसर में ग्रामीण समस्या समाधान शिविर एवं बीकानेर जिले के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीकानेर की जिला विकास पुस्तिका, ग्रामीण सेवा शिखर की सफलता की बहाली तथा ''शहरी सेवा शिविर-2025'' पुस्तिका का विमोचन किया। उन्होंने समस्या समाधान शिविर में दिव्यांगों को स्कूटी एवं महिलाओं को सौर चूल्हे वितरित किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को लूणकरणसर में बीकानेर जिले के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इससे पहले उन्होंने समस्या समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं के प्रमाण पत्र वितरित किये।

शर्मा ने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी समस्या समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में प्रशासन को आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए उनके द्वार तक लाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमने 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति करना प्रारंभ कर दिया है तथा वर्ष 2027 तक सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा, हमने 2 वर्ष में ही करीब 85 हजार हेक्टेयर जमीन को सिंचाई सुविधा प्रदान कर दी है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सेवाओं का विस्तार होने के साथ ही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ढांचा भी सुदृढ हुआ है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में लगभग 50 हजार पदों पर नई भर्तियों की सौगात दी गई है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि पिछले दोनों बजटों में इस क्षेत्र को कई सौगाते दी गईं। लूणकरणसर एवं नापासर को नगर पालिका बनाया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने 612 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं 107 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने बीकानेर की जिला विकास पुस्तिका, ग्रामीण सेवा शिविर की सफलता की कहानी तथा 'शहरी सेवा शिविर-2025 पुस्तिका' का विमोचन भी किया। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने समस्या समाधान शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए दिव्यांगजनों को स्कूटी एवं महिलाओं को सौर चूल्हे वितरित किए। उन्होंने जिला विकास प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, विधायक विश्वनाथ मेघवाल, अनेक गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मोदी ने मथुरा हादसे पर शोक जताया

नयी दिल्ली, 16 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में मंगलवार सुबह यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति गहरा शोक जताते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के लिये ईश्वर से प्रार्थना की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को और घायलों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से क्रमश: 2 लाख रुपये और 50,000 रुपये देने की घोषणा भी की। मोदी ने प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल पर अपने पोस्ट पर लिखा, ''उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है।

- मृतकों के परिजनों को 2 लाख रु. और घायलों को 50,000 रु. की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की।

मथुरा में यमुना एक्सप्रैस वे पर भीषण सड़क हादसा 13 मरे, 100 से ज्यादा घायल

घने कोहरे की वजह से हुए हादसे में सात बसें व तीन कारें आपस में टकरा गईं

मथुरा, 16 दिसंबर। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस वे पर मंगलवार तड़के घने कोहरे ने कहर बरपा दिया। सुबह करीब 3:30 बजे बलदेव थाना क्षेत्र में 127 किलोमीटर माइलस्टोन के पास हुए भीषण सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक यात्री घायल हो गए। मंडल आयुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया है कि चार शवों की पहचान हो गई है, अन्य के शिनाख्त के लिए टीम जुटी हुई है। 17 बैग में कंकाल और जले हुए टुकड़ेलाए गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना के समय दृश्यता लगभग शून्य थी। कोहरे के चलते एक के बाद एक सात बसें और तीन कारें आपस में टकरा गईं।

- मंडल आयुक्त ने बताया कि शवों की पहचान भी मुश्किल हो रही है, मृतकों के कंकाल और शवों के जले हुए टुकड़े 17 बैगों में भरकर लाए गए।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कई वाहनों में धमाके के साथ आग लग गई। आग की लपटें उठते ही बसों में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण की टीमें मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और घायलों को वाहनों से बाहर निकाला गया। घायलों को जिला अस्पताल मथुरा, 100 शैय्या अस्पताल वृंदावन में भर्ती कराया गया है, जबकि गंभीर रूप से घायलों को एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर किया गया है और 38 लोग जिला अस्पताल में भर्ती हैं, जिनका उपचार चल रहा है साथ ही 39 बलदेव सीएचसी पर हैं।

कानपुर निवासी अमन यादव ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ कार से बांके बिहारी मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। घने कोहरे के कारण कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। तभी अचानक सामने से आए वाहन ने उनकी कार में टक्कर मार दी और उसके बाद लगातार कई वाहन आपस में टकराते चले गए।

इथियोपिया में प्र.मंत्री मोदी का भव्य स्वागत

एयरपोर्ट से होटल तक खुद कार चलाकर ले गए इथियोपियाई प्र.मंत्री अबी अहमद

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। होटल पहुंचने पर बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों ने तिरंगे लहराते हुए मोदी-मोदी और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। इससे पहले, इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली खुद कार चलाकर पीएम मोदी को एयरपोर्ट से होटल तक लेकर गए। रास्ते में उन्होंने पीएम मोदी को साइंस म्यूजियम और फ्रेंडशिप पार्क भी दिखाया, जो मूल कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था।

होटल पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखीं और उपस्थित लोगों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। इस दौरान कलाकारों के एक समूह ने बॉलीवुड फिल्म वीर-जारा का लोकप्रिय गीत ''धरती सुनहरी अंबर नीला'' गाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

पीएम मोदी ने हिंदी गीत गाते कलाकारों का वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा, अदीस अबाबा में एक जीवंत स्वागत! भारतीय गीत और संगीत यहां वास्तव में बहुत लोकप्रिय हैं। इससे पहले एयरपोर्ट पर इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने स्वयं पीएम मोदी का स्वागत किया। आगमन पर पीएम मोदी ने कहा कि वे विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए इथियोपियाई नेतृत्व के साथ बातचीत को लेकर उत्सुक हैं।

- होटल पहुंचने पर बड़ी संख्या में भारतीयों ने तिरंगे लहराकर मोदी का स्वागत किया।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, कुछ समय पहले अदीस अबाबा पहुंचा हूं। प्रधानमंत्री अबी अहमद अली द्वारा एयरपोर्ट पर स्वागत किए जाने से अभिभूत हूं। इथियोपिया महान इतिहास और जीवंत संस्कृति वाला देश है। भारत और इथियोपिया के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध हैं। मैं विविध क्षेत्रों में हमारी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए इथियोपियाई नेतृत्व से बातचीत को लेकर उत्सुक हूं।

स्टालिन ने हैरल्ड पर कोर्ट के फैसले का स्वागत किया

चेन्नई, 16 दिसंबर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने नेशनल हेराल्ड मामले में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ धन शोधन के आरोपों पर ईडी की प्राथमिकी/आरोपपत्र पर उच्चतम न्यायालय के संज्ञान लेने से इनकार करने का स्वागत करते हुए मंगलवार को कहा कि न्यायपालिका ने एक बार फिर भाजपा सरकार द्वारा विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का पर्दाफाश किया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''नेशनल हेराल्ड मामले में न्यायपालिका ने एक बार फिर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक में भाजपा के दुरुपयोग का पर्दाफाश किया है।'' स्टालिन ने पोस्ट में कहा, ''सत्य का साथ पाकर और बिना किसी डर के, सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी और माननीय विपक्ष के नेता, मेरे भाई राहुल गांधी न्याय के पात्र साबित हुए हैं, जबकि भाजपा धर्मनिरपेक्षता और संवैधानिक मूल्यों पर अडिग रहने के लिए गांधी परिवार को परेशान करने पर तुली हुई है।

- स्टालिन ने कहा साबित हो गया है कि केन्द्र सरकार विपक्षी नेताओं के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

नीतीश कुमार का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कितनी सुरक्षित होंगी? मुख्यमंत्री को इस घृणित व्यवहार के लिए तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।'' पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ़्ती ने एक्स पर एक पोस्ट में पूछा: ''क्या इस कृत्य को बुढ़ापे का परिणाम मानें, या फिर मुस्लिमों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने की सामान्यीकृत प्रवृत्ति?'

जदयू की ओर से इस घटना को एक पिता का स्नेह बता कर सामान्य रूप देने की कोशिश की गई है। वहीं, भाजपा ने अशोक गहलोत द्वारा, मुख्यमंत्री रहते हुए, एक महिला के ''घूंघट'' को कथित रूप से खींचने की एक पुरानी घटना को फिर से उठा लिया है।

फिर भी, तथ्य यह है कि पहले नीतीश कुमार की छवि एक ऐसे धीर-गंभीर नेता के रूप में थी, जो संतुलित बयान और चतुर राजनीतिक कदम के लिए जाने जाते थे। लेकिन पिछले कुछ महीनों में उनकी छवि एक चिड़चिड़े नेता की बन गई है। कुछ महीने पहले उस समय भी काफी विवाद हुआ था, जब उन्होंने, पार्टी के साथियों द्वारा रोके जान के बावजूद, एक महिला को माला पहना दी थी। इससे पहले, पटना में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में, उन्हें राष्ट्रीय गान के दौरान हंसते और बात करते हुए देखा गया था। एक अन्य कार्यक्रम में, वे उस समय हाथ जोड़े हुए और मुस्कराते हुए नज़र आए थे, जब उनके सामने कोई भी नहीं था।

कुमार की गलतियां साफ नज़र आ रही हैं: मज़ाक में, मंत्रियों के सिर टकरा देना, बार-बार गुस्से में आना, और पेट पर लगातार हाथ फिराते रहना, होंठ पाउट करना और मुँह में कुछ न होने पर भी, चबाते रहना, आदि। जाहिर है, उनके व्यवहार में कुछ तो गड़बड़ी है। यहां तक कि ये अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि पिछले साल उनका यूके दौरा उनकी मेडिकल स्थिति, जिसका खुलासा नहीं किया गया, के इलाज से संबंधित था।

बहुचर्चित दुलारचंद हत्याकांड में अनंत सिंह को जमानत नहीं

- विशेष सत्र अदालत ने विधायक अनंत सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी। यह हत्याकांड चुनाव के दौरान बहुत चर्चित रहा था।

पटना, 16 दिसंबर। बिहार की राजधानी पटना स्थित एक विशेष सत्र अदालत ने बहुचर्चित दुलारचंद यादव हत्याकांड में मंगलवार को विधायक अनंत सिंह की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष सत्र अदालत के न्यायाधीश धनंजय कुमार मिश्रा की अदालत में जमानत याचिका पर बहस करते हुए सिंह के अधिवक्ता सुनील कुमार ने अपने मुवक्किल को इस मामले में निर्दोष बताया और नियमित जमानत पर मुक्त किए जाने की प्रार्थना की थी। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अदालत ने सिंह को नियमित जमानत पर मुक्त करने से इनकार कर दिया। इससे पहले 20 नवंबर 2025 को विशेष निचली अदालत ने विधायक सिंह की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

सलमान खान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की गलत जानकारी और हानिकारक प्रभावों के लिए जिम्मेदार माना जाएगा। ऐसे में इस विज्ञापन के जरिए उपभोक्ताओं को भ्रमित करने के लिए फिल्म अभिनेता पूरी तरह से जिम्मेदार है।

पान मसाला निर्माता कंपनी अपने उत्पाद का प्रचार केसर युक्त पान मसाला एवं इलायची के रूप में कर रही है, जबकि इसके पांच और बीस रुपए के पाउच में करीब चार लाख रुपए प्रति किलोग्राम की केसर होना असंभव है। परिवाद में गुहार की गई कि इस भ्रामक विज्ञापन पर रोक लगाई जाए और निर्माता और अभिनेता पर पचास लाख रुपए का हर्जाना लगाया जाए।

लूथरा बंधु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुई। मीडियाकर्मी कथित तौर पर उड़ान के अंदर से लाइव प्रसारण कर रहे थे, जिससे पायलट नाराज हो गये और उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों को सूचित कर दिया।

नैशनल हैरल्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से संबंधित 2,000 करोड़ रूपये से अधिक की संपत्ति के गलत अधिग्रहण का आरोप लगाया गया था।

कांग्रेस ने अदालत के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे सत्य की जीत बताया और दोहराया कि यह मामला राजनीति से प्रेरित था।

जेल के नए मैनुअल प्रकाशित

गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने लोकसभा में इस नए जेल मैनुअल की जानकारी दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर। गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मंगलवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि जेलों में भीड़भाड़ कम करने के उद्देश्य से नया ''मॉडल प्रिज़न मैन्युअल'' प्रकाशित किया गया है। उन्होंने एक जुलाई, 2024 से लागू होने वाले तीन आपराधिक कानूनों के बारे में भी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 479 में अब यह परिभाषित किया गया है कि एक अभियुक्त को अधिकतम कितने समय तक हिरासत में रखा जा सकता है।

इसके तहत, यह प्रावधान किया गया है कि यदि कोई व्यक्ति पहली बार अपराध कर रहा है (अर्थात जिसे पहले कभी किसी अपराध में दोषी नहीं ठहराया गया हो), अगर वह उस अपराध के लिए निर्धारित अधिकतम सजा की एक-तिहाई अवधि तक हिरासत में रहा है, तो उसे कोर्ट द्वारा जमानत पर रिहा किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, यह जेल अधीक्षक की जिम्मेदारी होगी कि वह इस संबंध में अदालत में आवेदन प्रस्तुत करे।

बीएनएसएस में एक नए समय-सीमा आधारित ''प्ली बार्गेनिंग'' (समझौते के लिए याचिका) का भी प्रावधान है, जिसके अनुसार, अभियुक्त को आरोप तय होने की तारीख से 30 दिन के भीतर दूसरी पार्टी से समझौते की पेशकश करने का अधिकार होगा। इसके तहत, यदि आरोपी पहली बार अपराध कर रहा है और उसे पहले किसी अपराध में दोषी नहीं ठहराया गया है, तो अदालत उसे उस अपराध के लिए निर्धारित सजा का एक चौथाई या छठवां हिस्सा सजा के रूप में दे सकती है।

पहली बार, ''जन सेवा'' को सजा के रूप में पेश किया गया है।

मंत्री ने बताया, 2016 के मॉडल प्रिज़न मैन्युअल में ''कानूनी सहायता'' और ''अंडरट्रायल कैदियों'' पर अध्याय दिये गये हैं। जो अंडरट्रायल बंदियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं, जैसे कि कानूनी बचाव, वकील से साक्षात्कार, सरकारी खर्चे पर कानूनी सहायता के लिए आवेदन आदि की जानकारी देता है, जिससे जेलों में भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी।

बीएनएसएस, 2023 में एक नई धारा 356 जोड़ी गई है, जो ''प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर'' (घोषित अपराधी) की गैर मौजूदगी में भी उस पर मुकदमा चलाने का प्रावधान करता है, जिससे अदालत मुकदमा चलाकर आरोपी की मौजूदगी के बिना ही फैसला सुनाती है। यह प्रावधान यह सुनिश्चित करता है कि न्याय में न तो देरी हो और न ही किसी को न्याय से वंचित किया जाए।

मंत्री ने कहा कि नए कानून केस के त्वरित और निष्पक्ष समाधान का वादा करते हैं, जिससे न्यायिक प्रणाली में विश्वास बढ़ेगा। इसमें आश्वासन दिया गया है कि जांच और मुकदमे के महत्वपूर्ण चरणों को समयबद्ध तरीकों से पूरा किया जाएगा, जैसे प्रारंभिक जांच (14 दिनों में पूरी होगी), आगे की जांच (90 दिनों में पूरी होगी), दस्तावेजों की आपूर्ति (14 दिनों में), मुकदमे के लिए केस भेजना (90 दिनों में), डिस्चार्ज आवेदन दाखिल करना (60 दिनों में), आरोप तय करना (60 दिनों में), निर्णय की घोषणा (45 दिनों में) और राज्यपाल के समक्ष 30 दिन के भीतर और राष्ट्रपति के समक्ष 60 दिन भीतर दया याचिका पेश की जाएगी।

- उन्होंने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के भाग 479 के अनुसार, अंडर ट्रायल की अधिकतम हिरासत अवधि तय की गई है। अगर आरोपी ने पहली बार अपराध किया है और वह अपराध के लिए निर्धारित सज़ा की एक तिहाई अवधि हिरासत में काट चुका है तो उसे रिहा कर दिया जाएगा।
- कानून के अनुसार, इस बारे में कोर्ट में आवेदन करना जेल अधीक्षक का कर्तव्य होगा।

मंत्री ने कहा कि नए कानून के तहत महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के मामलों की प्राथमिकता से जांच की जाएगी, जिससे जानकारी दर्ज करने के दो महीने के भीतर जांच पूरी होगी।

नए कानून के अन्य सकारात्मक पहलू हैं- जिन पर पहला है, केस सुनवाई में अनावश्यक देरी से बचने के लिए अधिकतम दो बार स्थगन का प्रावधान, ताकि न्याय समय पर मिले। दूसरा न्यायिक प्रक्रिया की गति, दक्षता और पारदर्शिता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए एप्लिकेशन जैसे, ई साक्ष्य, ई समन, न्याय श्रुति (वीसी) और विकसित किए गए हैं।

ई साक्ष्य, डिजिटल साक्ष्य को वैध, वैज्ञानिक और अपूर्ण रूप से सुरक्षित रूप से एकत्र, संरक्षित और इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे प्रमाणिकता सुनिश्चित होती है और देरी को कम किया जाता है। ई समन के माध्यम से समन को इलेक्ट्रॉनिक तरीके से भेजा जा सकता है, जिससे यह प्रक्रिया तेज, समय-सीमा निर्धारित और आसानी से ट्रैक की जा सकती है।

न्याय श्रुति (वीसी), अभियुक्तों, गवाहों, पुलिस अधिकारियों, अभियोजकों, वैज्ञानिक विशेषज्ञों, बंदियों आदि के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल उपस्थिति की सुविधा प्रदान करता है।

कश्मीर में आतंकी नैटवर्क पर रेड, 12 लोग हिरासत में

श्रीनगर, 16 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने मंगलवार को कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर आतंकी मामले में छापेमारी की और पूछताछ के लिए 12 संदिग्धों को हिरासत में लिया।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, तलाश अभियान में एक संदिग्ध आतंकी समर्थक नेटवर्क को निशाना बनाया गया, जो कथित रूप से सामाजिक कार्यों की आड़ में इसे अंजाम दे रहा था। उन्होंने बताया कि 2023 में दर्ज मामले में तलाशी वारंट प्राप्त होने के बाद श्रीनगर, बारामूला, अनंतनाग, पुलवामा, कुपवारा, बडगाम और शोपियां सहित, सात जिलों में 12 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। यह मामला विश्वसनीय खुफिया जानकारी से प्राप्त हुआ जिससे संकेत मिलता है कि जम्मू-कश्मीर में कुछ लोग जनसंचार माध्यमों, सोशल मीडिया, मानवाधिकार मुद्दों, पर्यावरण मुद्दों और महिला सशक्तिकरण से जुड़े प्लेटफार्मों का दुरुपयोग भारत की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा के लिए गंभीर रूप से हानिकारक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कर रहे हैं। गुप्त जांच से पता चला कि उनके अलगाववादी समूहों एवं प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से संदिग्ध संबंध थे। सीआईके की जांच में यह भी सामने आया कि इनमें से कुछ व्यक्ति कथित रूप से एन्क्रिप्टेड संचार अनुप्रयोग का उपयोग कर पाकिस्तान स्थित आतंकी संचालकों के संपर्क में थे।

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलावा, पांच उड़ानों को दूसरे शहरों के लिए डायवर्ट करना पड़ा था। इस बीच, मौसम विभाग ने बुधवार को कोहरा कम रहने का अनुमान व्यक्त किया है। उसने बताया है दृश्यता सुबह के समय 600 मीटर तक घटने के बाद फिर बढ़ेगी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908